17 अक्टूबर 2025
शुक्रवार
केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
आपकी आवाज

केंद्रीय बलों के साथ समन्वय बैठक, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव के लिए प्रशासन हुआ सख्त 3

डीआईजी के घर मिला खजाना, सीबीआई ने रंगे हाथों दबोचा

- नोटां की गिनती के लिए मंगानी पड़ी मशीन

एजेंसी। चड़ीगढ़

पंजाब पुलिस के एक डीआईजी के घर से ऐसा खजाना निकला है कि सीबीआई को नोट गिनने की मशीन मंगवानी पड़ी. केंद्रीय जांच ब्यूरो ने पंजाब पुलिस के रोपड़ रेंज के डीआई हरचरण सिंह भुल्लर को रिश्वतखोरी के एक बड़े मामले में गिरफ्तार किया है। आरोप है कि डीआईजी ने एक स्क्रैप कारोबारी से 8 रुपए लाख की रिश्वत और हर महीने सेवापानी के नाम पर मंथली रकम मांगने की डील की थी। सीबीआई की कार्रवाई 11 अक्टूबर को दर्ज शिकायत के बाद शुरू हुई। फतेहगढ़ के स्क्रैप कारोबारी आकाश बट्टा ने सीबीआई को बताया कि डीआईजी हरचरण भुल्लर उसे एक फर्जी केस में फंसाने की धमकी दे रहे थे और अपने मिडिलमैन कृष्णु के जरिए 8 लाख रुपये की मांग कर रहे थे। कृष्णु लगातार कॉल कर अगस्त और सितंबर की बकाया राशि मांग रहा था। सीबीआई ने जाल बिछाया और सेक्टर-21, चंडीगढ़ में कृष्णु को 8 रुपए लाख लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ट्रैप के दौरान सीबीआई ने कृष्णु और सीबीआई के बीच कंट्रोल कॉल भी कराई, जिसमें सीबीआई ने पैसे की पुष्टि करते हुए दोनों को अपने दफ्तर बुलाया। इसके तुरंत बाद सीबीआई टीम ने डीआईजी हरचरण भुल्लर को उनके दफ्तर से गिरफ्तार कर लिया।

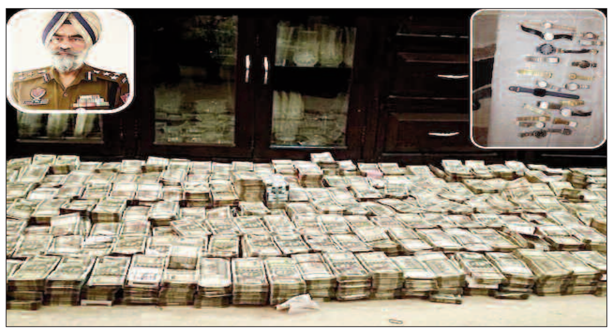

करोड़ों की बरामदगी, लग्जरी कारें और हथियार मिले

सीबीआई की तलाशी में डीआईजी के चंडीगढ़ और रोपड़ स्थित ठिकानों से करीब पांच करोड़ नकद, 1.5 किलो सोना, 22 लग्जरी घड़ियां, दो लग्जरी कारों की चाबियां, बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज, और 40 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई. इतना ही नहीं, उनके पास से एक डबल बैरल गन, पिस्टल, रिवॉल्वर और एयरगन भी मिली हैं। मिडिलमैन कृष्णु के पास से भी 21 लाख कैश मिला। सीबीआई ने इस मामले में भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज किया है। एजेंसी ने कहा कि यह गिरफ्तारी भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख का हिस्सा है। दोनों आरोपियों को 17 अक्टूबर को कोर्ट में पेश किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक डीआईजी हरचरण भुल्लर ने रिश्वत वसूली के लिए अपना सेवापानी सिस्टम बना रखा था। हर महीने कारोबारियों और पुलिस अधिकारियों से तय रकम ली जाती थी। सीबीआई अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य नामों की भी जांच कर रही है। वहीं, आम लोगों के लिए यह मामला यह संदेश देता है कि यदि वे किसी भी मामले में असमान व्यवहार या अनुचित धन की मांग का सामना करते हैं, तो उच्च स्तरीय जांच एजेंसियों से शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। हाल के वर्षों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां जांच एजेंसियों ने वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की है। इस घटना ने यह भी दिखाया कि उच्च पदों पर बैठे लोग भी जांच एजेंसियों की सतर्कता से बच नहीं सकते। आरोपी अधिकारी के खिलाफ अब जांच आगे बढ़ाई जा रही है, और अधिकारी से पूछताछ के दौरान भ्रष्टाचार से संबंधित अन्य जानकारियों का भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है। अब इस मामले की पूरी जांच निष्पक्ष तरीके से की जा रही है, ताकि किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार लोगों को जिम्मेदार ठहराया जा सके। इस प्रकार की कार्रवाइयां सिस्टम में पारदर्शिता लाने और आम जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए जरूरी हैं।

नीरव, ललित जैसे भगोड़े बहाना बनाकर बच नहीं पाएंगे : शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

अमित शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में नीरव मोदी, ललित मोदी जैसे भगोड़ों पर सख्ती करने के लिए बड़े प्लान का खुलासा किया। उन्होंने राज्यों को इंटरनेशनल लेवल की जेल बनाने को कहा। साथ ही ये भी बताया कि अब तक इन भगोड़ों की लगभग 12 अरब डॉलर संपत्ति जब्त की गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को साफ कहा कि देश के बाहर बैठे भगोड़ों के खिलाफ अब कोई ढिलाई नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि हर अपराधी, चाहे वह आर्थिक अपराधी हो, साइबर अपराधी या आतंकवादी, उसे समयबद्ध तरीके से भारतीय कानून के सामने लाया जाए। यह बात उन्होंने कहाकि ऐसी जेलें बनाएं, जो इंटरनेशनल लेवल की हों. यही बहाना बनाकर ललित मोदी और नीरव मोदी भारत की जेलों में आने से बच रहे हैं। वे बार बार दलील दे देते हैं कि भारत की जेलों की हालत खराब है। उनका प्रत्यर्पण नहीं किया जा सकता और कोर्ट भी उनकी बातें मान लेती है। लेकिन अगर शाह का फामूर्ला चल गया तो इनका बचना मुश्किल होगा। अमित शाह ने इस मौके पर जोर देकर कहा कि देश में अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ जो जीरो टॉलरेंस पॉलिसी अपनाई जा रही है। वही नीति विदेशों में बैठे अपराधियों के खिलाफ भी लागू होनी चाहिए. उनका कहना था कि अब भगोड़ों को यह भरोसा खत्म करना होगा कि भारतीय कानून उनकी पहुंच से बाहर है। उनका पूरा मकसद यही है कि अपराधियों का वह सारा नेटवर्क, चाहे वह कानूनी हो, वित्तीय हो या राजनीतिक, विदेशों में न टिक सके।

राजद व कांग्रेस केवल अपने परिवार का विकास करना चाहता है

कांग्रेस व राजद की निगाहें फर्जी वोटिंग पर : योगी

एजेंसी/सहरसा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को बिहार के सहरसा पहुंचे, जहां उन्होंने शहर के पटेल मैदान में सहरसा विधानसभा क्षेत्र से निवर्तमान विधायक डॉ. आलोक रंजन की नामांकन रैली में हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने राजद और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार के सहरसा में विधायक डॉ. आलोक रंजन की नामांकन रैली को संबोधित किया। उन्होंने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। योगी आदित्यनाथ ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि उनके शासनकाल में बिहार का विकास ठप रहा। कांग्रेस और राजद केवल फर्जी वोटिंग के आधार पर जीत दर्ज करने में लगी हुई है। इन्हें जनता के विकास से कोई मतलब नहीं है। उन्होंने केवल अपने परिवार का विकास किया। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि 140 करोड़ देशवासी मेरा परिवार हैं, लेकिन लालू प्रसाद यादव के लिए सिर्फ राबड़ी देवी और उनका परिवार ही सबकुछ है। वे अपने परिवार और पार्टी से आगे कुछ नहीं सोचते। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एनडीए सरकार पूरे देश के विकास के लिए समर्पित है। बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में बीते 20 वर्षों में राज्य ने विकास की नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में सड़कों की कनेक्टिविटी बढ़ी है, हर जिला मुख्यालय में इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं, बिहार में रेलवे नेटवर्क का विस्तार हुआ है और अब राज्य में मेट्रो सेवा भी शुरू हो चुकी है।

ह्यबुर्के की आड़ में वोट डकैती की साजिश

योगी ने कांग्रेस और राजद पर बुर्के की आड़ में फर्जी वोटिंग की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद को बुर्का इसलिए चाहिए ताकि फर्जी वोटर उसकी आड़ में वोट डाल सकें और गरीबों-दलितों के वोट पर डकैती डाल सकें। ये लोग विकास की बात नहीं करते, बल्कि फर्जी वोट के सहारे सत्ता में लौटना चाहते हैं। योगी ने आगे कहा कि जब तीर्थ यात्रा पर जाते हैं तो पासपोर्ट पर चेहरा दिखाते हैं, लेकिन जब वोट देने की बारी आती है तो बुर्के का बहाना बनाते हैं। ये बिहार की जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इनकी साजिश सफल नहीं होगी।

एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में अपील

अपने संबोधन के अंत में योगी आदित्यनाथ ने सहरसा जिले की चारों विधानसभा सीटों से एनडीए प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने की अपील की। एनडीए ने सहरसा से डॉ. आलोक रंजन, सोनवर्षा राज से रत्नेश सादा, सिमरी बख्तियारपुर से संजय कुमार सिंह, और महिषी से गुंजेश्वर साह को उम्मीदवार बनाया है। चारों प्रत्याशी योगी की सभा में मंच पर मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव के तहत कुम्हरार और विक्रम विधानसभा क्षेत्रों में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में भारत को दुनिया में मान-सम्मान के साथ आगे बढ़ाने के लिए एनडीए की सरकार जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सबका साथ-सबका विकास केवल नारा नहीं, बल्कि धरातल पर उतरा हुआ संकल्प है।

बिहार चुनाव के लिए भाजपा ने जारी की स्टार प्रचारकों की लिस्ट

एजेंसी। पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर माहौल एक दम सियासी है। इस दौरान भाजपा ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में 40 दिग्गज भाजपा नेताओं के नाम हैं। पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, जे. पी. नड्डा समेत कई बड़े चेहरों के नाम इस लिस्ट में हैं। पीएम नरेंद्र मोदी, जे. पी. नड्डा, राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, धर्मेन्द्र प्रधान, गिरिराज सिंह, योगी आदित्यनाथ, देवेंद्र फडणवीस, हिमंता बिस्वा सरमा, मोहन यादव, रेखा गुप्ता, स्मृति ईरानी, केशव प्रसाद मौर्य, सी. आर. पाटिल, डॉ. दिलीप कुमार जैसवाल, स्यामक चौधरी, विजय कुमार सिन्हा,रमेंद्र कुमार, डॉ. प्रेम कुमार, नित्यानंद राय, राधामोहन सिंह, साध्वी निरंजन ज्योति, सतीश चंद्र दुबे, राजीव रंजन चौधरी, अश्विनी कुमार चौबे, रवि शंकर प्रसाद, नंद किशोर यादव, राजीव प्रताप रूडी, डॉ. संजय जायसवाल, विनोद तावड़े, शहनवाज हुसैन ब्रजकिशोर सिंह, गोपालजी ठाकुर, जनक राम, नवल किशोर यादव, मंगला यादव, रवि किशन और दिनेश लाल यादव निरहुआ का नाम शामिल है।

गुजरात में सीएम भूपेंद्र पटेल को छोड़कर सभी मंत्रियों का इस्तीफा

एजेंसी। अहमदाबाद

गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाले गुजरात मंत्रिमंडल का विस्तार शुक्रवार को होगा। वहीं इससे पहले आज राज्य के सभी मंत्रियों ने अपने पदों से इस्तीफा सौंप दिया है। वहीं कैबिनेट विस्तार को लेकर एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने पहले बताया था कि आगामी मंत्रिमंडल विस्तार में राज्य को लगभग 10 नए मंत्री मिल सकते हैं, और लगभग आधे मौजूदा मंत्रियों को बदला जा सकता है। भूपेंद्र पटेल ने 12 दिसंबर, 2022 को दूसरी बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मंत्रिमंडल का विस्तार शुक्रवार सुबह 11:30 बजे होगा। वर्तमान गुजरात मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री पटेल समेत कुल 17 मंत्री हैं। इसमें आठ कैबिनेट स्तर के मंत्री हैं, जबकि इतने ही राज्य मंत्री (एमओएस) हैं। बता दें कि, 182 सदस्यीय विधानसभा वाले गुजरात में 27 मंत्री या सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत मंत्री हो सकते हैं। इस महीने की शुरूआत में, गुजरात सरकार में राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल की जगह भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई के नए अध्यक्ष बने।2022 में गुजरात में विधानसभा चुनाव हुए थे। चुनाव से 15 महीने पहले सितंबर 2021 में राज्य की पूरी कैबिनेट बदल दी गई थी।

दो दिनों में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में 258 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

छत्तीसगढ़ में रिकॉर्ड 170 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

एजेंसी। नई दिल्ली

देश को 31 मार्च 2026 से पहले नक्सल मुक्त करने के सरकार के अभियान में गुरुवार को उस वक्त बड़ी सफलता मिली, जब एक साथ रिकॉर्ड 170 नक्सलियों ने सरकार के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें नक्सलियों की सेंट्रल कमिटी के बड़े नामों में से एक रूपेश भी शामिल है। सरकार को अब नक्सलियों की टॉप लीडरशिप में शामिल मोस्ट वांटेड मांडवी हिडमा और तिरूपति उर्फ देवजी के सरेंडर करने का इंतजार है। हालांकि, गुरुवार को आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के हवाले से सूत्रों ने कहा कि इनके सरेंडर करने की उम्मीद काफी कम है। 21 मई को छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए नक्सली ग्रुप के टॉप लीडर नरसिम्हा उर्फ नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू समेत 28 नक्सलियों की घटना से पहले बसवराजू ने दोनों से हथियार डालने की बात कही थी। जिससे हिडमा और देवजी ने इनकार कर दिया था।लेकिन फिर भी सरकार इनके समेत और बाकी बचे नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने का इंतजार कर रही है।

6 करोड़ रुपए के इनामी भूपति ने भी किया सरेंजर

अभी तक आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की लिस्ट में 10 सीनियर ऑपरेटिव भी शामिल हैं। इनमें नक्सलियों के सबसे प्रभावशाली रणनीतिकारों में से एक छह करोड़ रुपए के इनामी भूपति उर्फ अभय समेत सतीश उर्फ टी वासुदेव राव शामिल हैं। इनके अलावा रानीता, भास्कर, नीला उर्फ नंदे, नेलनार, दीपक पालो और इंद्रावती ने भी सरेंडर किया है। टी वासुदेव राव के सिर पर 1 करोड़ रुपए का इनाम था। मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि एक समय आतंक का गढ़ रहे छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और नॉर्थ बस्तर को आज नक्सली हिंसा से पूरी तरह से मुक्त घोषित कर दिया गया है। अब छिटपुट नक्सली केवल साउथ बस्तर में बचे हुए हैं। जिन्हें हमारे सुरक्षा बल शीघ्र ही समाप्त कर देंगे। बुधवार को छत्तीसगढ़ में 27 और महाराष्ट्र में 61 नक्सलियों ने अपने हथियार डाले थे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि नक्सलियों के विरुद्ध हमारी नीति स्पष्ट है। जो आत्मसमर्पण करना चाहते हैं उनका स्वागत है, लेकिन जो लोग हथियार उठाए रहेंगे, उन्हें हमारी सुरक्षा बलों की कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

संगम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
SANGAM SUPER SPECIALTY HOSPITAL
परामर्श शुल्क मात्र ₹ 1/-
+ जनरल फिजिशियन
+ स्त्री रोग विशेषज्ञ
+ जनरल व गेस्ट्रो सर्जरी
+ बाल रोग विशेषज्ञ
+ नाक, कान, गला विशेषज्ञ
+ हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
+ न्यूरो फिजिशियन व सर्जरी
+ हृदय रोग विशेषज्ञ
+ ओनको सर्जरी (कैंसर)
+ यूरोलॉजी सर्जरी
+ फिजियो थेरेपी सेन्टर
+ पैथोलॉजी
Add.: 53/2, Avadhpuri Colony, Khargapur, Gomti Nagar, Lucknow - 226010 | Email : Sangamhospitals2025@gamil.com
Mob.: 9956026260, 9044872872

A. D. GROUP OF EDUCATION
Recognized By:- Health Department Gov. Of Bihar, Bihar Nursing Council Jharkhand Nursing Council, BUHS Bihar, Ranchi University, PCI New Delhi | INC New Delhi
पाल पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट एंड हॉस्पिटल
निःशुल्क शिक्षा अभियान पढ़ना, रहना एवं खाना मुफ्त
नर्सिंग एवं पारामेडिकल के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सुनहरा मौका
मेडिकल डेन्टल आयुर्वेदा होमियोपैथी यूनानी वेटरनरी नेचुरोपैथी
के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सुनहरा मौका
India & Abroad के Top मेडिकल कॉलेज में नामांकन करावाएं
100% प्लेसमेंट की सुविधा
JAMUI College Of Pharmacy (Bihar) PCI-4409
S.N.S. College Of Health. Education (Ranchi) PCI-7033
R.S. Institute Of Health Education (Ranchi) PCI-9093
S.N.S. Intitute Of Health Education (Ranchi)
RAJIV College Of Health. Education (Ranchi)
S.S. College Of Nursing (Buxar)
ADMISSION DEPARTMENT OF EDUCATION
B.ED | D.Le.Ed | BBA BCA | MBA
BA | B.Sc B.Com | POLYTECHNIC | MA
M.Sc | M.Com | MBBS BDS
BHMS, BUMS, BAMS, MD, MS
WHO Approved College High FMGE Passing Percentage
World Class Education with affordable
Super Multi Speciality Hospital with good patient flow
For: NEET Qualified Students
NCISM I NMC & WHO Approved College
Apply Online: www.palparamedical.com
ANM I B.Sc Nursing I GNM I D. Pharma I B. Pharma
BPT I DMLT I CMS ED I DRESSER I BMLT I P.B.sc Nursing
+91 8851335609, 9472164547, 6206049137
Head Office:- Itarhi Block Buxar, Bihar (802123)
Our Branch office:- Patna I Lucknow I Noida
DR. DHANJEE PAL
DIRECTOR/CEO

मतदाता जागरूकता हेतु ऐतिहासिक किला मैदान में मानव श्रृंखला का भव्य आयोजन

- लोकतंत्र के महापर्व में शामिल हों तथा कोई मतदाता न छूटे का दिया गया नारा

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर जिले में मतदाता जागरूकता अभियान को और गति देने के उद्देश्य से गुरूवार को बक्सर के ऐतिहासिक किला मैदान में एक विशाल मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने किया। यह आयोजन स्वीप कार्यक्रम के तहत किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य लोकतंत्र के इस महापर्व में अधिक से अधिक मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम की शुरूआत प्रेरक नारों और रंग-बिरंगे बैनरों के साथ हुई। बैनरों पर ह्लमेरा वोट, मेरा अधिकारह्व, ह्लपहले मतदान, फिर जलपानह्व जैसे संदेश लिखे हुए थे। किला मैदान से लेकर मुख्य मार्ग तक हजारों की संख्या में लोगों ने हाथों में हाथ डालकर एकता और लोकतंत्र की ताकत का अद्भुत प्रदर्शन किया।

इस मानव श्रृंखला में जीविका दीदियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहायिकाओं, स्वयंसेवकों, तथा जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों ने एक स्वर में शत-प्रतिशत मतदान का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान केवल हमारा अधिकार नहीं, यह हमारा कर्तव्य भी है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बक्सर जिला प्रशासन हर मतदाता तक पहुंचने और उन्हें मतदान के प्रति प्रेरित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

जिलाधिकारी ने सभी उपस्थित लोगों को निष्पक्ष, निर्भीक और शत-प्रतिशत मतदान का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि कोई भी मतदाता वोट देने से वंचित न रहे, इसके लिए प्रशासन हर स्तर पर जन-जागरण अभियान चला रहा है।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी, अपर समाहर्ता बक्सर, जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप रंजन, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (आईसीडीएस), जिला जन संपर्क पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (सर्व शिक्षा अभियान) सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

किला मैदान में आयोजित इस भव्य मानव श्रृंखला ने यह संदेश स्पष्ट रूप से दिया कि बक्सर का हर नागरिक लोकतंत्र की रक्षा और सशक्तिकरण के लिए कटिबद्ध है। सभी ने यह संकल्प दोहराया कि आगामी विधानसभा चुनाव में ह्लकोई मतदाता न छूटेह्व और जिले में शत-प्रतिशत मतदान का लक्ष्य हासिल किया जाएगा।

बक्सर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम मतदाता जागरूकता की दिशा में एक प्रभावी पहल साबित हुआ, जिसने आम जनता को अपने मताधिकार के महत्व को समझने और उसका सही उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

सिर्फ एजेंसी से शो-कॉज तक सिमटा नगर परिषद प्रशासन की भूमिका, धड़ल्ले से गाइड लाइन का हो रहा उल्लंघन

कचरा डंपिंग में मिस मैनेजमेंट चरम पर, एनएच बना डंपिंग जोन

केटी न्यूज/डुमरांव

स्वच्छता सर्वेक्षण में औव्वल आने के लिए डुमरांव नगर परिषद हर महीने 90 लाख रूपए से अधिक खर्च कर रहा है, बावजूद न तो शहर में माकूल सफाई ही हो पा रही है और न ही डोर-टू-डोर उठाए गए कचरे का सही निस्तारण हो पा रहा है। जिस कारण शहर से निकला कचरा बाहरी सीमा पर बदबू फैलाने के साथ ही संक्रामक बीमारियों को न्योता देते नजर आ रहा है।

हम बात कर रहे है नगर परिषद के सफाई एजेंसी द्वारा कचरा निस्तारण में किए जा रहे मानकों का उल्लंघन तथा खुलेआम एनएच किनारे कूड़ा डंपिंग किए जाने का। आलम यह है कि पुराना भोजपुर से नया भोजपुर थाना तक करीब आधा दर्जन ऐसे स्पॉट मिल जाएंगे, जहां हाल ही में नगर परिषद के सफाईकर्मियों द्वारा कचरे की डंपिंग की गई है। जबकि एनजीटी के गाइड लाइन में राष्ट्रीय राजमार्ग, सार्वजनिक स्थलों, जलाशयों आदि के पास कचरा डंप नहीं करने का निर्देश दिया गया है, लेकिन डुमरांव नगर परिषद के सफाई का जिम्मा संभालने वाली एजेंसी द्वारा महीनों से इसका उल्लंघन किया जा रहा है। जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश गहराने लगा है, वहीं संक्रामक बीमारियों के विस्फोट का खतरा भी बना हुआ है।

सिर्फ शो-कॉज तक ही सिमटा नगर परिषद प्रशासन की भूमिका

बता दें कि सफाई एजेंसी पर निगरानी तथा एनजीटी के गाइड लाइन के पालन की जिम्मेवारी नगर परिषद प्रशासन की है, बावजूद नगर परिषद प्रशासन से शिकायत करने पर सिर्फ सफाई एजेंसी से शो-कॉज मात्र किया जाता है, इसके बाद सफाई एजेंसी पर कार्रवाई नहीं होने से उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। जिस कारण कचरे का उठाव के बाद सफाई एजेंसी के मजदूर जहां मन वहां कचरा फेक अपनी जिम्मेवारी से मुक्त हो जा रहे है।

बिगड़ रही है एनएच 922 की सूरत

हाल के दिनों में सिमरी रोड तथा डुमरांव के शहरी क्षेत्र के आस पास कचरा डंप किए जाने पर स्थानीय लोगों ने भारी विरोध किया था, जिसके बाद सफाईकर्मियों द्वारा कचरे का उठाव के बाद उसे पटना-बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे डंप किया जा रहा है। नया भोजपुर थाना से पुराना भोजपुर के आखिरी छोर तक ऐसे आधा दर्जन से अधिक स्पॉट बन गए है, जहां नगर परिषद प्रशासन द्वारा सड़क किनारे कचरे को डंप कर गंदगी फैलाई जा रही है। इसके अलावे नगर परिषद के सीमा के आगे भी कचरा डंप किये जाने की जानकारी मिली है।

बड़ा सवाल, कचरे का समुचित निस्तारण क्यो नहीं करा रहा नप

इस मामले में बड़ा सवाल तो यह है कि आखिर नगर परिषद प्रशासन हर दिन नगर परिषद क्षेत्र से निकलने वाले कई टन कचरे का समुचित निस्तारण क्यों नहीं करा पा रहा है। जबकि पिछले छह-सात वर्ष से अधिक समय से नगर परिषद प्रशान हर दिन डोर-टू-डोर कचरे का उठाव करवा रहा है। बावजूद अभी तक कचरे के निस्तारण का उपाय नगर परिषद प्रशासन नहीं खोज पाया है। जबकि पिछले दिनों लाखों रूपए खर्च कर नगर परिषद प्रशासन द्वारा कंचरा डंपिंग केन्द्र बनवाया गया था, लेकिन कभी उसका उपयोग नहीं हो सका। वहीं, पिछले दो साल से नगर परिषद प्रशासन कचड़ा डंपिंग के लिए जमीन की तलाश भी कर रहा है, अभी तक उसकी तलाश भी पूरी नहीं हो पाई है। जबकि हर महीने 90 लाख से अधिक रुपए खर्च कर भी नगर परिषद जहां शहर को साफ-सुथरा रखने का स्वांग भरती है, वहीं बाहरी सीमा में कचड़ा फेक नगर परिषद के प्रवेश द्वार को गंदा करने के साथ ही लोगों को गंदगी जनित बीमारियों की ओर धकेल रही है।

> सफाई एजेंसी द्वारा एनएच 922 के किनारे कचड़ा डंप किए जाने की जानकारी नहीं थी। मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली है। इसकी जांच करवा उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।
>
> **राहुलधर दूबे, ईओ, नगर परिषद, डुमरांव**

चुनाव को लेकर नया भोजपुर पुलिस अलर्ट मोड में, 180 संदिग्धों पर कार्रवाई

केटी न्यूज/डुमरांव

आगामी विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने को लेकर नया भोजपुर पुलिस पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने विशेष अभियान चलाते हुए अब तक 180 लोगों की पहचान की है और उनके विरुद्ध निरोधात्मक एवं कानूनी कार्रवाई की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अराजकता या आपराधिक गतिविधि को रोकना पुलिस की प्राथमिकता है। इसी क्रम में 3 लोगों के विरुद्ध सीसीए (क्राइम कंट्रोल एक्ट) के तहत कार्रवाई की गई है, जबकि धारा 107 के तहत 172 व्यक्तियों को बाउंड डाउन किया गया है। इसके अलावा गुंडा एक्ट के तहत 3 और निगरानी श्रेणी में 2 लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई की गई है। पुलिस का कहना है कि यह अभियान चुनावी प्रक्रिया को सुचारु और सुरक्षित बनाने के लिए चलाया जा रहा है ताकि मतदाता बिना किसी भय के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। थाना क्षेत्र में लगातार गश्त बढ़ा दी गई है और संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। थानाध्यक्ष ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में पुलिस का सहयोग करें और यदि किसी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की जानकारी मिले तो तुरंत स्थानीय थाने को सूचित करें। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जनता की सुरक्षा के लिए वह हर स्तर पर मुस्तैद है।

बक्सर के गौरव की पुनर्स्थापना मेरा संकल्प : आनंद मिश्र

- अहिरौली भाजपा कार्यालय में पदाधिकारियों संग की बैठक, शुक्रवार को करेंगे नामांकन दाखिल

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी के बीच अब भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व आईपीएस अधिकारी आनन्द मिश्रा को बक्सर सदर विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार घोषित कर पार्टी सिंबल सौंपा है। गुरुवार को भाजपा प्रत्याशी आनन्द मिश्रा ने बक्सर स्थित अहिरौली भाजपा कार्यालय में संगठन के पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, विधानसभा संयोजक व प्रभारियों के साथ परिचयात्मक व रणनीतिक बैठक की। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने की, जबकि संचालन जिलामहामंत्री लक्ष्मण शर्मा ने किया। इस अवसर पर सांसद अलीगढ़ सतीश गौतम, पूर्व केंद्रीय मंत्री भानु प्रताप वर्मा, सतीश त्रिपाठी, मिना कुशवाहा, शिला त्रिवेदी, राजीव रंजन सिंह, धनंजय त्रिगुण समेत अनेक वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने माला व अंगवस्त्र पहनाकर भाजपा प्रत्याशी आनन्द मिश्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद श्री मिश्रा ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं से एक-एक कर परिचय प्राप्त किया और बक्सर के विकास को लेकर अपनी दृष्टि साझा की। अपने संबोधन में पूर्व आईपीएस आनन्द मिश्रा ने कहा कि बक्सर से चुनाव लड़ने का मेरा उद्देश्य केवल राजनीति नहीं, बल्कि बक्सर के आध्यात्मिक, पौराणिक और सांस्कृतिक गौरव की पुनर्स्थापना करना मेरा संकल्प है। उन्होंने कहा कि किसानों, व्यवसायियों और मजदूरों के आर्थिक विकास के लिए ठोस पहल कर उनके जीवन को सुदृढ़ और सुन्दर बनाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने आगे कहा कि बक्सर को एक ह्लशिक्षित बक्सरह्व बनाना उनका सपना है, ताकि यहां के बच्चों और बच्चियों का भविष्य उज्जवल हो सके। मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता बताते हुए कहा कि वे उनके सपनों को साकार कर बक्सर को बिहार के मानचित्र पर एक विकसित और सशक्त क्षेत्र के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। श्री मिश्रा ने बताया कि वे शुक्रवार, 17 अक्टूबर शुक्रवार को बक्सर विधानसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल करेंगे। उन्होंने मीडिया के माध्यम से बक्सरवासियों से भावनात्मक अपील करते हुए कहा कि मैं बक्सर का बेटा, भाई और रखवाला बनकर आपके बीच आया हूं। कल मेरे नामांकन में आकर आशीर्वाद दें।

संजय तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी बने कांग्रेस के प्रत्याशी

- लगातार तीसरी बार बक्सर सदर से कांग्रेस ने जताया भरोसा

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर सदर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस ने एक बार फिर संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी पर भरोसा जताया है। आगामी विधानसभा चुनाव 2025 में वे कांग्रेस के आधिकारिक प्रत्याशी होंगे। इस घोषणा के बाद जिला कांग्रेस कार्यालय में उनका जोरदार स्वागत किया गया। पार्टी कार्यकताओं ने उन्हें फूलमाला और अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित इस स्वागत समारोह में पार्टी कार्यकताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। डॉ. पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि बीते दस वर्षों में मुन्ना तिवारी ने बक्सर सदर क्षेत्र में जनहित के कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। जनता के बीच उनकी लोकप्रियता और सेवा भावना के कारण कांग्रेस ने लगातार तीसरी बार उन पर भरोसा जताया है। वहीं, कांग्रेस प्रत्याशी संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी ने कहा कि इस बार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस महागठबंधन के सहयोग से रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ बक्सर की जीत नहीं, बल्कि बिहार में महागठबंधन की सरकार बनाना है, ताकि विकास की गति को और तेज किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि बक्सर की जनता ने हमेशा सांप्रदायिक ताकतों को करारा जवाब दिया है और इस बार भी बाहरी तत्वों को हराकर अपने माटी के सपूत मुन्ना तिवारी को ऐतिहासिक जीत दिलाएगी। वहीं, जिलाध्यक्ष ने बताया कि शुक्रवार को राजपुर विधानसभा के प्रत्याशी विश्वनाथ राम और बक्सर सदर विधानसभा के प्रत्याशी मुन्ना तिवारी नामांकन दाखिल करेंगे। इस मौके पर डॉ. पांडेय ने सभी कांग्रेस और महागठबंधन समर्थकों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में नामांकन समारोह में शामिल होकर मुन्ना तिवारी को आशीर्वाद दें। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे, जिनमें भृगुनाथ तिवारी, संजय कुमार दुबे, अनिल उपाध्याय, अभय मिश्रा, रोहित उपाध्याय, अभिषेक कुमार जायसवाल, राजद नगर अध्यक्ष शाहबाज अख्तर, सुनील पांडे, गुलाब अंसारी, संतोष सिंह, नीरज सिंह, राजेंद्र ओझा, वीरेंद्र राम, तुषार यादव, जसीम अख्तर, सारिक खान, शाहिद और हजारों समर्थक शामिल थे।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करेंः +91 7061608901

जन सुराज
सही लोग • सही सोच • सामूहिक प्रयास
इस बार वोट सिर्फ अपने बच्चों के लिए
शिक्षा और रोजगार के लिए
विश्वकर्मा पूजा, दशहरा, दिपावली एवं छठ पूजन की ढेर सारी शुभकामनाएं
शोभा देवी
भावी प्रत्याशी
बक्सर 200
Shobha devi (Maharani)

केसठ में अर्धसैनिक बलों का फ्लैग मार्च, चुनाव में शांति और सुरक्षा का दिया संदेश

- संवेदनशील इलाकों में किया गश्त, मतदाताओं में बढ़ाया विश्वास

केटी न्यूज/केसठ

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। गुरुवार को क्षेत्र में शांति, कानून व्यवस्था बनाए रखने और मतदाताओं में सुरक्षा का भाव जगाने के उद्देश्य से अर्धसैनिक बलों ने पुलिस बल के साथ संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च का नेतृत्व थानाध्यक्ष कुसुम कुमार केशरी ने किया। यह मार्च पुराना बाजार से शुरू होकर नया बाजार, केसठ मुख्य चौक, और आसपास के संवेदनशील व अति-संवेदनशील इलाकों से गुजरता हुआ विभिन्न मार्गों से निकाला गया। इस दौरान अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियां सशस्त्र वर्दी में पूरी तैयारी के साथ कदमताल करती नजर आईं। मार्च के दौरान स्थानीय लोग भी सड़कों पर निकलकर सुरक्षा बलों का स्वागत करते दिखे। थानाध्यक्ष कुसुम कुमार केशरी ने बताया कि चुनाव के दौरान शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करना पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की अराजकता, गड़बड़ी या अवांछित गतिविधि को सख्ती से निपटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य क्षेत्र में शांति का माहौल बनाए रखना और मतदाताओं में यह विश्वास पैदा करना है कि वे निर्भीक होकर मतदान केंद्रों तक जाएं और अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कहीं कोई संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। पुलिस और प्रशासन ऐसी सूचनाओं पर तत्काल कार्रवाई करेगा। फ्लैग मार्च के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रत्येक मुख्य चौक, गलियों और सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही पुलिसकर्मियों ने स्थानीय दुकानदारों व नागरिकों से भी बातचीत की और उन्हें चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। फ्लैग मार्च के माध्यम से प्रशासन ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि किसी भी व्यक्ति को कानून व्यवस्था भंग करने या चुनावी प्रक्रिया में बाधा डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। स्थानीय नागरिकों ने फ्लैग मार्च को सराहा और कहा कि इससे उन्हें भरोसा मिला है कि प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है और चुनाव निष्पक्ष व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न होगा। चुनाव नजदीक आते ही पुलिस-प्रशासन की ओर से ऐसे फ्लैग मार्च लगातार जारी रहेंगे, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और मतदाताओं का विश्वास दोनों मजबूत बने रहें।

एक नजर

खरवनिया गांव के पास डाककर्मी से हुई लूट मामले में प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय थाना क्षेत्र के खरवनिया गांव के पास बुधवार की दोपहर डाककर्मी से हुई लूट की घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। इस मामले में पुलिस ने जख्मी डाककर्मी विनय कुमार के बयान पर अज्ञात अपराधियों के खिलाफ नावानगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की है। जानकारी के अनुसार, विनय कुमार कतिकनार डाकघर में ग्राहकों द्वारा जमा की गई 1 लाख 30 हजार रुपये की राशि लेकर केसठ पोस्ट ऑफिस में जमा करने जा रहे थे। इसी दौरान खरवनिया गांव के पास सुनसान स्थान पर बाइक सवार दो अपराधियों ने उन्हें ओवरटेक कर रोक लिया। रुपये छीनने का विरोध करने पर अपराधियों ने डाककर्मी पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई और वे बेहोश होकर गिर पड़े। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जख्मी डाककर्मी को इलाज के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा गया। फिलहाल पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छानबीन में जुटी हुई है।

भैसही नदी के उफान पर, लोक आस्था का महापर्व छठ घाट डूबा

पूजा कमिटी और प्रशासन घाट की साफ-सफाई कराने में बेवस

डुमरांव। इस बार पुराना भोजपुर और नया भोजपुर से गुजरने वाली भैंसही नदी पूरे उफान पर है। इसके उफान पर रहने के कारण छठ पूजा के लिये घाट बनाने में संकट उत्पन्न हो गया है। नदी में आवश्यकता से अधिक पानी जमा होने से प्रसिद्ध छठ घाटों का एक बड़ा हिस्सा डूब गया है, जिससे हजारों श्रद्धालुओं की पूजा-अर्चना बाधित हो सकती है। इतिहास में पहली बार घाट पर जलस्तर इतना बढ़ा कि साफ-सफाई और सजावट का काम रुक गया है। आसपास के खेत पानी से लबालब भर गए हैं, जिससे व्रतियों को अर्घ्य देने में भारी कठिनाई होगी। यह स्थिति को उत्पन्न करने में स्थानी मछली मारने वालों का भी बहुत बड़ा हाथ है। क्षेत्र के मछुआरे भैसही नदी में चिलमन और उसमें तिरपाल लगाकर पानी बहने से अवरूद्ध कर दिया है, जिससे घाटों तक पानी फैल गया है। ऐसा लगता है जैसे बाढ़ आ गया है, ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि स्थिति कितनी भयावह हो गई है। स्थानीय लोग आक्रोशित हैं और मछुआरों पर आरोप लगा रहे हैं कि मछली पालन के चक्कर में उन्होंने नदी पर बांध बना दिया है। एक स्थानीय श्रद्धालु रामेश्वर यादव ने कहा, छठ हमारी आस्था है, लेकिन पानी की वजह से घाट तक पहुंचना मुश्किल हो गया और इधर प्रशासन गहरी निंद में सो रहा है। विदित हो कि दशहरा पर्व बितने के साथ ही घर-घर छठ पूजा की तैयारी शुरू हो जाती है। शहर और गांव के नौजवानों छठ घाटों को तैयार करने में जुट जाते हैं,लेकिन इस बार बढ़ता जलस्तर सबकुछ चौपट कर रहा है। महिलाएं और बच्चे चिंतित हैं कि सूर्य को अर्घ्य कैसे दें। नगर परिषद प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लग रहे हैं। अधिकारी निरीक्षण के लिये गए, लेकिन कोरम पूरा कर लौट आए। नप के अधिकारी ईओ और कार्यवाहक चेयरमैन को चाहिए की घाट के डूब जाने के बाद इसकी वैकल्पिक व्यवस्था क्या हो सकती है, इस पर विचार कर कमिटी के लोगों का विचार भी जाने। गांव के लोगों ने मांग किया है कि जो चिलमन में तिरपाल को लगाकर पानी के बहाव को रोका गया है उसे तुरंत हटाया जाए और नदी का बहाव बहाल किया जाए। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राहुल धर दुबे ने बुधवार को बताया कि प्रशासनिक अधिकारी जल्द घाट का निरीक्षण करेंगे और वैकल्पिक इंतजाम किए जाएंगे। लेकिन स्थानीयों का कहना है कि समय कम बचा है, कार्रवाई तुरंत होनी चाहिए। यदि जलस्तर नहीं घटा तो छठ व्रतियों को पास के अन्य घाटों का सहारा लेना पड़ेगा, जो काफी असुविधाजनक होगा।

सब्जी ओर गेहूं के फसल भी डूब गए हैं

जलजमाव होने से किसानों को भी काफी नुकसान हुआ है। पुराना और नया भोजपुर में गेहू और सब्जी की खेती बड़े पैमाने पर होती है, जलजमाव होने से किसानों के इस साल खेती बर्बाद हो गई है। इतना ही नहीं सब्जी के खेत डूब जाने से मंहगा भी बिकने लगा है।

केंद्रीय बलों के साथ समन्वय बैठक, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव के लिए प्रशासन हुआ सख्त

- जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने दिए सख्त निर्देश, संवेदनशील इलाकों पर रहेगी पैनी नजर

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर बक्सर जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपनी कमर कस ली है। बुधवार को समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य की संयुक्त अध्यक्षता में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल एवं भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के अधिकारियों एवं जवानों के साथ महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में चुनाव के दौरान शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने, संवेदनशील व अतिसंवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, गश्ती दलों की तैनाती, मतदाता केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था तथा कानून-व्यवस्था की निगरानी पर विस्तृत चर्चा की गई। दोनों अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में निष्पक्ष, पारदर्शी और भयमुक्त मतदान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

निष्पक्ष चुनाव प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : डीएम

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने कहा कि सभी सुरक्षा बल निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के अनुरूप कार्य करें और किसी भी स्थिति में कानून-व्यवस्था को बिगड़ने न दें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन इलाकों में पूर्व में चुनावी गड़बड़ियां या हिंसक घटनाएं हुई थीं, वहां विशेष सतर्कता बरती जाए।

डॉ. सिंह ने कहा कि प्रत्येक गश्ती दल को अपने निर्धारित रूट पर नियमित भ्रमण करना होगा और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नियंत्रण कक्ष को देनी होगी। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिया कि केंद्रीय बलों के ठहराव, भोजन, पेयजल, बिजली, शौचालय आदि की व्यवस्था समय से सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें ड्यूटी के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

संवेदनशील क्षेत्रों में संयुक्त फ्लैग मार्च और कड़ी निगरानी : एसपी

पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने कहा कि जिले में शांति एवं निष्पक्षता बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के बीच घनिष्ठ समन्वय बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में जिले के सभी संवेदनशील और अतिसंवेदनशील इलाकों में संयुक्त फ्लैग मार्च निकाला जाएगा, जिससे मतदाताओं में विश्वास बढ़े और असामाजिक तत्वों को कड़ा संदेश मिले। एसपी ने यह भी कहा कि गश्ती दलों को रात्रि के समय विशेष रूप से सक्रिय रहना होगा। उन्होंने स्थानीय थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र के केंद्रीय बलों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत संयुक्त कार्रवाई करें।

केंद्रीय बलों ने रखी सुविधाओं से जुड़ी मांगें

बैठक के दौरान केंद्रीय सुरक्षा बलों के अधिकारियों ने अपने ठहराव एवं मूलभूत सुविधाओं से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की। उन्होंने पेयजल, बिजली, भोजन, शौचालय और यातायात व्यवस्था से संबंधित कुछ सुझाव दिए। जिलाधिकारी ने इन बिंदुओं पर तुरंत संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि सभी बलों के लिए आवास एवं अन्य सुविधाओं की व्यवस्था गुणवत्तापूर्ण तरीके से की जाएगी ताकि उन्हें अपने दायित्वों के निर्वहन में किसी प्रकार की बाधा न आए।

अधिकारियों ने की रणनीति पर मंथन

बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए कई अहम बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया। तय किया गया कि चुनावी अवधि में जिले के सभी थानों में नियंत्रण कक्ष सक्रिय रहेंगे, और प्रत्येक गश्ती दल को जीपीएस ट्रैकिंग से मॉनिटर किया जाएगा। इस अवसर पर अपर समाहर्ता, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव, नोडल पदाधिकारी (सुरक्षा), पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), जिला समन्वयक सहित विभिन्न प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। जिला प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी स्थिति में चुनावी माहौल को बिगड़ने नहीं दिया जाएगा। बक्सर जिला प्रशासन और सुरक्षा बलों की संयुक्त तैयारियों ने यह संकेत दे दिया है कि इस बार का विधानसभा चुनाव जिले में शांति, निष्पक्षता और सख्ती के माहौल में संपन्न होगा।

जल-जमाव से टूट रही सड़के, वाहन चालकों को हो रही परेशानी, दुर्घटना को आमंत्रण

- शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने को चला अभियान

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा-बक्सर मार्ग कई जगहों पर जल-जमाव होने से सड़के टूट गढ्ढों में तब्दील हो रही, जिससे आम नागरिक से लेकर वाहन चालकों तक कि परेशानी बढ़ गई है। जहा टूटी सड़कों पर दुर्घटनाओं की सम्भावनाएं प्रबल हो रही है। इसकी शिकायत पर पथ निर्माण विभाग गढ्ढों की भराई करा छोड़ देता है। लेकिन, मुख्य कारणों पर ध्यान नही दिए जाने स्थिति फिर जस की तस बन जाती है। बता दे इन दिनों मुख्य सड़क पर चौसा डुमडेरवा-बहादुरपुर के पास नाले का गंदा पानी सड़क पर फैल जाने से लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण सौ गज से अधिक क्षेत्र में सड़क पर पानी जमा हो गया है, जिससे राहगीरों व स्थानीय निवासियों को नारकीय स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। वही, दूसरी तरफ चौसा-बक्सर मार्ग पर मिश्रवलिया गांव की भी स्थिति यही बनी हुई है। जबकि चौसा यादव मोड़- बारा मोड़ के बीच फैली गिट्टियां गढ्ढों से यातायात प्रभावित होता है। आम-नागरिक, आने-जाने वाले राहगीर आदि पूछते है आखिर इसका जिम्मेवार कौन है। पवनी बीडीसी बबन यादव, रिंकू मोहन कुमार आदि ने कहा कही नालो की सफाई न होने से सड़कों पर गांव का पानी बहने लगता, तो कही पानी निकासी की समस्या उत्पन होने से सड़कों पर जल-जमाव हो जाता है। कही न कही आम ग्रामीण तो कही पथ निर्माण विभाग या स्थानीय प्रतिनिधि व पदाधिकारी उचित उपाय नही करते।

बक्सर में बाइक बस से टकराई दो किशोर घायल, एक गम्भीर

केटी न्यूज/बक्सर

नगर के कॉलेज गेट के समीप जिलाधिकारी आवास के पास बुधवार की देर शाम एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। दो किशोरों की बाइक सामने से आ रही बस से टकरा गई। जिसमे बाइक सवार दो किशोर घायल हो गए। जिसमे एक गभीर घायल था जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जाता है दोनों किशोर शिक्षक कॉलोनी के रहने वाले हैं।

बताया जाता है कि गभीर घायल किशोर के पिता विनोद सिंह बाजार जाने के लिए घर से बाइक निकाले थे। तभी, किशोर अपने दोस्त के साथ चुपके से बाइक निकल पड़े। तभी तेज रफ्तार बाइक बस से टकरा गई। जिसमे दोनो किशोर घायल हो गए

स्थानीय लोगों ने बताया कि यदि बाइक सवारों ने हेलमेट पहना होता, तो चोटें इतनी गंभीर नहीं होतीं। हादसे के बाद बस चालक को पुलिसिया पूछताछ का सामना करना पड़ा, जबकि गलती किशोरों की लापरवाही से हुई थी।

बक्सर जिलेवासियों को
शारदीय नवरात्र
की हार्दिक
शुभकामनाएं
इंतियाज अंसारी
मुखिया
(काजीपुर पंचायत)

डीके कॉलेज, डुमरांव में एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का सातवां दिन उत्साहपूर्ण रहा

- ड्रोन क्लास, ड्रिल प्रतियोगिता और महिला सुरक्षा पर हुआ विशेष सत्र, प्रशिक्षण के दौरान उत्साहित नजर आ रहे थे कैडेट्स

vivo X60 | ZEISS
16-Oct-2025, 09:36

केटी न्यूज/डुमरांव

डीके कॉलेज, डुमरांव में 30 बिहार बटालियन एनसीसी, बक्सर के तत्वावधान में चल रहे 18वें वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आज सातवां दिन उत्साह और जोश से भरा रहा। कैंप कमांडेंट कर्नल रितेश रंजन के नेतृत्व में आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में सुबह की शुरूआत पीटी परेड से हुई। इसके बाद कैडेटों ने ड्रिल नर्सरी, ड्रोन क्लास और चार प्रेरणादायक फिल्मों का आनंद लिया। मूवी सत्र के दौरान कैडेट्स में देशभक्ति और जोश का संचार देखा गया।

ड्रिल नर्सरी में कैडेटों को ड्रिल के मूलभूत सिद्धांतों और सावधानियों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने ड्रिल के दौरान की जाने वाली सामान्य गलतियों से भी उन्हें अवगत कराया। इसके बाद आयोजित ड्रोन क्लास में वर्तमान समय में ड्रोन तकनीक की उपयोगिता, उसके संचालन और रक्षा क्षेत्र में इसके महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। कैडेटों को ड्रोन चलाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इसके साथ ही विभिन्न विद्यालयों और कॉलेजों से आए कैडेटों को अलग-अलग टुकड़ियों में बांटकर परेड का अभ्यास कराया गया। दिन के अंत में ड्रिल प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें कैडेटों ने अनुशासन और एकरूपता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सेना प्रशिक्षण के अंतर्गत मैप रीडिंग की उपयोगिता पर भी विशेष सत्र हुआ, जिसमें बताया गया कि अंजान क्षेत्रों में दिशा निर्धारण और स्थान तक पहुंचने में मैप रीडिंग कितनी सहायक होती है। शिविर में व्यक्तित्व विकास पर भी चर्चा की गई। प्रशिक्षकों ने कैडेटों को बताया कि एक सशक्त व्यक्तित्व केवल शारीरिक नहीं बल्कि मानसिक और नैतिक विकास से भी बनता है। साथ ही महिला सुरक्षा योजना पर भी विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य महिलाओं और लड़कियों को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। इस शिविर में 30 बिहार बटालियन एन.सी.सी के पी.आई सुबेदार मेजर दुबराज साहु, सुबेदार मुकेश कुमार, सुबेदार अरविंद कुमार, नायक सुबेदार सी.एस. सिंह, नायक सुबेदार वरूण कुमार, बी.एच.एम राहुल कुमार सिंह, सी.एच.एम नितिश कुमार, सी.एच.एम नवीन कुमार सी.एच.एम सुमन सोरम, नायक विजयानन्द, सी.एफ.एन आलोक कुमार, हवलदार रवि शंकर एवं ए.एन.ओ डॉ. अरबाब खान, डॉ. योगर्षि राजपूत, डॉ. अमृता सिंह, डॉ. संजय रंजन सिन्हा, अभयानंद प्रजापति, एवं सिविल स्टाफ नरेश प्रसाद, कौशलेन्द्र कुमार एवं चंदन कुमार, संजय कुमार, इंद्रजीत कुमार आदित्य कुमार, सिद्धार्थ शंकर और डी.को. कॉलेज के एन.सी.सी सहायक रौशन सिंह का कार्य सराहनीय रहा।

बक्सर जिलेवासियों को
शारदीय नवरात्र
की हार्दिक
शुभकामनाएं
प्रेम सागर कुंवर
मुखिया,डुमरी पंचायत
सह
मुखिया संघ अध्यक्ष सिमरी, प्रखंड

ब्रह्मपुर प्रेक्षक बलबीर सिंह ने नामांकन कार्य का लिया जायजा

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विधान सभा के चुनाव के लिये नामांकन करने का समय अंतिम दौर में है। 17 अक्टूबर को नामांकन का अंतिम दिन है, लिहाजा उम्मीदवारों की भीड़ कुछ अधिक होगी। इसको लेकर ब्रहम्पुर विधान सभा के प्रेक्षक बलबीर सिंह ने सभी विभागों का निरीक्षण जानकारी हासिल की। सभी कर्मी और अधिकारी को बताया गया की अंतिम दिन अधिक उम्मीदवार पहुंचेंगे इसलिये समय से आकर अपने काम को संभाल लेना है। नामांकन पत्र की जांच सही से किया जाए। प्रेक्षक लगभग आधा घंटा रह सभी जानकारी हासिल की। प्रेक्षक के पहुंचते ही चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारी और कर्मी तैनात हो गए, उनके जाने के बाद सभी ने राहत की सांस ली। मालूम हो कि आज तक डुमरांव में 19 और ब्रह्मपुर में 13 उम्मीदवारों ने चुनाव में नामांकन के लिये एनआर कटवाया है। अंतिम दिन नामांकन में ज्यादा पार्टी के उम्मीदवार ही नामजदगी का पर्चा भरेंगे। डीएम डा. विद्यानंद सिंह के अनुसार चारों विधान सभा अंतर्गत नामांकन से संबंधित प्रतिवेदन के अनुसार उम्मीदवारों की 16 अक्टूबर की चारो विधान सभा की सूची।

199 ब्रह्मपुर से नामांकन करने वालों की सूची

महावीर यादव, बहुजन समाज पार्टी
मनीष भूषण ओझा, निर्दलीय
200 बक्सर से-
रामप्रवेश सिंह निर्दलीय
तथागत हर्षवर्धन जन सुराज पार्टी
201 डुमरांव से-
रविशंकर राय निर्दलीय
भीम कमकर निर्दलीय
रवि शंकर प्रसाद निर्दलीय (भागीदारी पार्टी)
202 राजपुर से-
धनंजय कुमार जन सुराज पार्टी
सूरज प्रकाश राम संयुक्त किसान विकास पार्टी
बक्सर से-
विनोद कुमार सिंह, भारतीय सार्थक पार्टी
ताफिर हुसैन, हिन्दुस्तान विकास दल एवं प्रमिला देवी निर्दलीय ने किया नामांकन।

लोजपा ने सभी 29 नाम घोषित किए दूसरी सूची में 15 उम्मीदवारों का एलान

एजेंसी। पटना

चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने गुरुवार शाम बाकी 15 प्रत्याशियों की भी सूची जारी कर दी है। इससे पहले 14 सीटों पर नाम आ चुके थे। एनडीए में लोजपा को 29 सीटों पर लड़ने का मौका दिया है। अब लोजपा की सभी सीटों पर प्रत्याशियों की तस्वीर साफ हो गई है।चिराग पासवान ने इस सूची के जरिए संदेश दिया है कि वे सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की नीति पर आगे बढ़ रहे हैं। लोजपा ने राजपूत और यादव जाति के पांच-पांच उम्मीदवारों पर भरोसा जताया है। वहीं पासवान और भूमिहार से चार-चार प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। एक-एक ब्राह्मण, तेली(वैश्य), पासी, सूढ़ी (वैश्य), रौनियार,कानू, रजवार, धोबी, कुशवाहा, रविदास और मुस्लिम को उम्मीदवार बनाया है। लोजपा-आर ने महुआ से संजय सिंह को उतारा है। वे तेजप्रताप को चुनौती देंगे। बहादुरगंज से मुस्लिम उम्मीदवार को उतारा है। छह महिलाओं को भी टिकट दिया गया है। 15 अक्टूबर को जारी की थी पहली लिस्ट

बता दें कि चिराग ने इससे पहले बुधवार को 14 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। इसमें प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी को पूर्वी चंपारण की गोविंदगंज विधानसभा सीट से टिकट दिया गया है। यहां देखे पूरी सूची

बिहार विधानसभा
चुनाव 2025

विधानसभा का नाम	उम्मीदवार का नाम
गोविंदगंज	राजू तिवारी
सिसरी बख्तियारपुर	संजय कुमार सिंह
दरौली (अनु.जाति)	विष्णु देव पासवान
गरखा (अनु.जाति)	सीमांता मृणाल
साहेबपुर कमाल	सुरेन्द्र कुमार
बखरी (अनु.जाति)	संजय कुमार
परबत्ता	बाबूलाल चौधरी
नाथनगर	मिथुन कुमार
पालीगंज	सुनीला कुमार
ब्रह्मपुर	हुलाश पांडे
डिहरी	राजीव रंजन सिंह
बलरामपुर	संगीता देवी
मखदुमपुर	रानी कुमारी
ओबरा	प्रकाश चंद्र
सुगौली	राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता
बेलसंड	अमित कुमार
मढौरा	सीमा सिंह
शेरघाटी	उदय कुमार सिंह
बोधगया	श्यामदेव पासवान
रजौली	विमल राजवंशी
गोविन्दपुर	विनिता मेहता
बोचहा	बेबी कुमारी
बख्तियारपुर	अरुणा कुमार
फतुहा	रूपा कुमारी
बहादुरगंज	कलीमुद्दीन
महुआ	संजय कुमार सिंह
चेनेरी	मुरारी प्रसाद गौतम
मनेर	जितेन्द्र यादव
कसबा	नितेश कुमार सिंह

एनडीए में कितनी पार्टियां शामिल हैं?

एनडीए में नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड, भारतीय जनता पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), राष्ट्रीय लोक मोर्चा और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा शामिल हैं। बिहार में दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण में 6 नवंबर और दूसरे चरण में 11 नवंबर को वोटिंग होगी, जबकि वोटों की गिनती 14 नवंबर को की जाएगी।

पहले चरण का 6 नवंबर को होगा मतदान

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों के लिए मतदान 6 नवंबर को होगा। इसके लिए नामांकन की प्रक्रिया अधिसूचना जारी होते ही शुरू हो गई है। नामांकन की अंतिम तारीख 17 अक्टूबर है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 18 अक्टूबर को होगी। उम्मीदवार 20 अक्टूबर तक अपने नाम वापस ले सकते हैं।

एक नजर

सड़क हादसे में महिला की मौत अलीगंज टोला समीप घटी घटना

बिक्रमगंज/सूर्यपुरा । बिक्रमगंज-डुमरांव मुख्य मार्ग पर सूर्यपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत अलीगंज टोला के समीप हुए सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई । मृतका की पहचान अलीगंज टोला निवासी सुरेश चौधरी की पत्नी निर्मला देवी के रूप में हुई है । सूत्रों के अनुसार निर्मला देवी सड़क किनारे पैदल जा रही थीं,तभी स्कूटी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी । हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई । घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी । सूचना मिलते ही सूर्यपुरा थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया शुरू की । पुलिस ने मौके से स्कूटी को जब्त कर लिया है तथा जख्मी स्कूटी चालक को प्राथमिक उपचार के बाद थाना पर रखा गया है। थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत ने बताया कि आवेदन प्राप्त होने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी । मृतका के परिजनों की उपस्थिति में पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल सासाराम भेजा गया है ।

रोहतास पूर्व सैनिक संघ के तत्वधान में बैठक का आयोजन

काराकाट । भूतपूर्व सैनिक संगठन के तत्वाधान में की गई बैठक। काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत निज ग्राम काराकाट में संगठन कार्यालय में आयोजित किया गया बैठक को संबोधित करते हुए जिला सैनिक संघ के पदाधिकारी के मौजूदगी में बैठक किया गया। बैठक की अध्यक्षता बिहार राज्य पूर्व सैनिक अध्यक्ष मुखराम राय ने किया बैठक को संबोधित करते हुए भूतपूर्व सैनिकों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भूतपूर्व सैनिकों को मिलने वाली राशि की अभियंतों में हो रही अनियमित को दूर किया जाएगा साथ ही साथ पेंशन कटौती की पैसा बडे हुए टीए डीए भत्ता महंगाई भत्ता इत्यादि अगर किसी भूतपूर्व सैनिक को नहीं मिला है तो उच्च स्तरीय वार्ता कर जल्दी समस्या का समाधान किया जाएगा ताकि जो देश का रक्षा करता था उस रक्षक को कोई परेशानी न हो संगठन के लोगों ने कहा कि किसी भी भूतपूर्व सैनिक का कोई भी समस्या है तो आप हमें अवगत कारण हम आपकी समस्या को हल कर कोई दिक्कत नहीं होने देंगे लेकिन उसके लिए संगठन में आप लोगों का रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है तथा अपने समस्या से अवगत कराना आपका दायित्व है। मौके पर महासचिव मनोज कुमार पांडेय,सचिव अशोक कुमार सिंह , उपाध्याय सुरेश सिंह, बचास पति तिवारी, सोना मती देवी , केशव प्रसाद,पूर्णमासी सिंह, सुरेश सिंह, राजदेव सिंह, राजाराम, सुनीता देवी,अहमद अंसारी ,एस के पाण्डेय , लालमोहर राम, मोहम्मद सईद खां, शिवकुमारी देवी, राम प्रसाद सिंह सहित सैकड़ो पूर्व सैनिक भाग लिया।

मनोज तिवारी की सभा में रामसूरत राय के समर्थकों ने किया हंगामा, अपने नेता का टिकट काटे जाने से हैं नाराज

पटना। एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन मंगलवार को हंगामे की भेंट चढ़ गया। मुजफ्फरपुर क्लब में आयोजित इस कार्यक्रम में मंच पर भाजपा सांसद और लोकप्रिय गायक मनोज तिवारी मौजूद थे। वे एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे। लेकिन जैसे ही उन्होंने भाषण शुरू किया, पूर्व मंत्री राम सूरत राय के समर्थकों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए सभा में हंगामा शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार, औराई विधानसभा सीट से पूर्व मंत्री राम सूरत राय का टिकट भाजपा ने काटकर पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी रामा निषाद को उम्मीदवार बनाया है। इस फैसले से राम सूरत राय और उनके समर्थक नाराज चल रहे थे। सम्मेलन में जब सभी उम्मीदवारों का परिचय कराया जा रहा था, तभी उनके समर्थक बड़ी संख्या में पहुंच गए और ह्लराम सूरत राय को न्याय दोह्व के नारे लगाने लगे। मनोज तिवारी ने माइक संभालकर समर्थकों से शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि मंच की गरिमा बरकरार रखें, लेकिन हंगामा बढ़ता ही गया। करीब दो घंटे तक कार्यक्रम बाधित रहा। अंततः स्थिति बिगड़ते देख पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने हस्तक्षेप किया और हालात पर नियंत्रण पाया। एनडीए की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के कई वरिष्ठ भाजपा और जदयू नेता मौजूद थे। इसी दौरान एनडीए गठबंधन के उम्मीदवारों ने नामांकन भी दाखिल किया। इनमें औराई से भाजपा उम्मीदवार रामा निषाद, कुढ़नी से भाजपा के केदार गुप्ता, सकरा से जदयू के आदित्य कुमार और गायघाट से जदयू के कोमल सिंह शामिल थे। सभी ने एनडीए की एकता और विकास के संकल्प पर भरोसा जताया। यह पहला मौका नहीं है जब राम सूरत राय के समर्थकों ने पार्टी के खिलाफ नाराजगी जताई हो। टिकट कटने के बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय, पटना में भी समर्थकों ने जमकर हंगामा किया था। उनका आरोप था कि पार्टी ने एक समर्पित और अनुभवी नेता के साथ अन्याय किया है। भाजपा की अंदरूनी राजनीति में यह प्रकरण चर्चा का विषय बना हुआ है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि औराई सीट पर हुआ टिकट परिवर्तन भाजपा के लिए आंतरिक चुनौती बन सकता है। बवाल के बाद प्रशासन ने जिले के राजनीतिक कार्यक्रमों में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। आयोजन स्थल के आसपास बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए थे, जिनकी तत्परता से स्थिति नियंत्रण में लाई गई।

बैंक ऑफ इंडिया ने जागरूकता अभियान चला ग्राहकों को फजीर्वाड़ा से किया सावधान

- **साइबर क्राइम से सतर्क होकर ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचे बैंक उपभोक्ता : रवि शंकर**

केटी न्यूज/रोहतास

नगर परिषद स्थित नोखा बैंक ऑफ इंडिया शाखा में जागरूकता अभियान चला उपभोक्ताओं को किया गया सतर्क। अभियान के नेतृत्व करते हुए बैंक शाखा प्रबंधक रवि शंकर ने खाताधारकों से अपील करते हुए बताया कि बैंक उपभोक्ता बैंकिंग लेनदेन में सावधानी अवश्य बरते। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर ठगी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। जिसके प्रति ग्राहकों को सतर्क रहना अति आवश्यक ताकि वह उनके जालसाजों के जाल में न फंस सकें।

शाखा प्रबंधक ने बैंक ऑफ इंडिया के सभी खाताधारकों को आगाह किया कि वे किसी भी कॉल, मैसेज या लिंक के माध्यम से बैंक खाते या एटीएम से संबंधित जानकारी किसी को साझा न करें। उन्होंने स्पष्ट जानकारी देते हुए लोगों से कहा कि बैंक कभी भी ग्राहक से ओटीपी, पासवर्ड या खाता संख्या जैसी गोपनीय जानकारी नहीं मांगता है। जिसको लेकर साइबर ठग आए दिन फजीर्वाड़ा तरीकों से भ्रमित कर ग्राहकों को अपने जाल में फंसा उनके खाते से राशि गायब कर लेते है। यदि इस प्रकार के कोई मैसेज या कॉल आते हैं तो बैंक उपभोक्ता इसकी तत्काल जानकारी अपने स्थानीय बैंक शाखा प्रबंधक या बैंक द्वारा जारी हेल्पलाइन पर दें, ताकि संभावित धोखाधड़ी से वह बच सकें।

गिट्टी लदे ट्रक से भारी मात्रा में पुलिस ने किया शराब बरामद,एक गिरफ्तार

केटी न्यूज/रोहतास

गुरुवार को बिक्रमगंज थानाध्यक्ष के कार्यालय कक्ष में एएसपी सह एसडीपीओ संकेत कुमार ने प्रेसवार्ता की । प्रेसवार्ता दौरान कहा कि 15 अक्टूबर को बिक्रमगंज थाना को सूचना प्राप्त हुई कि काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जयश्री का रहने वाला राकेश चौधरी एवं अनिल कुमार पासवान नामक व्यक्ति द्वारा एक गिट्टी लदा 12 चक्का ट्रक में छुपाकर अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप मंगवा रहा है । उक्त ट्रक नटवार की ओर से बिक्रमगंज आ रहा है,जो नो इंट्री के कारण नोनहर मोड़ के आस- पास वाहनों की कतार के बीच खड़ा है । बताया कि आगामी बिहार विधान सभा चुनाव 2025 की गंभीरता को देखते हुए सूचना के सत्यापन व आवश्यक कार्रवाई हेतु एक छापेमारी दल का गठन किया गया । छापेमारी दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए नोनहर मोड़ के पास नो इंट्री के कारण भारी वाहनों की लंबी कतार में एक गिट्टी लदा ट्रक खड़ा पाया गया,जिस पर निबंधन सं. यूपी 65 बीटी-5024 अंकित पाया गया । पुलिस द्वारा वाहनों की जांच करता देख ट्रक का चालक ट्रक से उतरकर भाग गया ।कहा कि ट्रक निबंधन सं. यूपी 65 बीटी 5024 को सशस्त्र बल के सहयोग से बिक्रमगंज थाना परिसर लाया गया । थाना परिसर में ट्रक पर लदे गिट्टी को अनलोड करने पर उसके डाला में काला रंग के प्लास्टिक से ढककर रखा हुआ भारी मात्रा में शराब की पेटी बरामद हुआ। चौकीदार की सहायता से शराब की पेटी को नीचे उतारकर सीसीटीवी की निगरानी में गिनती कराने पर उसमें अंग्रेजी शराब 623 लीटर एवं देशी मशालेदार शराब 711 लीटर कुल 1334 लीटर अवैध शराब बरामद हुआ। बरामद शराब एवं ट्रक निबंधन सं. तहत विधिवत जब्ती सूची तैयार कर जब्त किया गया। छापेमारी के दौरान अवैध शराब कारोबारी राजेश पासवान के घर पर छापेमारी किया गया । पुलिस की भनक पाकर राजेश घर से फरार हो गया था एवं उसके शराब के अवैध कारोबार में सहयोगी उसका भाई अनिल कुमार पासवान पुलिस को देखकर घर से भागने लगा, जिसे सशस्त्र बल के सहयोग से खदेड़कर विधिवत गिरफ्तार किया गया,जिससे शराब के अवैध कारोबार में शामिल अन्य व्यक्तियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी पर विषय सेमिनार का आयोजन

केटी न्यूज/आरा

गुरुवार को महंथ महादेवानन्द महिला महाविद्यालय में आईजोरा के संयुक्त तत्वावधान में बहुविषयक शोध व्यवहार और नवाचार में हाल के रुझान विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी हुई आयोजित। सेमिनार का आरंभ सम्मानित अतिथियों के द्वारा महंतजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. नरेंद्र प्रताप पालित ने स्वागत भाषण देते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया और मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च की वर्तमान जरूरतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारे समाज की समस्याएं बहुत जटिल है जिसका समाधान किसी एक विषय पर विचार-विमर्श से संभव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि आज पृथ्वी को बचाने के लिये सतत विकास की पद्धति को अपनाने की जरूरत ताकि विकास भी हो और पर्यावरण को हानि भी न पहुँचे। वीकेएसयू आरा के प्रो.वाईस चांसलर एवं तीन बार कुलपति रहे नीडोनॉमिक्स स्कूल ऑफ थॉट के प्रवर्तक प्रो. मदन मोहन गोयल ने आयोजित बहुविषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी बहुविषयक शोध व्यवहार और नवाचार में हालिया रुझान के उद्घाटन सत्र में कहा कि मैं कुरूक्षेत्र से आया हूं और मुझे लगता है कि कुरुक्षेत्र को महाभारत के युद्ध से अधिक विश्व के प्रथम विश्वविद्यालय के लिए जाना जाना चाहिए। प्रो.गोयल के अनुसार नीडोनॉमिक्स के तुल्य आवश्यकताओं की अर्थशास्त्र के माध्यम से शोध को उद्देश्य से जोड़ना सतत भविष्य के लिए अनिवार्य है। प्रो. गोयल ने नीडोनॉमिक्स के स्ट्रीट स्मार्ट फ्रेमवर्क को रेखांकित करते हुए उन्होंने शोधकताओं से आग्रह किया कि वे सादगी , नैतिकता , कार्य उन्मुखता , उत्तरदायित्व और पारदर्शिता जैसे गुणों को अपनाएं ताकि उनका योगदान समावेशी और प्रभावशाली बन सके। उन्होंने नीडोनॉमिक्स के माध्यम से अनुसंधान को उद्देश्य के साथ जोड़ने का आह्वान किया। इसके बाद मगध विश्वविद्यालय, बोध गया के प्रति कुलपति प्रो. बीआरके सिन्हा ने संगोष्ठी के तीन आयामों बहुविषयक शोध, व्यवहार और नवाचार पर विस्तार से बात रखी। उन्होंने कहा कि "समाज की जरूरतों के हिसाब से शोध के स्वरूप में आ रहे बदलावों पर विस्तार से बात रखी। उन्होंने कहाँ कि "शोध का असली मतलब तभी है जब वह समाज की बेहतरी में अपना योगदान दे। जैसा कि कोरोना वैक्सीन बना कर वैज्ञानिकों ने समाज को कोरोना महामारी से बचाया। अगले वक्त थे मदन सिंह जो नेपाल के नेपाल से ऑनलाइन जुड़े हुए थे। उन्होंने "भारत और नेपाल में शोध और विकास" विषय पर बात रखी। उन्होंने भारत और नेपाल के आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण के विविध आयामों पर विस्तार से चर्चा की। इसके बाद पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो.गणेश महतो ने कर्म ही ईश्वर है। विषय पर गीता को संदर्भित करते हुए सारगर्भित वक्तव्य दिया। उन्होंने गीता में वैज्ञानिक नियमों और गणितीय सिद्धान्तों की शोधपूर्ण विवेचना की।

MAHADEVANAND MAHILA MAHAVIDYALAYA, ARA
Constituent Unit of Veer Kunwar Singh University, Ara, Bihar)
LTIDISCIPLINARY INTERNAT AL SEMINAR

काराकाट विधानसभा से विधायक अरुण कुमार सिंह ने किया नामांकन

केटी न्यूज/रोहतास

विधानसभा चुनाव 2025 के लिए इंडिया गठबंधन की ओर से 213 काराकाट विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार कॉ.अरुण सिंह ने निवार्ची पदाधिकारी सह एसडीएम बिक्रमगंज प्रभात कुमार के समक्ष अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया । वे अपने कार्यकताओं के साथ बिक्रमगंज अनुमंडल कार्यालय पहुंचे, जहां उत्साहित समर्थकों ने फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया । इस दौरान भाकपा (माले) और गठबंधन के अन्य घटक दलों के कार्यकताओं ने एकजुट होकर उनके समर्थन में नारे लगाए और विजय का संकल्प दोहराया। कॉ.अरुण सिंह ने कहा कि आज इंडिया गठबंधन और भापका माले के प्रत्याशी बतौर नामांकन दाखिल किया । उन्होंने कहा कि इस बार का जो चुनाव है वो किसी नली और गली के सवाल पर नहीं हो रहा है। इस बार का चुनाव देश की रक्षा,संविधान की रक्षा,लोकतंत्र की रक्षा,रोजगार व महंगाई के खिलाफ चुनाव हो रहा है। कहा कि 20 साल से बिहार की गद्दी पर बैठे हुए जो लोग हैं उनको हटाना है,क्योंकि 20 सालों तक बिहार के लोगों ने जो दुर्दशा देखा है और कोई विकास का कार्य नहीं देखा है । अगर देखा जाय तो स्थिति बिहार के लोगों का बद से बदतर हो गया है। कॉ.अरुण सिंह ने बिहार व क्षेत्र की जनता से अपील की है कि अगर बिहार का भला व विकास चाहते हैं,तो इस सरकार को गद्दी से हटाना होगा । यह सरकार बदलना होगा। नामांकन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा ।

पटना में सभी अधिकारियों की छुट्टी पर लगी रोक

- दिवाली- छठ पूजा को लेकर डीएम ने जारी किया आदेश

एजेंसी। पटना

चुनाव के बीच बिहार में दिवाली और छठ पूजा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी बीच पटना जिला प्रशासन ने आने वाले त्योहारों को देखते हुए कमर कस ली है और सभी अधिकारियों की छुट्टिया अगले आदेश तक रद्द कर दिया है। पटना के डीएम त्यागराजन एस.एम ने सभी अधिकारियों की छुट्टी पर रोक लगा दी है। आगामी 20 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक पटना जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों की छुट्टी पर रोक रहेगी। दिवाली और छठ पूजा शांतिपूर्ण तरीके से खत्म करने तक छुट्टियों पर रोक लगाई गई है। जिला प्रमंडल प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों के अवकाश पर रोक लगाई गई है। जिलाधिकारी कार्यालय, पटना की गोपनीय शाखा की तरफ से जारी आदेश में कहा गया कि, ह्लइस वर्ष दीपावली का त्योहार दिनांक- 20.10.2025 को मनाया जायेगा। इसके उपरांत लोक आस्था एवं पवित्रता का छठ महापर्व दिनांक- 25.10.2025 को नहाय-खाय से प्रारम्भ होकर दिनांक- 28.10.2025 को प्रातःकालीन अर्ध्य के साथ सम्पन्न होगा। इस अवसर पर विधि-व्यवस्था संधारण हेतु अनुमंडलवार दण्डाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जा रही है। उक्त त्यौहारों के अवसर पर जिला मुख्यालय स्तर से लेकर अनुमण्डल स्तरीय / क्षेत्रीय पदाधिकारियों का अपने-अपने मुख्यालय में उपस्थित रहना विधि-व्यवस्था के दृष्टिकोण से काफी महत्वूपर्ण है। उपरोक्त के आलोक में कार्यहित में जिला/अनुमण्डल/प्रखण्ड स्तरीय सभी पदाधिकारियों/ तकनीकी पदाधिकारियों/पर्यवेक्षक स्तर के पदाधिकारियों के अवकाश पर दिनांक-18.10.2025 से दिनांक- 28.10.2025 तक रोक लगायी जाती है। यदि किसी पदाधिकारी / तकनीकी पदाधिकारी / पर्यवेक्षक स्तरीय पदाधिकारी को विशेष परिस्थिति में अवकाश की आवश्यकता पड़ती है तो वे वरीय प्रभारी / उचित माध्यम से स्पष्ट कारण का उल्लेख करते हुए अवकाश आवेदन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे एवं अनुमति प्राप्त होने के उपरांत ही मुख्यालय छोड़ेंगे।

बिहार के तीन दिवसीय दौरे पर अमित शाह सार्वजनिक सभाओं को करेंगे संबोधित

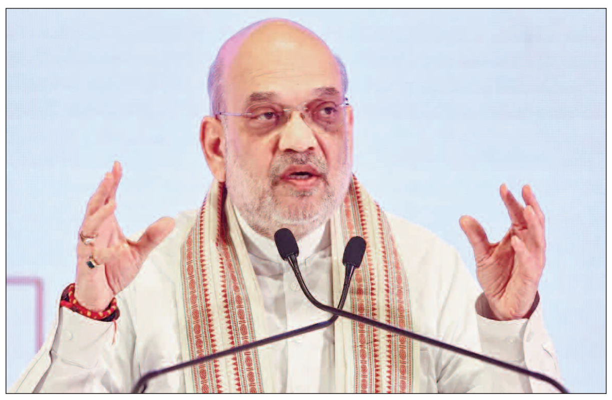

एजेंसी। पटना

गृह मंत्री अमित शाह आज तीन दिवसीय बिहार दौरे पर आ रहे हैं। वह 18 अक्तूबर तक बिहार में रहेंगे। वह एनडीए के घटक दलों के नेताओं के साथ मीटिंग करेंगे। सीट शेयरिंग के बाद नाराज हुए घटक दलों के नेताओं से बातचीत करेंगे। सभी दलों के बीच समन्वय ठीक रहे, इस पर भी बात करेंगे। हालांकि, उपेंद्र कुशवाहा और चिराग पासवान को पहले ही मना चुके हैं। सूत्र बता रहे हैं कि वह सीएम नीतीश कुमार से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह भाजपा प्रत्याशियों के नामांकन कार्यक्रम में भी शामिल होंगे और जनसभा को भी संबोधित करेंगे। 17 अक्तूबर को वह बिहार भाजपा के शीर्ष नेताओं और कार्यकताओं के साथ बैठक करेंगे। बिहार चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब नामांकन प्रक्रिया और चुनाव प्रचार में तेजी आने की संभावना है। उनके आने से कार्यकताओं को नई ऊर्जा मिलेगी। अमित शाह इस दौरान कई प्रत्याशियों के नामांकन कार्यक्रम में शामिल होंगे और जनसभाओं को भी संबोधित करेंगे। 17 अक्टूबर को उम्मीदवारों और पार्टी कार्यकताओं के साथ चुनाव की समीक्षा करेंगे। बता दें कि भाजपा ने तीन चरण में अपने 101 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। इस बार लोकगायक मैथिली ठाकुर और पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा को चुनावी मैदान में उतारा है। वहीं विधान परिषद् सदस्य और बिहार सरकार में मंत्री सम्राट चौधरी और मंगल पांडेय को चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिया। वहीं पुराने नेताओं में विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव, विधायक अरुण सिन्हा, पूर्व विधायक आशा सिन्हा का टिकट काट दिया है।

पटना पहुंचे अमित शाह, बीजेपी नेताओं ने किया स्वागत

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने अपने सभी 101 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। आज स्टार प्रचारकों की लिस्ट भी जारी कर दिया गया है। अब लोग चुनाव प्रचार में लगे हैं। इसी बीच बड़ी खबर पटना से आ रही है जहां गुरुवार की देर शाम केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहुंचे। पटना एयरपोर्ट पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल सहित कई बड़े नेता इस दौरान एयरपोर्ट पर मौजूद थे। अमित शाह के बुके देकर सभी ने स्वागत किया।

चुनाव से पहले पीएम मोदी बिहार में रैलियों को संबोधित करेंगे

सूत्रों ने बताया कि लगभग 12 राज्यों के मुख्यमंत्री और कुछ केंद्रीय मंत्रियों सहित कई शीर्ष भाजपा नेता नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान श्राजग उम्मीदवारों का मनोबल बढ़ानेश् के लिए प्रदेश का दौरा कर सकते हैं। मतदान के दोनों चरणों के लिए प्रत्याशियों के नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया 20 अक्टूबर तक चलेगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चुनाव से पहले बिहार में रैलियों को संबोधित करेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मतदान दो चरणों में छह और 11 नवंबर को होंगे, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।

101 उम्मीदवारों की लिस्ट कर दी है जारी

अमित शाह इस दौरान कई प्रत्याशियों के नामांकन कार्यक्रम में शामिल होंगे और जनसभाओं को भी संबोधित करेंगे। 17 अक्टूबर को उम्मीदवारों और पार्टी कार्यकताओं के साथ चुनाव की समीक्षा करेंगे। बता दें कि भाजपा ने तीन चरण में अपने 101 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। इस बार लोकगायक मैथिली ठाकुर और पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा को चुनावी मैदान में उतारा है। वहीं विधान परिषद् सदस्य और बिहार सरकार में मंत्री सम्राट चौधरी और मंगल पांडेय को चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिया। वहीं पुराने नेताओं में विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव, विधायक अरुण सिन्हा, पूर्व विधायक आशा सिन्हा का टिकट काट दिया है।

एक नजर

चुनाव से पहले बिहार पुलिस की बड़ी कार्रवाई, करोड़ों रुपए की गांजा बरामद

गयाजी। बिहार के गयाजी जिले में बाराचट्टी थाना क्षेत्र के जीटी रोड पर एसटीएफ और गया पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में भारी मात्रा में गांजा जप्त किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, बरामद गांजे की कुल मात्रा 684 किलोग्राम है, जिसकी अनुमानित कीमत डेढ़ करोड़ से अधिक बताई जा रही है। इस मामले में तीन गांजा तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने एक ट्रक और एक कार को भी जब्त कर लिया है, जिनका उपयोग तस्करों ने गांजे की तस्करी के लिए किया था। एसटीएफ और गया पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई बिहार और उत्तर प्रदेश एसटीएफ के संयुक्त अभियान का हिस्सा थी। मिली गुप्त सूचना के आधार पर पता चला कि दूसरे राज्य से भारी मात्रा में गांजा लाया जा रहा है। इसके बाद थाना क्षेत्र में सघन निगरानी रखी गई और कार्रवाई को अंजाम दिया गया। फिलहाल, गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ की जा रही है और आगे की कार्रवाई जारी है। पुलिस के अनुसार, बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जिले में कई जगहों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि पर नजर रखने और राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। एसटीएफ और गया पुलिस का यह संयुक्त अभियान इस बात का प्रमाण है कि चुनावी समय में भी राज्य में नशे की तस्करी पर नियंत्रण के लिए प्रशासन सतर्क है। गया सिटी एसपी रामानंद कौशल ने बताया कि गिरफ्तार तस्करों के पास से बरामद वाहन और गांजे को कानूनी कार्रवाई के तहत जब्त कर लिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि तस्करों के नेटवर्क का पता लगाने और अन्य संभावित सहयोगियों की पहचान के लिए पूछताछ और जांच जारी है।

सड़क हादसे में बाइक सवार मुखिया पुत्र की मौत, मृतक का छोटा भाई भी घर से लापता

कटिहार। बिहार के कटिहार जिले के कुरसेला थाना क्षेत्र में स्थित अयोध्यागंज बाजार में बुधवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने परिवार और इलाके में कोहराम मचा दिया। हादसे में शाहपुर धर्मी पंचायत के मुखिया अरुण कुमार यादव के पुत्र किशु कुमार (28) की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार के लिए यह दुख और भी गहरा है, क्योंकि मुखिया का छोटा बेटा निशु कुमार पहले से ही लापता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, किशु कुमार अपनी बाइक से अयोध्यागंज बाजार की ओर जा रहे थे। धर्मशाला के पास अचानक बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे सिधी दीवार से जा टकराई, जिससे किशु गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्रभारी चिकित्सक डॉ. रितेश कुमार ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने बताया कि सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौत हुई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मुखिया अरुण यादव और उनके परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां मृतक की मां का रो-रोकर बुरा हाल था। उन्होंने बताया कि उनका बेटा घर से पांच मिनट पहले निकला था और उसी समय हादसा हो गया। घटना के बाद पूरे पंचायत क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीण और आसपास के लोग मुखिया परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने उनके घर पहुंच रहे हैं। घटना से पहले ही परिवार पर अकल्पनीय दुख का बोझ था, क्योंकि मुखिया का छोटा पुत्र निशु कुमार 6 अक्टूबर से लापता है। परिवार और स्थानीय प्रशासन निशु की खोज में लगे हैं, लेकिन अभी तक उसकी कोई जानकारी नहीं मिली है। इस दुखद स्थिति में मुखिया का परिवार मानसिक और भावनात्मक रूप से बेहद तनाव में है। किशु कुमार परिवार में सबसे बड़ा था और पिछले अप्रैल महीने में उसकी शादी हुई थी।

छठ पूजा को लेकर पटना में तैयारी तेज, 187 हाई-टेक कैमरों से गंगा घाटों पर की जाएगी निगरानी

एजेंसी। पटना

पटना में छठ पूजा के दौरान गंगा किनारे श्रद्धालुओं की भीड़ और आरती की गूंज के बीच सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। इस बार पटना स्मार्ट सिटी ने घाटों की निगरानी के लिए 187 हाई-टेक कैमरे लगाए हैं, जिनमें पीटीजेड और फिक्स्ड कैमरे शामिल हैं। इन कैमरों से घाटों की पल-पल की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत अलर्ट जारी किया जाएगा। इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में बैठे कर्मी घाटों की स्थिति पर लगातार नजर रखेंगे। कलेक्ट्रेट घाट, महेन्द्र घाट, काली घाट, बांस घाट, पटना कॉलेज घाट, कंगन घाट, मीनार घर, नौजर कटरा, पटिपुल घाट और जेपी सेतु घाट जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों को विशेष रूप से चिह्नित किया गया है। इसके अलावा, एनआईटी घाट पर अस्थायी कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां जिला प्रशासन और बिहार पुलिस के अधिकारी 24 घंटे मौजूद रहेंगे। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना सीधे इस कंट्रोल रूम को भेजी जाएगी और मौके पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा के साथ-साथ स्वच्छता और अनुशासन पर भी ध्यान दिया जा रहा है। शहर में 69 पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाए गए हैं, जिनमें से 16 सिस्टम गंगा घाटों पर स्थापित हैं। इन स्पीकरों के माध्यम से श्रद्धालुओं को सतर्क रहने, स्वच्छ घाट बनाए रखने और अनुशासन बनाए रखने का संदेश लगातार दिया जाएगा। नगर आयुक्त की अध्यक्षता में भद्र घाट में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें ट्रैफिक एसपी, ट्रैफिक डीएसपी, नगर निगम और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में पटना सिटी और अजीमाबाद अंचल के सभी घाटों की तैयारियों की समीक्षा की गई और समस्याओं को तुरंत हल करने के निर्देश दिए गए। पटना सिटी अंचल में कुल 25 घाट और अजीमाबाद अंचल में 28 घाट हैं, जहां श्रद्धालु सूर्य को अर्घ्य देंगे। नगर आयुक्त ने घाटों तक वैकल्पिक पहुंच मार्गों के निर्माण को तेज करने, पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने और घाटों के आसपास पार्किंग स्थल चिह्नित करने के आदेश दिए ताकि भीड़ और यातायात पर नियंत्रण रखा जा सके। छठ महापर्व पर इस बार स्मार्ट टेक्नोलॉजी और प्रशासन का तालमेल देखने को मिलेगा। जहां एक ओर कैमरे और कंट्रोल सेंटर से निगरानी होगी, वहीं दूसरी ओर एनआईटी घाट के अस्थायी कंट्रोल रूम में अधिकारियों की मौजूदगी से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित होगी।

बड़हरा से आरजेडी ने रामबाबू सिंह पर जताया भरोसा, सिंबल मिलते ही क्षेत्र में जश्न

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में बड़हरा विधानसभा से लंबे इंतजार और तमाम अटकलों के बाद आखिरकार राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने अशोक कुमार सिंह उर्फ रामबाबू सिंह पर भरोसा जताते हुए उन्हें पार्टी का अधिकृत उम्मीदवार घोषित कर दिया। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने खुद उन्हें पार्टी का सिंबल (चिह्न) प्रदान किया और शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर राबड़ी देवी, मीसा भारती और तेजस्वी यादव भी मौजूद रहे। रामबाबू ने कहा कि पिता तुल्य लालू प्रसाद यादव, माता तुल्य राबड़ी देवी और बहन मीसा भारती जी ने जो सम्मान दिया है, वह केवल मेरे लिए नहीं, बल्कि पूरे बड़हरा और शाहाबाद की जनता के सम्मान का प्रतीक है। तेजस्वी यादव बिहार के भावी मुख्यमंत्री हैं और बड़हरा की जनता अपने मत से इसका प्रमाण देगी। उन्होंने कहा कि राजद ए टू जेड की पार्टी है, जिसमें किसी जाति या वर्ग के साथ भेदभाव नहीं किया जाता, जबकि एनडीए जातीय समीकरणों में उलझा हुआ है। राजद में अवसर योग्यता और जनसेवा की निष्ठा पर मिलता है। मैं तेजस्वी यादव की नीति और दृष्टि से पूरी तरह प्रेरित हूं और बड़हरा की जनता के बीच उसी ऊर्जा के साथ काम करूंगा। रामबाबू सिंह ने यह भी कहा कि तेजस्वी यादव ने यह वादा किया है कि सरकार बनते ही 20 हफ्तों के अंदर चिन्हित युवाओं को रोजगार और 20 महीनों के भीतर हर घर तक रोजगार की गारंटी दी जाएगी। उन्होंने जनता से अपील की कि वे अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य और बिहार के विकास के लिए राजद को वोट देकर महागठबंधन को मजबूत करें। इस बीच बड़हरा में टिकट मिलने की खबर जैसे ही पहुंची, क्षेत्र में जश्न का माहौल बन गया। बड़हरा विधानसभा के प्रवेश द्वार पर किन्नरों ने ढोलक की थाप पर ठुमके लगाए और रामबाबू सिंह का भव्य स्वागत किया। रामबाबू ने सभी किन्नरों से आशीर्वाद लेकर आगे का रुख किया। वे अपने गांव कुल देवी और काली मां का दर्शन कर आशीर्वाद लेने गए। लोगों ने ढोल-नगाड़े बजाकर और फूल-मालाओं से स्वागत करते हुए कहा कि अबकी बार बड़हरा में बदलाव तय है। रामबाबू सिंह ने कहा कि यह टिकट जनता के विश्वास का प्रतीक है और अब हर पंचायत, हर गांव में जाकर राजद के विकास, न्याय और रोजगार के संकल्प को घर-घर पहुंचाया जाएगा।

देश से विदेश तक साइबर ठगी का जाल, बिहार में एनजीओ के खाते में आए करोड़ों रुपए

एजेंसी। मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के साइबर थाना पुलिस ने एक बड़े साइबर ठगी के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने चार शातिरों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है, जिनमें अभिषेक पांडेय (यूपी के अमेठी जिले, गौरीगंज), कृष्ण कुमार सिंह, विक्रम कुमार सिंह (मधुबनी के धर्मडीहा) और गुड्डू कुमार (मुशहरी) शामिल हैं। इस मामले में प्रमोद चौधरी और डेढ़ दर्जन से अधिक अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। जांच के दायरे में यूपी और दिल्ली के 60 से अधिक बैंक अकाउंट्स शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, प्रमोद चौधरी और दिल्ली में बैठे अन्य शातिर कॉलिंग सेंटर के जरिए अमेरिका और अन्य देशों के लोगों को लक्ष्य बनाकर क्रिप्टो करेंसी निवेश का झांसा देते थे। टेलीग्राम एप का उपयोग कर लोगों को जोड़ा जाता और कम समय में बड़ी कमाई का वादा करके निवेश दिलवाया जाता। ठगी से प्राप्त राशि अलग-अलग खातों के माध्यम से एनजीओ के खाते में भेजी जाती थी, जिससे राशि पर कड़ी निगरानी नहीं होती थी। जांच में सामने आया कि एनजीओ संचालक कृष्ण कुमार सिंह ने साइबर शातिरों से 1.4 प्रतिशत कमीशन तय किया था। लेकिन रकम की निकासी के बाद उन्होंने 40 प्रतिशत कमीशन की मांग की, जिससे विवाद पैदा हो गया। यही विवाद पुलिस तक पहुंचने का कारण बना। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मामले में जुड़े अपराधियों ने गेमिंग एप, क्रिप्टो करेंसी और टेलीग्राम एप का इस्तेमाल कर निवेश के नाम पर विदेश में ठगी की योजना बनाई थी। इस पूरे मामले में साइबर ठगी की राशि का बड़ा हिस्सा मधुबनी के एनजीओ के खाते में भेजा गया, जिससे आरोपियों को आसानी से पैसा निकालने का मौका मिला। पुलिस ने बताया कि साइबर ठगी के तार अमेरिका समेत कई देशों से जुड़े हैं और मामले की जांच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी की जा रही है। मुजफ्फरपुर साइबर थाना ने चार आरोपियों पर चार्जशीट दाखिल कर दी है। बाकी संलिप्त लोगों की पहचान और उनके बैंक खातों की जानकारी जुटाने के लिए जांच जारी है। इस मामले में साइबर अपराधियों ने तकनीकी और वित्तीय जाल बुनकर क्रिप्टो करेंसी निवेश और गेमिंग एप का दुरुपयोग किया, जिससे लाखों रुपये की ठगी हुई। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे ऑनलाइन निवेश और क्रिप्टो ट्रेडिंग के मामले में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी संदिग्ध कॉल या संदेश पर ध्यान न दें। इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि साइबर अपराध अब सिर्फ स्थानीय नहीं रहे, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैल रहे हैं।

राज्य के तापमान में लगातार गिरावट, कई जिलों में दिखने लगा ठंड का प्रभाव

एजेंसी। पटना

बिहार में ठंड की दस्तक, 16 अक्टूबर को पटना में न्यूनतम 21त्उ, अधिकतम 28-32त्उ। तापमान में गिरावट जारी, नवंबर से कड़ाके की सर्दी का अनुमान. बिहार में अक्टूबर के मध्य तक पहुंचते ही मौसम ने पलटी मार ली है। उत्तरी दिशा से आने वाली ठंडी हवाओं के प्रभाव से रात्रिकालीन तापमान में लगातार कमी दर्ज हो रही है। पटना से लेकर पश्चिम चंपारण, मुजफ्फरपुर, गया, किशनगंज और कैमूर जैसे जिलों में सुबह-शाम हल्की ठंड महसूस हो रही है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार 16 अक्टूबर को पटना का न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 28 से 32 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है, जबकि हवा की गति 5 किमी/घंटा तक सीमित रहेगी। पिछले 24 घंटों में पटना सहित कई जिलों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। तीन जिलों में यह 20 डिग्री से नीचे चला गया, जबकि अधिकांश स्थानों पर 20-22 डिग्री के दायरे में रहा। सुबह के समय खेतों और सड़कों पर ओस की बूंदें दिखाई दे रही हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में हल्का कोहरा छाने लगा है। हवा की दिशा में बदलाव से ठंडक बढ़ी है, जिसका असर शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में पड़ रहा है। क्टऊके पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले सप्ताह तक मौसम शुष्क रहेगा। दिन के समय आंशिक बादल छाए रहने और मध्यम गति (30 किमी/घंटा तक) की हवाओं से दिवा तापमान में भी हल्की कमी आ रही है। धूप अब कम तीखी लग रही है और सितंबर की तुलना में अधिक सुहावनी महसूस हो रही है। पटना में वर्तमान हवा की दिशा उत्तर-उत्तर पूर्वी है, यह ठंडी धाराओं को बढ़ावा दे रही है। शहरी क्षेत्रों में सुबह की सैर के दौरान ठंडक स्पष्ट महसूस हो रही है, जबकि ग्रामीण इलाकों में किसानों को फसलों पर ओस का प्रभाव दिख रहा है। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि नवंबर की शुरूआत से ठंडक में वृद्धि होगी और दिसंबर-जनवरी में सामान्य से अधिक कठोर सर्दी का सामना करना पड़ सकता है। उत्तर बिहार के जिलों में कोहरा अधिक प्रभावी रहेगा। किसानों को रबी फसलों की बुआई में तेजी लाने की सलाह दी गई है। क्टऊ ने स्वास्थ्य सावधानियों पर भी जोर दिया है।

भागलपुर जेल से दानापुर आकर रीतलाल यादव ने किया नामांकन, रामकृपाल यादव पर बोला जमकर हमला

एजेंसी। भागलपुर

भागलपुर जेल में बंद रीतलाल यादव को भारीसुरक्षा के बीच आज पटना लाया गया। जहां दानापुर अनुमंडल कार्यालय में उन्होंने अपना नामांकन दाखिल किया। बता दें कि रीतलाल यादव को लालू प्रसाद यादव ने एक बार फिर से भरोसा जताते हुए दानापुर से आरजेडी का उम्मीदवार बनाया है। रीतलाल यादव की पत्नी सिंबल लेने के लिए राबड़ी आवास पहुंची थी। जहां लालू प्रसाद यादव ने उन्हें टिकट दिया। नामांकन पर्चा दाखिल करने के बाद रीतलाल यादव ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने पूर्व सांसद रामकृपाल यादव पर जमकर हमला बोला। दरअसल बीजेपी ने रामकृपाल यादव को दानापुर से बीजेपी का उम्मीदवार बनाया है। दानापुर में रामकृपाल यादव का रीतलाल यादव के साथ सीधा मुकाबला होगा। मीडिया से बातचीत करते हुए रीतलाल यादव ने कहा कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव हमारे अभिभावक हैं। पार्टी का बागडोर संभालने के लिए उनका आदेश मुझे मिला था। उन्होंने कहा कि हम चाहे किसी कोना में रहे जनता के माध्यम से बहन मीसा भारती और लालू प्रसाद यादव की मदद के लिए जरूर आएंगे। पूर्व सांसद रामकृपाल यादव हमला बोलते हुए रीतलाल यादव ने कहा कि रामकृपाल यादव 27 साल आरजेडी में रहे और 10 साल एनडीए में रहे।

सुभाषितम्

एक बेहतरीन किताब 100 अच्छे दोस्त के बराबर है, लेकिन एक सर्वश्रेष्ठ दोस्त पुस्तकालय के बराबर है। -अब्दुल कलाम

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संकट

विश्व अर्थव्यवस्था आज एक गंभीर संकट की तरफ बढ़ती जा रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुद्रास्फीति, बढ़ता हुआ कर्ज और राजनीतिक तनाव आर्थिक गतिविधियों पर भारी असर डाल रहे हैं। अमेरिका, जिसे 1944 के बाद से सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्था माना जाता रहा, अब कर्ज के बोझ तले दब गया है। अमेरिका का कर्ज उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से 124 प्रतिशत अधिक हो गया है और देश अपने खर्चों को चलाने के लिए पुराने बॉन्ड बेचने पर निर्भर हो गया है। वहीं, अमेरिका में लॉकडाउन और लाखों लोगों की बेरोजगारी ने डॉलर की वैश्विक पकड़ को भी कमजोर कर दिया है। कुछ वर्षों पहले तक वैश्विक कारोबार का लगभग 75 प्रतिशत डॉलर में होता था, जो अब घटकर करीब 56 प्रतिशत रह गया है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे है, यह आंकड़ा जल्द ही 50 प्रतिशत से नीचे जा सकता है, जिससे डॉलर मुद्रा को सबसे बड़ा संकट झेलना पड़ेगा। वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच सोने और चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। जब भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता दिखाई देती है, तो निवेशक सुरक्षित विकल्प की तलाश में सोने की ओर रुख करते हैं। 2008 की अमेरिकी मंदी के बाद से दुनिया के फेडरल बैंकों ने बड़े पैमाने पर सोना खरीदा और अपने खजाने में रखा। उस समय अमेरिका के पास लगभग 20,000 टन सोना था, जो अब घटकर मात्र 8,200 टन रह गया है। वहीं, चीन और भारत जैसे देशों में सोने का भंडार पिछले 15 वर्षों में लगातार बढ़ा है। बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी अर्थव्यवस्था में निवेश के नए विकल्प बनते जा रहे हैं। बिटकॉइन की कीमत पिछले एक साल में लगभग दोगुनी होकर 52 लाख रुपए से 1.1 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है, लेकिन क्रिप्टो अभी भी सबसे जोखिम भरी मुद्रा मानी जाती है। एथेरियम, सोलाना, डोजकॉइन जैसी अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी बाजार में सक्रिय हैं और वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाने का कारक बन सकती हैं। विश्वविख्यात लेखक और आर्थिक विशेषज्ञ रॉबर्ट कियोसाकी, जिन्होंने रिच डैड पुअर डैड जैसी चर्चित किताबें लिखी हैं, का मानना है कि बैंकों में पैसा रखना सुरक्षित विकल्प नहीं है। उनका कहना है कि 2026 के अंत तक कर्ज और मुद्रास्फीति के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर संकट आना तय माना जा सकता है। ऐसे समय में निवेशकों को अपनी पूंजी का संरक्षण करना चाहिए। कियोसाकी के अनुसार, नगदी को छोड़कर निवेश सोने, चांदी, म्युचुअल फंड और शेयर बाजार जैसे विकल्पों में किया जाना चाहिए, जहां अल्पकालिक उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो। पिछले 30 वर्षों में वैश्विक कर्ज की गंगा लगातार तेजी के साथ बढ़ती रही है। विश्व के सभी देशों की सरकारें, राज्य सरकारें, स्थानीय संस्थाएँ और यहां तक कि 80-90 फीसदी परिवार भी कर्ज में डूब चुके हैं। आमदनी के मुकाबले खर्च लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका जैसे विकसित देशों का कर्ज बेहिसाब बढ़ रहा है। अमेरिका ने ईराक से लेकर अभी तक सैकड़ों प्रतिबंध लगाकर डालर से कारोबार रोकन और डालर जप्त करने का जो खेल खेला है, उससे डालर की विश्वसनीयता अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर समाप्त होने से डॉलर का प्रभुत्व लगातार घट रहा है। इसके कारण ब्रिक्स देशों की मुद्रा, यूरो, चीन का युआन और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्रा विकल्पों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। इस परिदृश्य में सोना और चांदी न केवल सुरक्षित निवेश बल्कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और वैश्विक कारोबार में स्वीकार्य विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं, भविष्य में सोना वैश्विक मुद्रा के रूप में प्रमुख भूमिका निभा सकता है। वर्तमान आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता को देखते हुए निवेशकों और आम नागरिकों के लिए यह जरूरी है। वह अपने धन को सुरक्षित क्षेत्रों में निवेश करें। विविध क्षेत्रों में सोच-समझकर निवेश करने से न केवल आर्थिक संकट के समय नुकसान कम होगा, बल्कि संपत्ति की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। वर्तमान आर्थिक संकेतों के आधार पर कहा जा सकता है। इस वर्ष के अंत तक वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। निवेशकों को समय रहते तैयार रहना चाहिए।

चिंतन-मनन

भक्त के भीतर रहते हैं कृष्ण

जब भगवान चैतन्य बनारस में हरे कृष्ण महामंत्र के कीर्तन का प्रवर्तन कर रहे थे, तो हजारों लोग उनका अनुसरण कर रहे थे। तत्कालीन बनारस के अत्यंत प्रभावशाली और विद्वान प्रकाशानंद सरस्वती उनको भावुक कहकर उनका उपहास करते थे। कभी-कभी भक्तों की आलोचना दार्शनिक यह सोचकर करते हैं कि भक्तगण अंधकार में हैं और दार्शनिक दृष्टि से भोले-भाले भावुक हैं, किंतु यह तथ्य नहीं है। ऐसे अनेक बड़े-बड़े विद्वान पुरुष हैं, जिन्होंने भक्ति का दर्शन प्रस्तुत किया है। किंतु यदि कोई भक्त उनके इस साहित्य का या अपने गुरु का लाभ न भी उठाए और यदि वह अपनी भक्ति में एकनिष्ठ रहे, तो उसके अंतर से कृष्ण स्वयं उसकी सहायता करते हैं।अतः कृष्णभावनामृत में रत एकनिष्ठ भक्त ज्ञानरहित नहीं हो सकता। इसके लिए इतनी ही योग्यता चाहिए कि वह पूर्ण कृष्णभावनामृत में रहकर भक्ति संपन्न करता रहे। आधुनिक दार्शनिकों का विचार है कि बिना विवेक के शुद्ध ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। उनके लिए भगवान का उत्तर है- जो लोग शुद्धभक्ति में रत हैं, भले ही वे पर्याप्त शिक्षित न हों तथा वैदिक नियमों से पूर्णतया अवगत न हों, किंतु भगवान उनकी सहायता करते ही हैं। भगवान अजरुन को बताते हैं कि मात्र चिंतन से परम सत्य भगवान को समझ पाना असंभव है, क्योंकि भगवान इतने महान हैं कि कोरे मानसिक प्रयास से उन्हें न तो जाना जा सकता है, न ही प्राप्त किया जा सकता है। भले ही कोई लाखों वर्षो तक चिंतन करता रहे, किंतु यदि भक्ति नहीं करता, यदि वह परम सत्य का प्रेमी नहीं है, तो उसे कभी भी कृष्ण या परम सत्य समझ में नहीं आएंगे।परम सत्य, कृष्ण, केवल भक्ति से प्रसन्न होते हैं और अपनी अचिंत्य शक्ति से वे शुद्ध भक्त के हृदय में स्वयं प्रकट हो सकते हैं।शुद्धभक्त के हृदय में तो कृष्ण निरंतर रहते हैं और कृष्ण की उपस्थिति सूर्य के समान है, जिसके द्वारा अज्ञान का अंधकार तुरंत दूर हो जाता है।

गरीबी है मानवता के भाल पर बड़ा कलंक

- ललित गर्ग

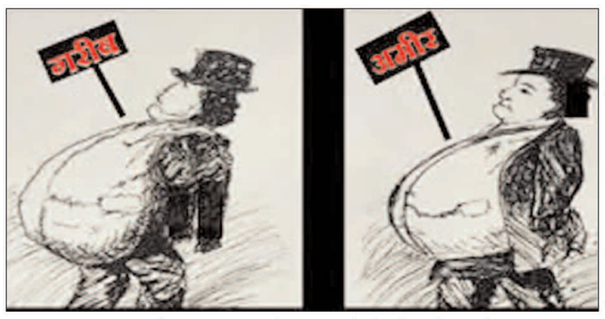

विश्व समुदाय हर वर्ष 17 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस के रूप में मनाता है। यह दिन केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि मानवता के समक्ष खड़ी सबसे बड़ी चुनौती पर मंथन का अवसर है। सभ्यता के विकास, तकनीकी प्रगति, आर्थिक विस्तार और वैश्विक व्यापार के बावजूद आज भी करोड़ों लोग रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित हैं। गरीबी एक आर्थिक स्थिति मात्र नहीं है, यह मनुष्य की गरिमा पर सबसे बड़ा आघात है-यह उसके सपनों, आत्मविश्वास और अस्तित्व को कुचलने वाला सामाजिक अभिशाप है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1992 में गरीबी को खत्म करने के प्रयासों और संवाद को बढ़ावा देने के लिए इस दिन की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य गरीबी में जी रहे लोगों के संघर्ष को स्वीकार करना और गरीबी के विभिन्न आयामों, जैसे कि आय की कमी, स्वास्थ्य और शिक्षा तक पहुँच की कमी आदि को संबोधित करना है। 2025 की थीम ह्यपरिवारों के लिए सम्मान और प्रभावी समर्थन सुनिश्चित करके सामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार को समाप्त करनाह्न है। इस दिवस का उद्देश्य गरीबी और इसके कारणों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, तथा गरीबी से जूझ रहे लोगों की समस्याओं को उजागर करना है। आज दुनिया में लगभग सत्तर करोड़ लोग अत्यंत गरीबी में जीवन बिता रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य है कि 2030 तक अत्यंत गरीबी का अंत किया जाए, परंतु यह लक्ष्य अभी भी दूर प्रतीत होता है। युद्ध, जलवायु परिवर्तन, असमान आर्थिक नीतियाँ, जनसंख्या वृद्धि और बेरोजगारी ने गरीबी को नया रूप दिया है। अब गरीबी केवल रोटी की कमी नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता और सामाजिक अन्याय का भी प्रतीक बन चुकी है। अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन कहते हैं- गरीबी केवल आय का प्रश्न नहीं है, यह स्वतंत्रता की कमी है। अर्थात जब किसी व्यक्ति के पास अपने जीवन को अपनी इच्छा के अनुसार ढालने के अवसर नहीं होते, तभी वास्तविक गरीबी जन्म लेती है। भारत ने पिछले कुछ दशकों में गरीबी घटाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। नीति आयोग के अनुसार, 2013-14 में जहाँ देश की 29 प्रतिशत आबादी बहुआयामी गरीबी में थी, वहीं 2019-21 तक यह घटकर लगभग 11 प्रतिशत रह गई। परंतु यह सफलता पूर्ण नहीं कही जा सकती, क्योंकि गरीबी का असर ग्रामीण इलाकों, दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर अभी भी अधिक है। गरीबी का सबसे बड़ा प्रभाव शिक्षा और स्वास्थ्य पर पड़ता है-जहाँ गरीब बच्चे स्कूल छोड़ने पर मजबूर होते हैं, वहीं परिवार बीमारी का खर्च नहीं उठा पाते। यह चक्र दर चक्र उन्हें फिर गरीबी में धकेल देता है। आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार देना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। वर्ष 2005 से 2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी उन्मूलन के लिये उल्लेखनीय एवं सफलतम उपक्रम किये हैं, उन्होंने गरीबी को राष्ट्र निर्माण की केंद्र बिंदु नीति के रूप में प्रस्तुत किया। उनके नेतृत्व में सरकार ने गरीबी के खिलाफ लड़ाई को केवल कल्याण योजनाओं तक सीमित न रखकर आत्मनिर्भरता के आंदोलन में बदल दिया। जनधन-आधार-मोबाइल ट्रिनिटी ने गरीबों को औपचारिक बैंकिंग से जोड़ा, जिससे पारदर्शिता बढ़ी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से करोड़ों परिवारों को सीधा लाभ मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीबों के सिर पर छत का सपना साकार किया और अब तक चार करोड़ से अधिक घरों का निर्माण हुआ है। उज्ज्वला योजना ने गरीब महिलाओं को धुएं से मुक्त जीवन दिया और यह योजना केवल गैस सिलेंडर नहीं, बल्कि समानता और सम्मान का प्रतीक बनी। आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने महामारी के कठिन दौर में गरीबों को सुरक्षा कवच दिया, वहीं आत्मनिर्भर भारत अभियान ने गरीबी उन्मूलन का दीर्घकालिक रास्ता रोजगार, कौशल और स्वाभिमान के माध्यम से खोला। प्रधानमंत्री का यह कथन इस दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है-गरीबी को खत्म करने के लिए सरकार नहीं, समाज को भी संवेदनशील बनना होगा। जब हर गरीब का सपना हमारा सपना बनेगा, तभी समृद्ध भारत बनेगा। गरीबी केवल सरकारी योजनाओं से नहीं मिटेगी; इसके लिए एक व्यापक मानव-केंद्रित सोच की आवश्यकता है। शिक्षा को अधिकार नहीं, अवसर बनाना होगा, हर व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण मिलना चाहिए। समान आर्थिक अवसरों की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि शहरी और ग्रामीण भारत के बीच की खाई घटे। पूंजी का उद्देश्य केवल मुनाफा नहीं, बल्कि सामाजिक कल्याण भी होना चाहिए। साथ ही, महात्मा गांधी के शब्दों में, गरीबी सबसे बड़ी हिंसा है-यह भावना हमारे सामाजिक चरित्र में उतरनी चाहिए। जब तक समाज करुणा और साझेदारी की भावना नहीं अपनाएगा, तब तक गरीबी का अंत संभव नहीं। भारत आज गरीबी उन्मूलन का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत कर रहा है- जहाँ विकास का अर्थ केवल जीडीपी नहीं, बल्कि गरीब का उत्थान है। यह संदेश दुनिया के लिए भी प्रेरणा है कि यदि सबसे बड़ा लोकतंत्र करोड़ों लोगों को गरीबी से ऊपर उठा सकता है, गरीब मुक्त भारत के सपने को आकार दे सकता है तो वैश्विक समुदाय भी एकजुट होकर यह कर सकता है। गरीबी केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, यह मानवता की परीक्षा है। जब तक दुनिया के किसी कोने में कोई व्यक्ति भूखा सोएगा, तब तक सभ्यता का विकास अधूरा रहेगा। अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि सच्ची प्रगति वही है, जिसमें समाज के सबसे आखिरी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान हो। आज आवश्यकता है एक वैश्विक संकल्प की-ह्यगरीबी नहीं, समानता हमारा धर्म बने ह्ल जब हर राष्ट्र, हर समाज और हर व्यक्ति इस दिशा में जिम्मेदारी निभाएगा, तभी वह दिन आएगा जब गरीबी इतिहास का विषय होगी, वर्तमान का नहीं।

अनुशासन भूलता बचपन! अति आत्मविश्वास आखिर क्यों?

- आयुषी दवे

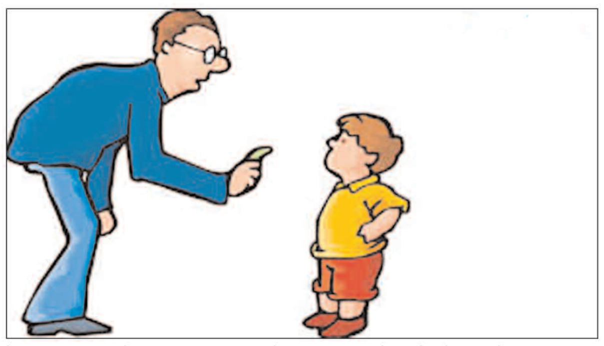

भारत के बेहद लोकप्रिय टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति का एक चर्चित एपीसोड काफी सुर्खियों में है। इसमें बच्चे का अति आत्मविश्वास शुरू में तो सबको खूब भाया लेकिन शो आगे बढ़ने के साथ, जवाब देने के तरीके ने सबको हैरान किया। बच्चों के एक एपीसोड में 10 साल के बच्चे ने अमिताभ बच्चन को नियम समझाने और विकल्प न बताने की न केवल हिदायत दी बल्कि अपनी अति आत्मविश्वासी छवि पेश कर कुछ देर के लिए बोलती भी बंद कर दी हालाकि थोड़े ही सवालों के बाद वह खेल से बाहर हो गया लेकिन बच्चा जितनी देर रहा, कई अनसुलझे सवालों को छोड़ गया। शो को नियमित देखने वालों और इस बारे में सुनने वालों में इसकी काफी चर्चा है कुछ इसे बच्चे के अहम तो कुछ शिष्टाचार से जोड़कर देखते हैं। तमाम तरह की आलोचनाओं के बावजूद बच्चे के समर्थन में भी कुछ सामने आए। हालाकि कई का यह भी मानना है कि ऐसे एपीसोड केबीसी को नहीं दिखाना था। टीआरपी और प्रतिस्पर्धा की होड़ में एक्सीडेण्टली बैठे बिठाए हाथ आए ऐसे मामले भला प्रसारण कंपनी क्यों छोड़े? निश्चित रूप से बच्चे के प्रति तरह-तरह के कमेण्टस आने का सिलसिला जल्द थमने वाला नहीं। लेकिन विचारणनीय यह है कि इसका बच्चे की मनःस्थिति पर कैसा और कितना गहरा असर पड़ेगा? संभव है कि जल्द इस पर डिबेट्स का दौर भी शुरू हो जाए। लेकिन गंभीरता से सोचना होगा कि आखिर बच्चे ने ऐसा व्यव्हार क्यों किया? शो के दौरान बीच-बीच में बच्चे के जवाब देने के अनुचित तरीके से उसके माता-पिता भी असहज दिखे। ऐसा लगा कि ऐसी वातार्लाप बच्चे की दिनचर्या का अंग ही है। बच्चे के लिए भले यह नया न हो और आम हो लेकिन क्या यह सही है? इस पर मनोवैज्ञानिक और मनोचिकित्सकों का ध्यान स्वाभाविक है। इस तरह की प्रवृत्ति कैसे रुके, गहन मंथन का विषय है। टीवी में ऐसे कार्यक्रम आएं न आएं यह नियामकों का जिम्मा है। लेकिन दस साल के बच्चे के व्यव्हार से ढ़ेरों सवाल जरूर उठ खड़े हुए हैं। आज की आपाधापी और भागदौड़ भरी जिंदगी में बच्चों को अभिभावक कितना वक्त दे पाते हैं? वो संस्कार कहां गुम हो गए जिसके लिए भारत दुनिया में जाना जाता है? पश्चिमी सभ्यता इतना सर चढ़ बोल रही है कि पहले फटी जींस और अब फटे शर्ट की फैशन हमारी आत्ममुग्धता है? बच्चों का बदलता व्यव्हार, उनमें रूखापन और अतिविश्वास क्यों है? इस पर मनोविज्ञानिकों की राय को भी देखना होगा जो बताते हैं कि ऐसे व्यव्हार का कारण कहीं ना कहीं बच्चे का विकासात्मक असंतुलन है जिस बच्चे को लेकर यह शुरूआत हुई है वह जेन अल्फा से ताल्लुक रखता है। यह सबसे तेज और सबसे हाईटेक पीढ़ी मानी जाती है 2010 से 2024 के बीच पैदा यह, वह पहली पीढ़ी है जो पूरी तरह से 21वीं सदी में जन्मीं है। जन्म से ही तकनीक, स्मार्टफोन और टैबलेट के साथ पले-बढ़े ये बच्चे पूरी तरह डिजिटल और सायबर परिवेश में रहते हैं। यही नए डिजिटल युग के असल प्रतिनिधि कहे जा सकते हैं। तेजी और हाजिर जवाबी इनकी पहचान है। इनके लिए, सब कुछ तुरंत होता है जैसे जवाब, खेल, प्रशंसा और ध्यान। ऐसी प्रवृत्ति के भयावह दुष्परिणामों के बारे में सोचे बिना हम अपनी पीढ़ी को कहां ले जा रहे हैं? इस पर कौन सोचेगा? क्या हम, आप इस गति या तेजी की कीमत समझते हैं? उनके मस्तिष्क का फ्रंटल लोब, जो निर्णय लेने, धैर्य और भावनात्मक नियंत्रण के लिए ज़िम्मेदार है, बहुत धीमा विकसित हो रहा है। इनमें एक स्पष्ट पैटर्न दिखता है। इनमें विचारों में तेजी तो काम पर नियंत्रण कम रहता है। इनके व्यव्हार से मस्तिष्क का असंतुलन भी झलकता है। इसे तंत्रिका-विकासात्मक विकार कहते हैं जो ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, अतिसक्रियता और आवेग जैसी समस्याओं का कारण बनता है। यह मस्तिष्क की वह स्थिति है जो बच्चों और किशोरों में उनके स्कूल, घर, रिश्तों में दैनिक कामकाज को प्रभावित कर सकती है। यह वयस्कता तक बनी रहती है। इसे एडीएचडी यानी अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर कहते हैं। वहीं यह एक तरह का ओडीडी यानी ऑप्जिशनल डिफिएंट डिसऑर्डर है। यह भी व्यवहार संबंधी विकार है जिससे बच्चों में लगातार अवज्ञाकारी, असहयोगी और शत्रुतापूर्ण व्यवहार झलकता है। बच्चे दूसरों के साथ बहस करते हैं, नियमों का पालन करने से इनकार करते हैं और चिड़चिड़े होते हैं। यदि यह व्यवहार लंबे समय तक बना रहता है, तो यह रिश्तों और दैनिक जीवन को गंभीर रूप से बाधित कर सकता है। दूसरों से बात करते समय बीच में बोलना या बीच में ही टोक देना, बेचैनी और इंतजार करने में असमर्थता, अतिसक्रियता, आवेग में आकर जवाब देना, अधिकार प्राप्त लोगों से बहस करना या उनका विरोध करना, जिद और मैं हमेशा सही हूँ वाला रवैया अपनाना, गलत होने पर भी गलतियाँ न मानना वो लक्षण हैं जो भावनात्मक असंतुलन दशार्ते हैं। ऐसी स्थितियों में भावनाएँ मस्तिष्क को नियंत्रित करती हैं, न कि मस्तिष्क भावनाओं को। इसमें बुद्धिमान दिखने खातिर आंतरिक दबाव और अपने डर को प्रभुत्व या आज्ञाकारी लहजे से छुपा लेना ठीक नहीं होता। केबीसी के जिस एपीसोड से यह मुद्दा गमार्या, उसमें एक अहम बातचीत पर भी ध्यान जरूरी है जब बच्चा कहता है कि अगर मैं कम से कम 12 लाख नहीं जीता तो मुझे बताया गया कि आपके साथ फोटो नहीं खिंचवा सकता! यह कहना बेहतर प्रदर्शन के लिए उस पर दबाव और चिंता को बताता है। कहने की जरूरत नहीं कि वजह माता-पिता या सामाजिक अपेक्षाओं से जुड़ा दबाव है। अहम यह कि माता-पिता अपने बच्चे की बुद्धिमत्ता और जीत की तारीफ तो करते हैं लेकिन उसकी भावनाओं को नहीं समझते, शांत या धैर्यवान होना नहीं सिखाते।

दीपावाली पर्व के प्रारम्भ को दशार्ता है धनतेरस

- रमेश सर्राफ धमोरा

धनतेरस का त्योहार दीपावाली पर्व के प्रारम्भ को दशार्ता करता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। यह त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने के लिए माना जाता है और इसलिए इसे बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदे। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है। धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते है। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं। धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है अथवा यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मारण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दु धर्म की ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्ताने होने से आपस में भाई-बहिन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते है। धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चौक में रंगोली बनाकर सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावड़ी, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए। धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं।

आज का राशिफल

मेष आपके निर्णय लेने की क्षमता के कारण आज आपको लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

वृषभ संतान पक्ष से शुभ समाचार प्राप्त होगा। पहले माता-पिता का आशीर्वाद अवश्य ले लें।

मिथुन कोई मुकदमा या कानूनी विवाद आपके लिए थोड़ी परेशानी खड़ी कर सकता है।

कर्क दिन खुशियां लेकर आ रहा है। लंबे समय से अटका प्रमोशन आज आपको प्राप्त हो सकता है।

सिंह नौकरीपेशा लोगों को अधिकारों में वृद्धि और आर्थिक लाभ का अनुभव होगा।

कन्या आज का दिन अधिक खर्च होने वाला है। अपनी शान-शौकत के लिए धन खर्च कर सकते हैं।

तुला सोच-समझकर किए गए प्रयासों के बावजूद नुकसान की संभावना बनी रह सकती है।

वृश्चिक लाभ मिलने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु दिन भक्ति से पूर्ण रहेगा। आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति और नई बुद्धिमत्ताओं का विकास होगा।

मकर आज आपकी शारीरिक ऊर्जा और उत्साह अधिक रहेगा। कुछ अनावश्यक खर्चे हो सकते हैं।

कुंभ सोच-समझकर कार्य करना चाहिए। जल्दबाजी में किए गए कार्य से हानि हो सकती है।

मीन स्वास्थ्य की तरफ ध्यान देना होगा। पाचन संबंधी परेशानियां और पेट में वायु विकार हो सकते हैं।

विशेष

भारत में गरीब को कभी गुस्सा क्यों नहीं आता

भारत का गरीब हर हाल में जीवन जीना जानता है । भले उसे घास की रोटी खानी पड़े । घास की रोटी तो महाराणा प्रताप ने भी खाई है । जब गरीब आदमी घास पर भी जीवित रह जाता है । भगवान गरीबों को हर हाल में जिंदा रखता है । गरीब के कारण ही भगवान का अस्तित्व है ।अमीर तो भगवान को मानते नहीं है । भगवान के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए गरीब कभी गुस्से में नहीं आता है ।वह कभी हिंसक नहीं होता है । गुलामी की तरह किसी भी स्थिति में संतोष के साथ जीवित रह लेता है । यही गरीबों की विशेषता है । लोकतंत्र में जब गरीब और अमीर सभी को एक समान अधिकार है । उसके बाद भी गरीबों का शांत रहना,कुछ आश्चर्य जनक है । आगे चलकर इस पर भी कोई ना कोई पीएचडी तो करेगा ही।

लोकतंत्र को असली खतरा गरीबों से नहीं, भय से

कहा जाता है, भारत में कभी क्रांति नहीं हो सकती है ।गरीब क्रांति नहीं कर सकते हैं । असल में क्रांति का संबंध गरीबी से नहीं भय से है ।हजारों भेडों को रेण को कुछ गडरिये अपने इशारे पर नियंत्रित कर लेते हैं । भेड़ गडरिया की आवाज पर रेण के पीछे चलती- चली जाती हैं ।भेणों को लगता है, गडरिया उनकी जान बचा रहा है । गडरिया उन्हें घास भी खिला रहा है । भेड़ का भाई और आम आदमी का भय एक सा होता है । भयभीत लोग कभी क्रांति नहीं कर सकते हैं ।

कार्टून कोना

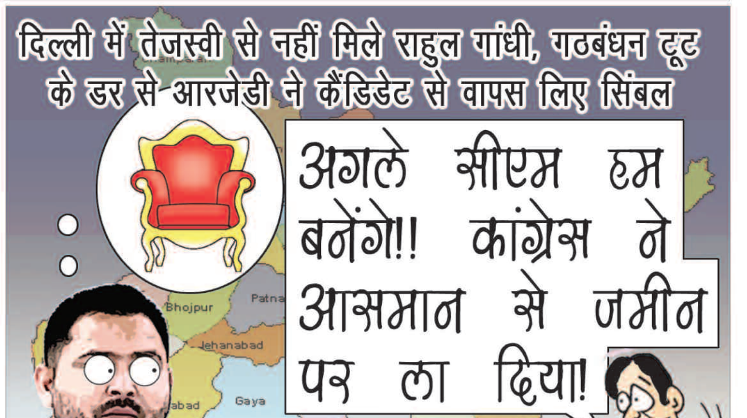
दिल्ली में तेजस्वी से नहीं मिले राहुल गांधी, गठबंधन टूट के डर से आरजेडी ने कैंडिडेट से वापस लिए सिंबल
अगले सीएम हम बनेंगे!! कांग्रेस ने आसमान से जमीन पर ला दिया!
Bhojpur
Patna
Jehanabad
Gaya

आज का इतिहास

1605: मुगल शासक अकबर की मौत हुई। 1813: नेपोलियन बोनापार्ट ने राइन महासंघ भंग कर दिया। 1854: ब्रिटिश और फ्रांसीसी फौजों ने संवस्तपोल की नाकेबंदी शुरू की। 1855: इंग्लैंड केहेनरी बेसेमर ने इस्पात बनाने की प्रक्रिया का पेटेंट कराया। 1906: स्वामी रामतीर्थ का निधन। 1915: अमरीकी नाटककार आर्थर मिलर का जन्म। 1918: यूगोस्लाविया गणराज्य की स्थापना हुई। 1927: नार्वे में लेबर पार्टी ने पहली बार सरकार का गठन किया। 1920: भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना ताशकंद में हुई। 1940: गांधीजी ने निजी सत्याग्रह की शुरूआत की। 1945: कर्नल जुआन पेरो अर्जेन्टीना के तानाशाह बन बैठे। 1972: दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति चिंग ही पार्क ने मार्शल लॉ की घोषणा की।

दैनिक पंचांग

17 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

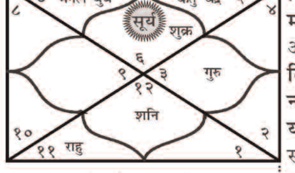

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.03 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृश्चिक	08.18 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.34 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.39 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.25 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	15.58 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.28 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.09 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.07 बजे से
		कर्क	23.20 बजे से
		सिंह	01.36 बजे से
		कन्या	03.48 बजे से

राहुकाल
10.30 से
12.00 बजे तक

शुक्रवार 2025 वर्ष का 290 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि एकादशी 11.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 13.58 बजे को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 01.49 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 11.13 बजे तदनन्तर कौलव 23.43 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 09° 16'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872500
जूलियन दिन 2460965.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1447
महीना रबी उस्सानी **तारीख** 24
विशेष रमा एकादशी, गोवत्स द्वादशी, तुला संक्रांति।

दिन का चौघड़िया						
चर	05.55	से	07.23	बजे तक		
लाभ	07.23	से	08.51	बजे तक		
अमृत	08.51	से	10.19	बजे तक		
काल	10.19	से	11.47	बजे तक		
शुभ	11.47	से	01.15	बजे तक		
रोग	01.15	से	02.43	बजे तक		
उद्वेग	02.43	से	04.10	बजे तक		
चर	04.10	से	05.38	बजे तक		

रात का चौघड़िया				
रोग	05.38	से	07.1	बजे तक
काल	07.11	से	08.43	बजे तक
लाभ	08.43	से	10.15	बजे तक
उद्वेग	10.15	से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से	01.19	बजे तक
अमृत	01.19	से	02.51	बजे तक
चर	02.51	से	04.23	बजे तक
रोग	04.23	से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

डीजीजीआइ की टीम को स्वर्णकार ने कराया इंतजार

जमशेदपुर, एजेंसी। छापेमारी के दौरान जब डीजीजीआइ की टीम जाती है, तो वह किसी का इंतजार नहीं करती है, लेकिन बुधवार को साकची कार्यालय में टीम के पदाधिकारियों को एक स्वर्णकार का एक घंटे से भी अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा। छापेमारी के दौरान जब डीजीजीआइ की टीम जाती है, तो वह किसी का इंतजार नहीं करती है, लेकिन बुधवार को साकची कार्यालय में टीम के पदाधिकारियों को एक स्वर्णकार का एक घंटे से भी अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा। डीजीजीआइ की टीम चास से प्रतीक कलबलिया को गिरफ्तार कर जमशेदपुर ले आयी थी। जब उसे जेल भेजे जाने की तैयारी हो रही थी, तो अधिकारियों ने देखा कि प्रतीक के हाथ में सोने का एक बड़ा कड़ा है। उसे पहले खोलने का प्रयास किया गया, लेकिन जब वह नहीं खुला तो फिर उसे काटने के लिए स्वर्णकार की मदद लेने का फैसला किया गया। धनतेरस–दीपावली का बाजार होने के कारण कोई भी स्वर्णकार समय पर उपलब्ध नहीं हो पा रहा था। एक घंटा इंतजार करने के बाद प्रतीक के हाथ का कड़ा काटने के लिए एक स्वर्णकार वहां पहुंचा।

नयी कोल सैंपलिंग नीति पर विवाद सुलझने की उम्मीद जगी

धनबाद, एजेंसी। ऑल इंडिया कोल ट्रेडर्स एसोसिएशन और कोल सचिव के बीच बुधवार को नयी दिल्ली में नयी कोल सैंपलिंग नीति को लेकर अहम बैठक हुई। इसमें सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी भी शामिल थे। इस दौरान एआइसीटीए की ओर से ऋषभ जैन और संदीप केडिया ने कोयला व्यापारी समुदाय की चिंताओं को विस्तार से रखा। कोल सचिव ने कहा कि कोयला मंत्री जी। किशन रेड्डी स्वयं इस मामले से अवगत हैं। कोल सचिव ने भरोसा दिलाया कि व्यापारियों की चिंताओं को ध्यान में रख नीति पर पुनर्विचार किया जायेगा। एसोसिएशन ने सुझाव दिया कि जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, तब तक नयी सैंपलिंग नीति को स्थगित रखा जाये। सचिव ने इस सुझाव पर कार्यालय में चर्चा करने व व्यावहारिक समाधान निकालने की दिशा में कदम उठाने का आश्वासन दिया। सूत्रों के अनुसार, डायरेक्टर (मार्केटिंग) के जापान यात्रा से लौटने के बाद इसपर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है।

चिल्ड्रेन पार्क हीरापुर में 46 साल से हो रही काली पूजा

धनबाद, एजेंसी। काली पूजा 20 अक्तूबर को है। शहर के चिल्ड्रेन पार्क हीरापुर में काली पूजा का भव्य आयोजन होता है। श्रीश्री श्यामा पूजा समिति झरना पाड़ा पार्क मार्केट की ओर से यहां काली पूजा का आयोजन किया जाता है। समिति के विकास सिंह बताते हैं समिति की ओर से चिल्ड्रेन पार्क हीरापुर में पूजा का यह 46 वां साल है। समिति हर साल खास प्रतिमा और पंडाल बनाने का प्रयास करती है। यहां चंदन नगर के इलेक्ट्रीशियन द्वारा आकर्षक विद्युत सज्जा की जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए समिति के स्वयं सेवक सक्रिय रहते हैं। इस बार नारियल के छिलके से यहां काल्पनिक मंदिर की थीम पर पंडाल बनाया जा रहा है। चिल्ड्रेन पार्क में 20 से 22 अक्तूबर तक काली पूजा होगी। 23 अक्तूबर को मां की प्रतिमा खोखन तालाब जेसी मल्लिक रोड में विसर्जित की जायेगी। मां काली की पूजा 20 अक्तूबर को रात में होगी। महा आरती के बाद भक्तों के बीच भोग वितरित किया जायेगा। पूजा के अवसर पर यहां तीन दिन तक मेला लगेगा। यहां दूर–दराज से भक्त मां के दर्शन के लिए आते हैं। अध्यक्ष दिनेश प्रधान, सचिव विकास रंजन सिंह कोषाध्यक्ष संजय पाठक, ओमियो गोपाल, विकास सिंह चौधरी, राजकुमार साव, प्रशांत चटर्जी, चित्तरंजन दूबे, दीपक सिंह चौधरी।

गया पुल नये अंडरपास व बरमसिया ओवरब्रिज का काम छठ बाद होगा शुरू

धनबाद, एजेंसी। गया पुल नये अंडरपास व बरमसिया ओवरब्रिज का काम छठ बाद शुरू होगा। बुधवार को धनबाद रेल मंडल प्रबंधक के ऑफिस में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इस पर सहमति बनी। दोनों जगह नवंबर के पहले सप्ताह में काम शुरू होगा। बैठक में डीआरएम अखिलेश मिश्र, पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता मिथिलेश प्रसाद, सहायक नगर आयुक्त प्रसून्न कौशिक, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग व बिजली विभाग के अधिकारियों के अलावा रेलवे के कई अधिकारी उपस्थित थे। पथ निर्माण विभाग ने अंडरपास के लिए आइआइटी द्वारा तैयार डिजाइन सौंपी। इस पर डीआरएम श्री मिश्र ने कहा कि डिजाइन अप्रूवल के लिए मुख्यालय भेजा जायेगा। अंडरपास का काम शुरू करें, रेलवे पूरा सहयोग करेगा। बरमसिया ओवरब्रिज का काम भी नवंबर के पहले सप्ताह में शुरू होगा। ओवरब्रिज का काम पैसे के कारण प्रभावित नहीं होगा। बरमसिया ओवरब्रिज की मरम्मत पर 1 ।43 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पथ निर्माण विभाग ने 40 लाख रुपये रेलवे को ट्रांसफर कर दिये हैं। शेष 1 ।03 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। कार्यपालक अभियंता मिथिलेश प्रसाद ने बताया कि बरमसिया ओवरब्रिज के रिटर्निंग वॉल व अप्रोच रोड के लिए रेलवे ने 1 ।43 करोड़ का प्राक्कलन तैयार किया है।

अंतरिक्ष यानों की डॉकिंग करने वाला दुनिया का चौथा देश बना भारत, इसरो अध्यक्ष बोले- मैं बहुत खुश हूं

रांची, एजेंसी। बीआईटी मेसरा वर्षों से सर्वाधिक उच्च श्रेणी निर्धारण वाले और उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थानों में से एक रहा है, जो उच्च मानक स्थापित करता है। इसरो में होने के नाते मुझे यह जानकर भी खुशी हो रही है कि बीआईटी मेसरा के पास राकेट्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के पहले भारतीय विभाग की अग्रणी विरासत है।

यहां के प्रबंधन और संकाय ने छात्रों को सच्ची शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, ऐसी शिक्षा जो ज्ञान के संचय और अनुभव की सराहना सुनिश्चित करती है। इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने कहा हम सभी इस समय बहुत खुश हैं क्योंकि हमारे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने और पृथ्वी पर सुरक्षित वापस लौटने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

मुझे इसरो में उनके सहयोगी होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ और मैं इस एक्सिओम मिशन से भी बड़े पैमाने पर जुड़ सका। इसरो के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के बाद हमने कुछ महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं। स्पैडेक्स मिशन की सफलता के साथ, जिसमें हमने चेजर और टारगेट की सटीक डाकिंग का प्रदर्शन किया, भारत अंतरिक्ष में डाकिंग और अनडाकिंग में सफलता प्राप्त करने वाला चौथा देश बन गया है। हमने जनवरी 2025 में ही श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी एफ15 एनवीएस 2 मिशन का 100वां सफल प्रक्षेपण भी किया था। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भी हमने उल्लेखनीय प्रगति की है और वर्तमान में हमारे पास तारापुर से शुरू होकर भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र सहित 8 प्रमुख परमाणु संयंत्रों में 23 परमाणु रिएक्टर हैं। वर्तमान में, हमारे पास 8180 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है...।

विंग्स ऑफ फायर से सीखा : मैंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की आत्मकथा विंग्स आफ फायर से काफी कुछ सीखा है। जो लोग अपने पेशे के शिखर पर पहुंचना चाहते हैं, उनके लिए पूर्ण प्रतिबद्धता एक महत्वपूर्ण गुण है। यह सच है, मैंने स्वयं इसका अनुभव किया है। बौद्धिक शिक्षा मन को प्रभावित करती हैं जबकि मूल्य आधारित शिक्षा हृदय को प्रभावित करती है। व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों तरह की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि हम कैसे सोचते हैं, कैसे कार्य करते हैं और हम किसमें विश्वास करते हैं। चरित्र की आंतरिक शक्ति विकसित करें। आपको हमेशा ईमानदार और भरोसेमंद होना चाहिए। बड़े सपने देखें और लक्ष्य बनाएं, ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करें और उनके लिए काम करें। सपने आंतरिक मॉनिटर होते हैं और किसी व्यक्ति के लिए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शक्तिशाली उपकरण होते हैं। उन्होंने छात्रों को कल्पनाशील, नवोन्मेषी और रचनात्मक बनने की प्रेरणा दी। जब हम इसरो को देखते हैं, तो पाते हैं कि यह संगठन डॉ. विक्रम साराभाई से शुरू होकर कई पीढ़ियों के नेताओं द्वारा निर्मित है। इसरो के कार्यक्रमों की सफलता का श्रेय इसकी खुली कार्य संस्कृति, टीम वर्क, राष्ट्र को व्यक्ति से ऊपर रखने और कई पीढ़ियों के नेताओं के उत्कृष्ट नेतृत्व को जाता है। आपको हमेशा हृदय से नेक होना चाहिए जिससे चरित्र में सुंदरता आती है, चरित्र में सुंदरता घर में सद्भाव लाती है, घर में सद्भाव राष्ट्र में व्यवस्था लाता है और राष्ट्र में व्यवस्था विश्व में शांति लाती है।

भारत लगभग 2 माह पूर्व ही अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यानों की डाकिंग करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। हमारे उपग्रहों ने संचार, मौसम विज्ञान, मानचित्रण, आपदा चेतावनी, टेलीमेडिसिन, टेली शिक्षा, ग्राम संसाधन केंद्र, सुदूर संवेदन, समुद्र विज्ञान, खनिज संसाधन मानचित्रण जैसे कई अनुप्रयोग प्रदान किए हैं। भारत ने सभी सार्क देशों के लाभ के लिए एक उपग्रह उपहार में दिया है। भारतीय नाविक प्रणाली में अंतरिक्ष यान का एक समूह है जो विभिन्न क्षेत्रों में देश की सेवा भी कर रहा है। हमारे देश में 9100 ट्रेनों में से 8700 ट्रेनों के लिए रीयल टाइम ट्रैकिंग प्रणाली शुरू की गई है। उपग्रहों ने आपदा चेतावनी देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जिससे हजारों लोगों की जान बच रही है। यद्यपि दूरसंचार में हमारी उल्लेखनीय उपलब्धि है, फिर भी 8600 से अधिक ट्रेनों के लिए ट्रैकिंग प्रणाली शुरू की गई है। गूगल के समकक्ष भुवन पोर्टल भी विकसित और तैनात किया गया है। वर्तमान में, हम अपने मानव अंतरिक्ष मिशन, गगनयान के उन्नत चरणों में हैं, जिसमें हम पहली बार भारतीयों को अंतरिक्ष में ले जाएंगे और उन्हें सुरक्षित वापस लाएंगे। इस कार्यक्रम की दिशा में, पहले मानवरहित मिशन की योजना जल्द बनाई जाएगी।

मंगल आर्बिटर मिशन में मिली सराहना : मंगल आर्बिटर मिशन भी एक बहुप्रशंसित मिशन था, जिसके बारे में हमारे प्रधानमंत्री ने बताया था कि प्रति किमी यात्रा का खर्च ऑटो के किराए से भी कम था और कुल खर्च कई हॉलीवुड फिल्मों से भी कम था। हम पहले प्रयास में ही इस मिशन को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले पहले देश थे। भारत ने कुछ वर्षों तक एक ही प्रक्षेपण में सर्वाधिक उपग्रहों (104 उपग्रहों) को कक्षा में स्थापित करने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम रखा। हमने पहले प्रयास में ही एसआरई 1 में अंतरिक्ष यान कैप्सूल का सफल पुनः प्रवेश भी किया।

हजारीबाग के केरेडारी में सनसनीखेज मामला, वार्ड सदस्यों ने दिया सामूहिक इस्तीफा

हजारीबाग, एजेंसी। जिले के केरेडारी प्रखंड की ग्राम पंचायत कंडाबेर में एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। पंचायत के सभी वार्ड सदस्यों ने मुखिया पर गंभीर आरोप लगाते हुए सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया है। वार्ड सदस्यों ने मुखिया पर दबंगई, मनमानी और 15वें वित्त आयोग की राशि के दुरुपयोग का आरोप लगाया है।

वार्ड सदस्यों का कहना है कि मुखिया द्वारा 15वें वित्त आयोग की राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है, जिससे वे लंबे समय से परेशान थे। बार-बार आपत्ति जताने के बावजूद उनकी शिकायतों की कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके चलते सभी वार्ड सदस्यों ने सामूहिक रूप से त्यागपत्र देने का निर्णय लिया। वार्ड सदस्यों ने आरोप लगाया है कि पंचायत कार्यों में से चहारदीवारी निर्माण का कार्य एनटीपीसी के सहयोग से पहले ही पूरा हो चुका था। इसके बावजूद, मुखिया ने उसी कार्य के लिए 15वें वित्त आयोग की राशि से 4, 90,000 रुपये अवैध रूप से निकाल लिए। ग्रामीण प्रतिनिधियों ने उपायुक्त को आवेदन सौंपकर इस अवैध निकासी और पंचायत कार्यों में मनमानी की शिकायत की है।

ग्रामीणों और वार्ड सदस्यों ने जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों पर शीघ्र कानूनी कार्रवाई हो। सामूहिक इस्तीफे के कारण पंचायत की गतिविधियों पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। हजारीबाग के उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने कहा कि ग्रामीणों और वार्ड सदस्यों का आवेदन प्राप्त हुआ है। इसके आधार पर मामले की जांच की जाएगी और उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

झारखंड में पांच दिन रहेगा शुष्क मौसम : रांची समेत कई जिलों में आंशिक बादल

रांची, एजेंसी। झारखंड में मौसम अगले पांच दिनों तक लगभग शुष्क बना रहेगा। मौसम केंद्र, रांची के अनुसार 19 अक्टूबर तक राज्य के दक्षिणी और मध्य हिस्सों में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं, जबकि उत्तरी झारखंड में आसमान साफ रहेगा। इस दौरान किसी भी जिले के लिए कोई विशेष वेदर वॉर्निंग जारी नहीं की गई है।

विभाग के मुताबिक, इन पांच दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। रांची और आसपास के इलाकों में अधिकतम तापमान 29 से 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने बताया कि 17 अक्टूबर तक पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां) तथा मध्य झारखंड के रांची, बोकारो, खूंटी, हजारीबाग, गुमला, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा, चतरा और धनबाद के कुछ इलाकों में आंशिक बादल रहेंगे।

हालांकि, इन जिलों में भी बारिश की कोई संभावना नहीं है। उत्तरी झारखंड के पलामू, गढ़वा, लातेहार, दुमका, जामताड़ा, पाकुड़ और साहेबगंज में मौसम पूरी तरह शुष्क रहेगा। मौसम केंद्र द्वारा जारी आउटलुक के मुताबिक 20 और 21 अक्टूबर को पूरे राज्य में आसमान साफ रहेगा और मौसम पूरी तरह शुष्क बना रहेगा। इस दौरान दिन में हल्की धूप और रात में ठंडी हवाओं के कारण मौसम सुहावना रहेगा। लोगों को सुबह और शाम के समय हल्की ठंड का एहसास हो सकता है। यह मौसम दिवाली पूर्व ठंड की शुरुआत का संकेत माना जा रहा है।

मौसम विभाग के जिला-वार पूर्वानुमान के अनुसार राज्य के ज्यादातर जिलों में दिन का तापमान 30 से 33 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 17 से 22 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। गोड्डा और पलामू में सबसे अधिक तापमान 33 से 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

उत्तरी-पूर्वी जिलों देवघर, गिरिडीह, दुमका और साहिबगंज में तापमान 31 से 34 डिग्री के बीच रहेगा। वहीं राजधानी रांची और खूंटी में दिन का तापमान 29 से 30 डिग्री और न्यूनतम 18 से 20 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

रांची में साउथ एशियन गेम्स का आयोजन, 24 से 26 अक्टूबर तक मोरहाबादी स्टेडियम में जुटेंगे छह देशों के खिलाड़ी

रांची नगर निगम
Ranchi Municipal Corporation

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय खेलों का गवाह बनने जा रहा है। 24 से 26 अक्टूबर तक मोरहाबादी एथलेटिक स्टेडियम में साउथ एशियन (सैफ) गेम्स का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में भारत समेत छह देशों के करीब 300 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और 150 तकनीकी अधिकारी हिस्सा लेंगे।

राजधानी में होने वाला यह आयोजन झारखंड के खेल प्रेमियों के लिए दीपावली से पहले एक खास तोहफा साबित होगा। खेल विभाग की ओर से तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं ताकि प्रतियोगिता का संचालन सुचारू और भव्य तरीके से किया जा सके। 17 अक्टूबर को राज्य के खेल मंत्री द्वारा कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ और मैस्कॉट का अनावरण किया जाएगा। खिलाड़ियों के स्वागत के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

झारखंड ओलंपिक संघ के महासचिव एवं भारतीय ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष मधुकांत पाठक ने बताया कि यह इंटरनेशनल इवेंट झारखंड के लिए गर्व का अवसर है। तैयारी को लेकर खेल मंत्री की अध्यक्षता में बैठक हुई है। इसके बाद विकास आयुक्त ने भी विभिन्न समितियों के साथ समीक्षा की है। सभी कमेटियां काम पर लगी हैं और तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। चाहे वह आवास, परिवहन, सुरक्षा, उद्घाटन समारोह या तकनीकी संचालन से जुड़ी हों। हमें विश्वास है कि यहां आने वाले सभी खिलाड़ी बेहतरीन अनुभव लेकर जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रतियोगिता में पाकिस्तान को छोड़कर सभी टीमें भाग ले रही हैं भारत, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका। करीब 40 से 50 ओलंपियन रांची में खेलते नजर आएंगे, जो झारखंड के खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए प्रेरणादायक होगा। खेल निदेशक शेखर जमुआर ने बताया कि चैंपियनशिप की लगभग सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। स्टेडियम में पहले जो तकनीकी दिक्कतें थीं, उन्हें दूर कर लिया गया है। रंग-रोगन और स्वच्छता का काम अंतिम चरण में है। ट्रैफिक और सुरक्षा की रूपरेखा तय कर ली गई है। प्रशासनिक तैयारियां भी पूरी हैं। यह आयोजन झारखंड की खेल क्षमता को नई ऊंचाई देगा। मोरहाबादी स्टेडियम में तीन दिनों तक चलने वाले इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन के दौरान झारखंड खेल इतिहास का एक नया अध्याय लिखने जा रहा है।

जेएमएम के सोमेश सोरेन और बीजेपी के बाबूलाल सोरेन में कांटे की टक्कर, नामांकन सभा में होंगे शामिल सीएम हेमंत

घाटशिला, एजेंसी। झारखंड के घाटशिला विधानसभा में 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा से दिवंगत मंत्री रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश सोरेन को उम्मीदवार बनाया गया। पिता के निधन के बाद घाटशिला विधानसभा की राजनीति में सक्रिय हुए थे। बीते 13 अक्टूबर को ही सोमेश ने घाटशिला अनुमंडल कार्यालय से नामांकन प्रपत्र खरीदा था। सोमेश पहली बार झामुमो की टिकट पर ये विधानसभा उपचुनाव लड़ेंगे। वहीं भाजपा के उम्मीदवार के रूप में बाबूलाल सोरेन के नाम की घोषणा की गई। वे पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पुत्र है।

पिछले विधानसभा चुनाव में वे झामुमो के प्रत्याशी रामदास सोरेन से चुनाव हार गए थे। महज कुछ दिनों के बाद ही रामदास सोरेन के निधन के बाद दोबारा हो रहे उपचुनाव में भी भाजपा ने बाबूलाल सोरेन को दोबारा प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा। राजनीति के जानकारों की मानें तो इस उपचुनाव में दोनों ही दल के बीच कांटे की टक्कर होने की प्रबल संभावना है।

घाटशिला उपचुनाव के रणभेरी में सीएम हेमंत सोरेन भी अब झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन की जीत सुनिश्चित करने के लिए मैदान में उतरेंगे। आगामी 17 अक्टूबर को घाटशिला के दाहीगोड़ा सर्कस मैदान में झामुमो की नामांकन सभा होगी।

इस नामांकन सभा में सीएम हेमंत सोरेन शामिल होंगे।

देवघर में मातम में बदली खुशियां, बेटी का तिलक चढ़ाने जा रहे पिता की सड़क हादसे में मौत

देवघर, एजेंसी। वह माता-पिता धनवान होते हैं जिनके घर लक्ष्मी आती है। राजेश के घर भी तीन लक्ष्मी आई। दो बेटियों की शादी कर तीसरी नैना की शादी करने के बाद निश्चिंत होने की बार-बार घर में चर्चा करने वाले राजेश का यह अरमान पूरा नहीं हो सका और तीसरी बेटी का तिलक लेकर जाते वक्त रास्ते में एक सड़क दुर्घटना में वह दुनिया को अलविदा कह गया।

बेटी नैना के नयन की धार और उसकी दहाड़ से उनके स्वजन की कौन पूछे, उसके ससुराल वालों का दिल भी पिघल गया। हृदय विदारक इस घटना की खबर सुनकर गोड्डा से ससुराल के सभी सदस्य राजेश के घर आ गए। वह लड़का भी आया जिसके साथ नैना की शादी होनी है।

सबने मानवता की ऐसी पटकथा लिखी कि समाज को यह जता दिया कि केवल फिल्मों में ही नहीं ऐसा होता है। रीयल लाइफ में भी इंसानियत जिंदा है। हंसडीहा-गोड्डा मुख्य मार्ग पर दुमका जिला के हंसडीहा थाना क्षेत्र में मंगलवार की रात हुए सड़क हादसे में एक अधेड़ की मौत हो गई। मृतक 50 वर्षीय राजेश शर्मा देवघर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र के डहुआ गांव का रहने वाला था। वह अपनी छोटी बेटी नैना का तिलक चढ़ाने के लिए गोड्डा जिला के तेलडीहा गांव जा रहा था।

नैना की शादी तेलडीहा गांव निवासी सुनील कुमार शर्मा से तय हुई थी। इस दौरान दुमका जिले के हंसडीहा-गोड्डा मुख्य मार्ग पर हंसडीहा थाना क्षेत्र के रेलवे फाटक हाइवा ने धक्का मार दिया। टक्कर मारने के बाद हाइवा उसे दो किमी तक सड़क पर घसीटते हुए ले गया।

उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल लाया गया। सदर अस्पताल में जांच के बाद डाक्टर ने किया मृत घोषित।

घटना के संबंध में बताया गया कि छोटी बेटी नैना का तिलक चढ़ाने के लिए राजेश व अन्य लोग मोहनपुर से गोड्डा की ओर जा रहे थे। बड़ा दामाद किशन राणा, साढ़ू राजेन्द्र राणा तिलक का सामान आटो पर लादकर जा रहे थे।

गाड़ी में उन तीनों के अलावा आटो चालक था। रेलवे फाटक बंद होने के कारण राजेश आटो से नीचे उतर गया। कुछ आगे जाकर देखने लगा। इस दौरान फाटक खुल गया और पीछे से तेज रफ्तार में आ रही हाइवा ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में राजेश हाइवा में फंस गया।

सदर अस्पताल,जामताड़ा

हादसे के बाद भागने के प्रयास में हाइवा राजेश को करीब दो किमी तक घसीटते हुए ले गया। उसके बाद हाइवा चालक गाड़ी लेकर मौके पर से फरार हो गया। उसके बाद उसका दामाद, साढ़ू व अन्य लोग वहां पहुंचे। हादसे में राजेश गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची।

घायल राजेश को इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल ले जाया गया। सदर अस्पताल में जांच करने पर डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पल भर में शादी की खुशी पर छाए गए गम के काले बादल : मृतक राजेश के साढ़ू राजेन्द्र राणा ने बताया कि राजेश पेशे से बढ़ई का काम करता था। उसकी दो अन्य बेटी बड़ी नेहा व मंझली निशा की पहले शादी हो चुकी है। छोटी बेटी नैना की शादी होनी थी। मृतक का एक आठ वर्ष का बेटा भी है। नैना की शादी की तैयारी घर पर चल रही थी। उसकी बड़ी बेटी नेहा और बड़ा दामाद आ चुके थे। उसके साढ़ू राजेन्द्र राणा भी आए थे। बताया गया कि तिलक चढ़ाने के बाद शादी की तारीख तय होनी थी। राजेश छोटी बेटी की शादी को लेकर काफी उत्साहित था। उसे लग रहा था कि तीसरी बेटी की शादी कर वह एक तरह से निश्चिंत हो जाएगा। बढ़ई का काम करके उसने बड़ी मुश्किल से पहले दो बेटी की शादी की थी। तीसरी की भी तैयारी कर ली थी। लेकिन इसी बीच उसकी मौत की खबर सुनकर घर में खुशी के माहौल पर एकदम से गम के काले बादल छा गए। घर में चीख पुकार गूंजने लगी। लोग सदर अस्पताल पहुंचे और महिलाएं दहाड़ मारकर रोने लगी। राजेश परिवार में कमाने वाले एकमात्र व्यक्ति था। उसकी कमाई पर ही पूरे घर का खर्च निर्भर करता था। ऐसे में हादसे में उसकी मौत हो जाने से पूरे परिवार पर आर्थिक संकट आ गया है। वहीं इस घटना की खबर सुनते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गयी। उसके घर पर गांव वाले पहुंच गए हैं।

नैना के ससुराल वालों ने बंधाया ढांढस : राजेश के होने वाले दामाद सुनील कुमार शर्मा ने इंसानियत की नायाब मिसाल पेश की है। उसके घर में तिलक चढ़ाने के लिए लोग आने वाले थे। उनके घर में इसकी तैयारी चल रही थी। इसी बीच अचानक हादसे की खबर पहुंची। उनके घर में भी खुशी का माहौल गम में तब्दील हो गया। सुनील व उसके घर वालों ने इस दुख की घड़ी में नैना व उसके घर वालों के साथ खड़ा रहने का निर्णय लिया। सुनील, उसकी मां चांदो देवी, बड़ा भाई अनिल मिस्त्री, छोटा भाई जितेन्द्र शर्मा नैना के घर पहुंचे। वे लोग नैना व उसके घर वालों के साथ दुख की इस घड़ी में साथ खड़े नजर आए।

इन वजहों से खाना चाहिए तिल-गुड़

आयुर्वेद सेहतमंद रहने के लिए मौसम, शरीर की प्रकृति और उम्र के हिसाब से खान-पान का चुनाव करने पर जोर देता है। गर्मियों में शरीर को ठंडक देने वाली चीजें खानी चाहिए। वहीं, सर्दियों में उन चीजों को डाइट में शामिल करना चाहिए, जो शरीर को अंदर से गर्मी दे सकें। सर्दियों में तिल-गुड़ खाना आपकी सेहत को बेहतर बना सकता है। इन दोनों की तासीर गर्म होती है और आयुर्वेद के अनुसार, यह सर्दियों में स्वास्थ्य को कई तरीकों से लाभ पहुंचा सकते हैं। सर्दी के समय पर बनने वाली गजक और लड्डुओं में इन दोनों चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। ये दोनों चीजें टेस्टी ही नहीं, बल्कि हेल्दी भी होती हैं। सर्दियों में तिल-गुड़ क्यों खाना चाहिए, इस बारे में हमने आयुर्वेदिक डॉक्टर से बात की।

तिल-गुड़ खाने के फायदे

- तिल और गुड़ दोनों की तासीर गर्म होती है। यह शरीर को अंदर से गर्माहट पहुंचाते हैं।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, सर्दियों में इन दोनों चीजों को साथ में खाने के कई फायदे हैं।
- खासकर, मकर संक्रान्ति के आस-पास तिल-गुड़ का सेवन सेहत के लिहाज से भी अच्छा है।
- इस समय पर सर्द हवाएं चलती हैं लेकिन साथ ही सूरज की किरणों में भी थोड़ी तेजी आने लगती है। इसकी वजह से शरीर में वात दोष बढ़ने लगता है और स्किन ड्राई हो जाती है।
- इसे दूर करने के लिए तिल और गुड़ खाना फायदेमंद होता है।
- तिल और गुड़ में पाए जाने वाले थर्मोजेनिक गुणों की वजह से ये शरीर को गर्म रखने में मदद करते हैं।
- तिल के बीज बालों की ग्रोथ और स्किन हेल्थ को सुधारते हैं।
- इनमें प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है।
- गुड़ में मौजूद डाइजेस्टिव एंजाइम्स, तिल में मौजूद न्यूट्रिएंट्स को अब्जॉर्ब करना आसान बनाते हैं क्योंकि तिल के बीजों को अकेले पचा पाना मुश्किल होता है।
- तिल के बीजों में मैग्नीशियम और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। इनसे बीपी कंट्रोल में रहता है और दिल भी सेहतमंद रहता है।
- तिल में बीजों में मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम की वजह से ये हड्डियों के लिए बहुत अच्छे होते हैं और सर्दियों में तिल-गुड़ खाने से जोड़ों में दर्द से बचा जा सकता है।
- इन दोनों से इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है।
- गुड़ खून की कमी को भी दूर करता है। जिन महिलाओं को एनीमिया है, उन्हें इसका सेवन जरूर करना चाहिए।
- सर्दियों में तिल-गुड़ को डाइट में शामिल कर आप स्वाद के साथ सेहत को भी बेहतर बना सकते हैं।

शरीर की हर कोशिका को हाइड्रेट, डीटॉक्स करता है पानी

पानी सबसे जरूरी पोषक तत्व है और पानी पीने के ढेरों फायदे हैं. वास्तव में पानी को जीवन के लिए अमृत कहा गया है। ऐसे में जरूरी है कि आप पानी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में जानें क्योंकि पानी मनुष्य के शरीर का 70 फीसदी हिस्सा बनाता है और शरीर की हर कोशिका को हाइड्रेट, डीटॉक्स करता है, शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखकर जीवनशैली को स्वस्थ बनाता है।

पानी शरीर में डीटॉक्स करने में बेहद कारगर है, जिससे शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद मिलती है। दिन भर हमारे शरीर में पर्यावरण एवं भोजन आदि के माध्यम से कई तरह के टॉक्सिन्स जमा हो जाते हैं। मल, मूत्र एवं पसीने के जरिए इन टॉक्सिन्स को शरीर से बाहर निकाला जाता है, इसे डीटॉक्सिफिकेशन कहते हैं। पसीना आने से शरीर का तापमान भी सामान्य बना रहता है। गर्मियों में अक्सर हम ज्यादातर समय घर के अंदर बिताते हैं, हम एसी में रहते हैं, ऐसे में दिन भर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत महत्वपूर्ण है। वे लोग जो कम पानी पीते हैं, उनका यूरीन सैचुरेटेट होता है और कई बार इसमें स्टोन बनने की संभावना भी हो जाती है। यूरीन को डाइल्यूट करने और साथ ही स्टूल्स (मल) को सामान्य बनाए रखने के लिए भी उचित मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इसके अलावा, रक्त की सामान्य संरचना को बनाए रखने के लिए भी पानी का सेवन सही मात्रा में करना जरूरी है। रक्त शरीर के सभी अंगों तक पोषक तत्व पहुंचाता है। यह शरीर की उर्जा बढ़ाता है और मैटाबोलिक रेट बढ़ाकर मानसिक थकान दूर करता है। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्राइनोलोजी एण्ड मैटाबोलिज्म द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार 500 एमएल पानी पीने से मैटाबोलिज्म की दर 30 फीसदी तक बढ़ जाती है। कुछ शहरों में खारा पानी होता है, ऐसे स्थानों पर पानी को साफ करके पीना चाहिए। पानी को साफ करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे 10 मिनट के उबालें। जहां पानी उबालना संभव न हो, वहां उपभोक्ता का जागरुक होना जरूरी है। उन्हें पानी की गुणवत्ता की जांच कर सुनिश्चित करना चाहिए वे सुरक्षित पेयजल का ही सेवन करें। इससे आप स्वस्थ, हाइड्रेटेड रहेंगे और अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकेंगे।

कोशिका की संरचना में पानी का महत्व

कोशिकाओं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए पानी जरूरी है, यह बालों, त्वचा और नाखुनों की कोशिकाओं का अभिन्न हिस्सा है। पानी कोलाजन के उत्पादन में मदद कर कोशिकाओं की उम्र बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा, पानी जोड़ों एवं रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए भी जरूरी है क्योंकि पानी शरीर में लुब्रिकेन्ट की भूमिका निभाता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों के बीच फ्रिक्शन कम होता है।

शरीर का तापमान बनाए रखने में मदद करता है

शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने के लिए तरल का संतुलन बहुत महत्वपूर्ण होता है। आपके शरीर में एंजाइम ठीक से काम करते रहें, इसके लिए शरीर का तापमान सामान्य बना रहना बहुत जरूरी है, अगर ऐसा नहीं होगा तो शरीर के सभी काम रूक जाएंगे।

शरीर में फैट यानि वसा को बर्न करने में मदद करता है

कई अध्ययनों में पाया गया है कि पानी का सेवन सही मात्रा में करने से शरीर की वसा को बर्न करने में मदद मिलती है, इस तरह यह वजन कम करने में भी मददगार है।

हाइड्रेट और रीहाइड्रेट करने का सबसे अच्छा तरीका

प्यास लगना डीहाइड्रेशन का संकेत है, इसलिए जरूरी है कि आप दिन भर पानी पीते रहें। डीहाइड्रेशन के कारण शरीर में ऊर्जा का स्तर कम हो जाता है और इम्यून सिस्टम (बीमारियों से लड़ने की ताकत) कमजोर पड़ जाता है। वे लोग जो अधिक सक्रिय रहते हैं, शारीरिक व्यायाम करते हैं, खेलते हैं, उनमें पसीना ज्यादा बहता है, ऐसे में उनके लिए अपने शरीर को नियमित रूप से हाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। शरीर से पानी ज्यादा निकल जाने से क्रैम्प्स पड़ने लगते हैं और शरीर लेक्टेट को बफर करने में सक्षम नहीं रहता। अक्सर देखा जाता है कि एथलीट्स और बॉस्केटबॉल खिलाड़ियों को हाइपरथर्मिया हो जाता है या पानी की कमी एवं बहुत ज्यादा डीहाइड्रेशन के चलते उनका ब्लड प्रेशर गिर जाता है। ऐसी स्थिति में रीहाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। अगर आपमें डायरिया, कम पानी पीना, पेट में फ्लू, बहुत ज्यादा दवाएं लेना जैसी स्थितियां हैं या आपने पिछली रात ज्यादा शराब का सेवन किया है तो ऐसे में शरीर को रीहाइड्रेट करना बहुत अधिक महत्वपूर्ण होता है। रीहाइड्रेशन ओरल माध्यम से या इन्ट्रावीनस तरीके से किया जा सकता है। हममें से ज्यादातर लोग पानी पीने पर ठीक से ध्यान नहीं देते। दिन भर चलने वाले वर्चुअल मीटिंग्स, असाइनमेन्ट और घर के कामों के बीच अक्सर हम पानी पीना भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपने पास पानी की बोतल रख या हेल्थ ऐप के जरिए रिमाइंडर लगाकर बार-बार पानी पीते रहना चाहिए।

पाचन में करता है मदद

अक्सर लोग ये सवाल पूछते हैं 'पानी पीने का सही समय क्या है? खाना खाने से पहले? खाना खाने के बाद? खाना खाने के दौरान? इन तीनों समय में पानी पीने से भोजन को पचाने में मदद मिलती है। पानी पीने से सलाईवा यानि लार की सही मात्रा बनती है, लार में इलेक्ट्रोलाईट, म्यूकस और एंजाइम होते हैं जो भोजन पचाने में मदद करते हैं और मुख के स्वास्थ्य को सामान्य बनाए रखते हैं। भोजन का पाचन मुख में ही शुरू हो जाता है और उम्र बढ़ने के साथ लार का उत्पादन कम मात्रा में होने लगता है। अगर आपको महसूस हो रहा है कि आपका मुंह सूख रहा है तो ज्यादा मात्रा में पानी पीना शुरू कर दें।

हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन हो सकता है नुकसानदायक

हमारी रसोई में उपलब्ध हल्दी वो औषधि है, जो देसी नुस्खों और उपायों में रामबाण के तौर पर इस्तेमाल की जाती है। एंटीऑक्सीडेंट और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन बेहद लाभकारी माना गया है। ऐसे में सर्दियों के दिनों में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए हल्दी वाले दूध के सेवन की सलाह दी जाती है। हल्दी वाला दूध सर्दी-जुकाम और संक्रामक रोगों से बचाव में असरदार होता है। लेकिन कहते हैं न कि एक निश्चित मात्रा से अधिक औषधि का सेवन भी जहर के समान है, हल्दी दूध के अधिक सेवन में भी यही बात लागू होती है।

जी हां, आपको बता दें कि सर्दियों में अगर सेहत बनाने के लिए आप भी हल्दी वाले दूध का खूब सेवन कर रहे हैं तो आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी जान लेना चाहिए। दरअसल, हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है, तो वहीं कुछ विशेष परिस्थिति में तो ये घातक भी हो सकता है। तो चलिए जान लेते हैं कि आखिर हल्दी वाले दूध के अधिक सेवन से किस तरह की शारीरिक समस्याएं पेश आ सकती हैं।

शरीर में आयरन की कमी

आप पौष्टिकता के लिए हल्दी वाले दूध का सेवन करते हैं लेकिन आपको पता होना चाहिए इसकी अधिकता के कारण शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। दरअसल, हल्दी में पाए जाने वाले करक्यूमिन नामक कंपाउंड, शरीर में आयरन के अवशोषण में बाधा बनता है। इसलिए जो लोग आयरन की कमी से जूझ रहे हैं, लोगों को खासतौर पर सीमित मात्रा में हल्दी वाले दूध का सेवन करना चाहिए।

लिवर की समस्या

हल्दी वाले दूध के सेवन का कारण लिवर की समस्या भी हो सकती है। असल में हल्दी में मौजूद करक्यूमिन लिवर में सूजन पैदा करता है, जिसके कारण लिवर की समस्या हो सकती है।

पेट की समस्याएं

हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन शरीर के पीएच को प्रभावित करता है, जिसके कारण पेट में गैस और अपच की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हैं तो आपको हल्दी वाले दूध का सेवन से बचना चाहिए।

गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक

हल्दी वाले दूध का सेवन गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक माना जाता है। एक्सपर्ट की माने तो हल्दी के अधिक सेवन से गर्भाशय में ऐंठन, दर्द हो सकता है। वहीं कई बार इसके चलते ब्लीडिंग की भी समस्या हो जाती है। इसीलिए डॉक्टर्स प्रेग्नेंट महिलाओं को हल्दी वाले दूध के सेवन से बचने की सलाह देते हैं।

शरीर में एलर्जी की प्रतिक्रिया

वहीं हल्दी दूध के अधिक सेवन से आपको एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकते हैं, दरअसल हल्दी में पाए जाने वाले कंपाउड्स के चलते कुछ लोगों को स्किन पर रैशेज और सांस लेने में दिक्कत भी होती है। इसलिए अगर आपकी बॉडी एलर्जिक है तो आपको हल्दी वाले दूध के सेवन से परहेज करना चाहिए।

पेट की जिद्दी चर्बी को खत्म करने की ताकत रखती है हल्दी

अगर आप सोच रहे हैं कि हल्दी का उपयोग सिर्फ खाने का स्वाद और रंग बढ़ाने तक सीमित है, तो आप गलत हैं। यह एक ऐसा मसाला है, जो पेट की जिद्दी चर्बी को खत्म करने की ताकत रखता है, बस आपको इस्तेमाल करना आना चाहिए।

वजन कम करने के लिए लोग कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। लेकिन सर्दियों के दिनों में वजन कम करना बहुत मुश्किल होता है। लगातार बैठे रहने से पेट की चर्बी तो निकल जाती ही है लेकिन पेट के साथ-साथ जांघें और कमर भी मोटी दिखने लगती है। बहुत से लोग कमर और पेट के आकार को कम करने के लिए जिम जाकर घंटों एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं। वजन कम करने के लिए क्या करें? पेट और कमर की चर्बी कम करने और सुडौल शरीर पाने के लिए आप किचन में रखे मसालों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर बात करें मसालों की तो इनमें हल्दी एक ऐसा जादुई मसाला है, जो पेट की चर्बी को काटने का काम करता है। खाने को स्वाद और रंग देने वाले इस मसाले को आप वजन कम करने वाले हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कि आप वजन घटाने के लिए हल्दी का उपयोग कैसे कर सकते हैं।

पेट की चर्बी का नामोनिशान मिटा सकती है हल्दी

एक अध्ययन के अनुसार, हल्दी वजन घटाने के लिए फायदेमंद है। पशु अध्ययनों से पता चला है कि हल्दी में एक शक्तिशाली यौगिक करक्यूमिन होता है, जो फैट बर्न करने का काम करता है। वजन कम करने में असमर्थ 44 लोगों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला कि दिन में दो बार 800 मिलीग्राम करक्यूमिन लेने से उनका बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) कम हो गया। इसके अलावा कमर और कूल्हे की चर्बी भी कम हुई।

हल्दी के गुण

कच्ची हल्दी में एंटीबैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-फंगल गुण होते हैं। इसमें विटामिन सी, पोटैशियम, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, थायमिन, राइबोफ्लेविन होता है। ये पोषक तत्व शरीर को शारीरिक समस्याओं से बचाते हैं।

वजन घटाने के लिए हल्दी वाला पानी कैसे तैयार करें?

- मोटापा कम करने के लिए आप कच्ची हल्दी को गर्म पानी में उबालकर पी सकते हैं। इस मिश्रण का खाली पेट सेवन करने से आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।
- इसके लिए 2 गिलास पानी में कच्ची हल्दी के टुकड़े डालकर उबाल लें
- जब एक गिलास पानी बचे तो आंच बंद कर दें और पानी को छानकर एक गिलास में निकाल लें
- सुबह खाली पेट सबसे पहले इसका सेवन करें।
- अगर आप हल्दी वाला पानी नहीं पीना चाहते तो आप हल्दी वाले दूध का सेवन कर सकते हैं

पहले ही दिन 600 रुपये के पार रुबिकॉन रिसर्च लिमिटेड का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। रुबिकॉन रिसर्च लिमिटेड की शेयर बाजार में जबरदस्त शुरुआत हुई है। कंपनी के शेयर पहले ही दिन 600 रुपये के पार पहुंच गए हैं। रुबिकॉन रिसर्च के शेयर गुरुवार को बीएसई में 27.86 पर्सेंट या 135.10 रुपये के फायदे के साथ 620.10 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। वहीं, एनएसई पर रुबिकॉन रिसर्च लिमिटेड के शेयर 27.84 पर्सेंट या 135 रुपये के प्रीमियम के साथ 620 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में रुबिकॉन रिसर्च लिमिटेड के शेयर का दाम 485 रुपये था। कंपनी के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 1377.50 करोड़ रुपये तक का था। शानदार लिस्टिंग के बाद रुबिकॉन रिसर्च लिमिटेड के शेयरों में कुछ मुनाफावसूली देखने को मिली है। लिस्टिंग के ठीक बाद रुबिकॉन रिसर्च के शेयर बीएसई में 4 पर्सेंट से अधिक की गिरावट के साथ 590 रुपये पर पहुंच गए। वहीं, एनएसई पर कंपनी के शेयर 587.35 रुपये के निचले स्तर पर जा पहुंचे। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 77.67 पर्सेंट थी। आईपीओ से जुटाए गए फंड का इस्तेमाल कंपनी अपने कर्ज को चुकाने और इनऑर्गेनिक ग्रोथ की फंडिंग में करेगी। रुबिकॉन रिसर्च के आईपीओ पर टोटल 109.35 गुना दांव लगा है। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों की कैटेगरी में 37.40 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। वहीं, एंप्लॉयीज कैटेगरी में 17.68 गुना दांव लगा। रुबिकॉन रिसर्च के आईपीओ में गैर संस्थागत निवेशकों का कोटा 102.70 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 137.09 गुना दांव लगा है। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशक कम से कम 1 लॉट और अधिकतम 13 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 30 शेयर थे। यानी, आम निवेशकों को एक लॉट के लिए 14,550 रुपये का निवेश करना पड़ा।

204 करोड़ प्रॉफिट के बावजूद 9 प्रतिशत टूट गया का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। केईआई इंडस्ट्रीज के शेयर में गुरुवार को 9 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जबकि कंपनी ने सितंबर तिमाही में 31.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ अच्छे नतीजे दिए। शेयर एनएसई पर आज 4435 रुपये पर खुला और देखते ही देखते 4,031.90 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। सुबह साढ़े 10 बजे के करीब केईआई का शेयर 5.13 प्रतिशत नीचे 4193.70 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इस तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 204 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के समान तिमाही के 155 करोड़ रुपये से बढ़ा है। ऑपरेशन से राजस्व 19.4 प्रतिशत बढ़कर 2,726 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कंपनी के ई बी आई टी डी ए (ब्याज, टैक्स, डीप्रीसिएशन और अमोर्टाइजेशन से पहले कमाई) में भी 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और ई बी आई टी डी ए मार्जिन लगभग समान 9.9 प्रतिशत पर बना हुआ है। हालांकि, बाजार में शेयर प्राइस पर दबाव बना हुआ है, क्योंकि निवेशक संभवत: प्लांट के ऑपरेशन में देरी और बाजार की बिकवाली की वजह से सतर्क हैं। टल गया है और फेज 1 का रोलआउट अब नवंबर 2025 में होगा, जो सितंबर में हाने वाला था। शेयर के लिए 3,950 रुपये का सपोर्ट लेवल और 4,400 रुपये के आसपास रुकावट मानी जा रही है। वर्तमान में बाजार में बिक्री के दबाव के कारण शेयर कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। एंजेल वन के इक्विटी तकनीकी और डेरिवेटिव विश्लेषक राजेश भोसले के अनुसार, केईआई इंडस्ट्रीज के शेयर की कीमतों में सुबह के सत्र में 9 प्रतिशत से अधिक की भारी गिरावट देखी गई है। हालांकि कीमतें सुबह के निचले स्तर 4,000 से बढ़कर 4,200 (खबर लिखे जाने के समय) पर पहुंच गई हैं।

16,000 कर्मचारियों की छंटनी करने का ऐलान

घट गया है कंपनी का प्रॉफिट

मुंबई, एजेंसी।
नेस्ले इंडिया लिमिटेड के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। शेयरों में इस तेजी के पीछे सितंबर तिमाही के नतीजे हैं। दरअसल, आज कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। दैनिक उपभोग का घरेलू सामान बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया लिमिटेड का जुलाई-सितंबर तिमाही में नेट प्रॉफिट 17.37 प्रतिशत घटकर 743.17 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने पिछले साल इसी दौरान 899.5 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। आज कंपनी के शेयर 4 पर्सेंट तक चढ़ गए और 1,268.60 रुपये पर आ गए।

इसके अलावा, दुनिया की सबसे बड़ी पैकेज्ड फूड कंपनी नेस्ले ने गुरुवार को घोषणा की कि वह 16,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी। कंपनी का उद्देश्य बिक्री मात्रा बढ़ाना और कारोबार को अधिक कुशल बनाना है। नए ष्टश्वह्र फिलिप नव्राटिल ने कहा कि कंपनी ने कॉफी और कन्फेक्शनरी उत्पादों में कीमतों में वृद्धि के कारण उम्मीद से बेहतर बिक्री वृद्धि दर्ज की है। नव्राटिल के अनुसार यह कदम कंपनी की वृद्धि रणनीति और परिचालन क्षमता को मजबूत करने के लिए आवश्यक है।

नेस्ले इंडिया ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में राजस्व 11 प्रतिशत बढ़कर 5,630.23 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 5,074.76 करोड़ रुपये था। कुल खर्च 12.9 प्रतिशत बढ़कर 4,616.73 करोड़ रुपये रहा। जुलाई-सितंबर तिमाही में नेस्ले इंडिया की घरेलू बिक्री 10.8 प्रतिशत बढ़कर 5,411.02 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 4,883.14 करोड़ रुपये थी। इसका निर्यात 14.4 प्रतिशत बढ़कर 219.21 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मनीष तिवारी ने कहा कि घरेलू बिक्री में दोहरे अंक की दर से वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण मात्रा में वृद्धि है।

नए संवत वर्ष में रॉकेट बनेगा यह पेनी शेयर

मुंबई, एजेंसी। दिवाली के मौके पर नए संवत वर्ष 2082 (अक्टूबर 2025 से अक्टूबर 2026 तक) की शुरुआत होगी। इस नए संवत में निवेशकों के लिए अलग-अलग ब्रोकरेज शेयर खरीदने की सलाह दे रहे हैं। कई ऐसे शेयर हैं जिनमें तेजी के अनुमान लगाए जा रहे हैं। इनमें साउथ इंडियन बैंक के शेयर भी हैं। अब बैंक ने तिमाही नतीजे भी जारी किए हैं। आइए डिटेल जान लेते हैं। बैंक ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट आठ प्रतिशत बढ़कर 351 करोड़ रुपये हो गया। बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 की सितंबर तिमाही में 325 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। वित्त वर्ष 2025-26 की सितंबर तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज आय 1,875 करोड़ रुपये पर स्थिर रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 1,878 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान डूबे कर्ज के लिए प्रावधान घटकर 63 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में 110 करोड़ रुपये था। बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) दूसरी तिमाही के दौरान घटकर 2.93 प्रतिशत रह गईं, जो सितंबर, 2024 में कुल कर्ज पर 4.40 प्रतिशत थीं।

10 लाख से 50 करोड़ रुपये तक...

लखनऊ के इस बंदे ने किया कुछ ऐसा कि लोग पूछते हैं- क्या करता है भाई

नई दिल्ली, एजेंसी। किसी भी कारोबार की शुरुआत छोटी या बड़ी नहीं होती। जरूरत होती है तो उसे बस शुरू करने की। इसके बाद मेहनत और जुनून से उसे सफलता के मुकाम तक पहुंचाया जा सकता है। ऐसा ही कुछ किया लखनऊ के अमन गुप्ता ने। उन्होंने साल 2018 में महज 10 लाख रुपये की शुरुआत से अपनी सौर ऊर्जा (सोलर टेक्नोलॉजी) कंपनी की शुरुआत की थी और आज वे 50 करोड़ रुपये की कंपनी खड़ी कर चुके हैं। अमन की कंपनी 'स्मार्ट सोलर टेक' अब उत्तर भारत की चौथी सबसे बड़ी सौर सेवा प्रदाता बन गई है। सोलर पैनल इंस्टॉलेशन के क्षेत्र में काम करने वाली इस कंपनी ने अब तक 8000 से अधिक सोलर पैनल इंस्टॉल किए हैं, जिनमें से 4000 इंस्टॉलेशन अकेले लखनऊ में किए गए हैं। कंपनी न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि हरियाणा और राजस्थान में भी सक्रिय है। शुरुआत में अमन और उनकी प प्रतिशती दीप्ति चौहान अकेले काम करते थे। साल 2017 में उन्होंने नेडा में अपनी कंपनी रजिस्टर कराई और साल 2018 में अपनी एमबीए प प्रतिशती दीप्ति चौहान के साथ मिलकर काम शुरू किया। आज कंपनी में 75 से अधिक प्रशिक्षित कर्मचारी काम कर रहे हैं। अमन गुप्ता ने बताया कि उनकी कंपनी देश की पहली ऐसी श्वक्क्ट फर्म बनने जा रही है, जो कस्टमर फीडबैक और सर्विसिंग के लिए मोबाइल ऐप लॉन्च कर रही है। इस ऐप के जरिए ग्राहक कंपनी से सीधी सेवा प्राप्त कर सकेंगे। बॉटैनिक विभाग में नौकरी करते थे, लेकिन सौर ऊर्जा के बढ़ते अवसरों को देखते हुए उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़ उद्यमिता की राह चुनी। उनका कहना है कि अगर आप में जुनून है तो कोई भी सपना असंभव नहीं। आज अमन गुप्ता युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। अमन बताते हैं कि उनकी कंपनी देश की पहली ऐसी ईपीसी फर्म बनने जा रही है।

अदाणी डिफेंस की जांच के बीच केंद्र का बड़ा कदम, मिसाइल पुर्जों के आयात पर टैक्स छूट नीति वापस

मुंबई एजेंसी। केंद्र सरकार ने मिसाइल के पुर्जों के आयात पर दी गई टैक्स छूट नीति को वापस ले लिया है, जो इस समय अदाणी समूह की रक्षा इकाई पर चल रही जांच के बीच एक अहम कदम माना जा रहा है। सरकार ने 9 अक्तूबर को जारी अधिसूचना में सितंबर में घोषित छूट नीति में संशोधन करते हुए मिसाइल शब्द को हटा दिया। इसके बाद अब केवल लंबी दूरी मिसाइलों के कुछ पुर्जों को ही आयात शुल्क में छूट मिलेगी, जबकि शॉर्ट-रेंज (कम दूरी) की मिसाइलों के पुर्जों पर पहले की तरह कस्टम ड्यूटी लागू रहेगी। सितंबर में जारी अधिसूचना के तहत सरकार ने रक्षा उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए सभी प्रकार की मिसाइलों लंबी और छोटी दूरी के पुर्जों को टैक्स-फ्री आयात की अनुमति दी थी। इससे कई रक्षा कंपनियों को लाभ मिलने की संभावना थी, जिनमें अदाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज भी शामिल थी। हालांकि, नई अधिसूचना के माध्यम से यह छूट वापस ले ली गई है। सरकार ने इस निर्णय के पीछे कोई कारण नहीं बताया है। ग्रांट थॉर्नटन इंडिया के पार्टनर कृष्णन अरोड़ा ने कहा कि यह सुधार नीति को फिर पुराने ढांचे में ले आता है। उन्होंने बताया, पहली बार सरकार ने सभी मिसाइल पुर्जों पर टैक्स छूट देने का निर्णय किया था, लेकिन अब वह फैसला वापस ले लिया गया है। अदाणी समूह पहले ही कह चुका है कि उसने अपनी आयात संबंधी सभी जानकारियां और दस्तावेज अधिकारियों को सौंप दिए हैं।

उच्च स्तरीय आईफोन मशीनरी के स्वामित्व पर टैक्स नहीं देने के लिए यह पैरवी कर रही है

भारी टैक्स से बचने कानून में बदलाव की लॉबिंग कर रही एपल, भारत सरकार से चल रही बातचीत

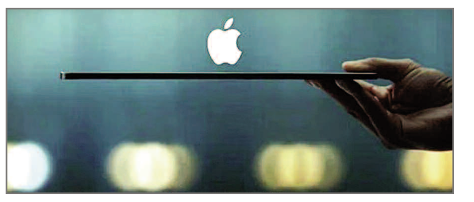

नई दिल्ली, एजेंसी।
एपल भारत में आयकर कानून में बदलाव करने की पैरवी कर रहा है। कंपनी अनुबंधित निर्माताओं को दी जाने वाली उच्च स्तरीय आईफोन मशीनरी के स्वामित्व पर टैक्स नहीं देने के लिए यह पैरवी कर रही है। एपल का मानना है कि वर्तमान नियम भविष्य की उसकी विस्तार योजना में बाधा बन सकता है।

एपल भारत में मौजूदगी बढ़ा रही है। यह चीन से आगे बढ़कर विविधता ला रही है। काउंटरपॉइंट के अनुसार, 2022 से भारतीय बाजार में आईफोन का हिस्सा दोगुना होकर 8 फीसदी हो गया है। चीन अब भी वैश्विक आईफोन शिपमेंट का 75 फीसदी हिस्सा है। भारत का हिस्सा 2022 से चार गुना बढ़कर 25 फीसदी हो गया है। एपल की अनुबंध निर्माता फॉक्सकॉन और टाटा ने पांच संयंत्र खोलने के लिए अरबों डॉलर खर्च किए हैं, लेकिन इनमें से लाखों डॉलर का खर्च आईफोन असेंबली के लिए महंगी मशीनें खरीदने में चला जाता है। एपल भारत में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों के विदेशी स्वामित्व से संबंधित कानून को बदलने के लिए भारत सरकार को राजी किए बिना व्यावसायिक प्रथाओं में बदलाव करती है, तो उसे अरबों डॉलर के अतिरिक्त करों का सामना करना पड़ सकता है।

भारतीय अधिकारियों के साथ की है बातचीत: एपल के अधिकारियों ने हाल में भारतीय अधिकारियों के साथ कानून में बदलाव करने के लिए बातचीत की है। उन्हें डर है कि मौजूदा कानून उनके भविष्य के विकास में बाधा डाल सकता है। अनुबंध निर्माता एक सीमा से आगे पैसा नहीं लगा सकते। अगर पुराने कानून में बदलाव किया जाता है, तो एपल के लिए विस्तार करना आसान हो जाएगा। इससे भारत वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकता है।

सरकार सतर्क, कर रही विचार: एक अधिकारी ने कहा, एपल को प्रभावित करने वाले कराधान नियमों पर चर्चा जारी है। सरकार सतर्क है क्योंकि कानून में बदलाव विदेशी कंपनी पर कर लगाने के उसके संप्रभु अधिकार को कम कर सकता है।

भारत में चीन से अलग कानून

चीन में आईफोन बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनें एपल खरीदती है। उन्हें अपने अनुबंधित निर्माताओं को देती है। उन पर कोई कर नहीं लगता, भले ही वह उनका मालिक हो। लेकिन भारत में यह संभव नहीं है, क्योंकि आयकर अधिनियम एपल के ऐसे स्वामित्व को तथाकथित व्यावसायिक संबंध मानता है, जिससे आईफोन से होने वाले मुनाफे पर भारतीय कर लगेगा।

मजबूत त्योहारी मांग से कारों और दोपहिया वाहन बिक्री ने पकड़ी रफ्तार

- सियाम के आंकड़े दे रहे इसकी गवाही
- कुल निर्यात 19.8 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी।
जीएसटी दरों में कटौती का लाभ सिर्फ नौ दिन मिलने के बावजूद देशभर में सितंबर, 2025 में वाहनों की थोक बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 4.4 फीसदी बढ़कर 3,72,458 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में 3,56,752 यात्री वाहन बिके थे। आंकड़ों के मुताबिक, दोपहिया वाहनों की बिक्री सात फीसदी बढ़कर 21,60,889 इकाई पहुंच गई। सितंबर, 2024 में देशभर में कुल 20,25,993 दोपहिया वाहन बिके थे। वहीं, तिपहिया वाहनों की बिक्री एक साल पहले की समान अवधि के 79,683 इकाइयों की तुलना में 5.5 फीसदी बढ़कर 84,077 इकाई पहुंच गई। सियाम के अध्यक्ष शैलेष चंद्रा ने कहा, मजबूत त्योहारी मांग के दम पर सितंबर ने यात्री, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की है। जीएसटी सुधार के सरकार के ऐतिहासिक फैसले से घरेलू वाहन उद्योग को अगले स्तर पर पहुंचाने और अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

निर्यात सालाना आधार पर 19.8 फीसदी बढ़कर 5,58,768 इकाई पहुंच गया

सितंबर में सभी प्रकार के वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 19.8 फीसदी बढ़कर 5,58,768 इकाई पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में देश से कुल 4,66,409 वाहनों का निर्यात किया गया था। यात्री वाहनों का निर्यात 30.3 फीसदी बढ़कर 87,762 इकाई पहुंच गया। इस दौरान 43,715 कारों का निर्यात किया गया, जो सितंबर, 2024 के 35,421 इकाइयों से 23.4 फीसदी अधिक है। दोपहिया वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 15.3 फीसदी की बढ़त के साथ 4,29,562 इकाईपहुंच गया।

त्योहारी सीजन के बाद भी रहेगी कारों की मांग

सियाम अध्यक्ष ने कहा, त्योहारी सीजन के बाद भी यात्री वाहनों की मांग बने रहने की उम्मीद है, क्योंकि जीएसटी कटौती से उत्साहित होकर खरीदारों का एक नया समूह डीलरशिप पर आना शुरू कर रहा है। चंद्रा ने कहा, घरेलू वाहन उद्योग 2025-26 की दूसरी छमाही में नएउत्साह के साथ प्रवेश करेगा। इसे मजबूत त्योहारी बिक्री, व्यापक आर्थिक स्थितियों और जीएसटी सुधारों से समर्थन मिलेगा। हालांकि, वैश्विक चुनौतियों और कई देशों में तनाव का जोखिम बना रहेगा। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में देशभर में कुल 10,39,200 यात्री वाहन (पीवी) बिके। हालांकि, यह आंकड़ा एक साल पहले की समान अवधि में बिके 10,55,137 यात्री वाहनों की तुलना में 1.5 फीसदी कम है।

350 तक जा सकता है मुकेश अंबानी की कंपनी का शेयर!

ई दिल्ली, एजेंसी।
ुकेश अंबानी की कंपनी जियो फाइनेंशियल र्विसेज के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के ारान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर सुबह सपाट ुरुआत के साथ खुले और 311.80 रुपये पर ारोबार कर रहे थे। बता दें कि कंपनी के जुलाई-तंबर तिमाही के नतीजे आज जारी होने हैं और ाजार में उम्मीद जताई जा रही है कि कंपनी इस माही में स्थिर और संतुलित प्रदर्शन करेगी।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि जियो ाइनेंशियल सर्विसेज अपने लेंडिंग, इंश्योरेंस और मेंट्स सेगमेंट में निरंतर वृद्धि दिखा सकती है। सएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज की सीनियर रिसर्च नालिस्ट सीमा श्रीवास्तव के अनुसार, जियो ाइनेंशियल सर्विसेज की दूसरी तिमाही का प्रदर्शन थर रहने की संभावना है। कंपनी के उपभोक्ता और यापारी ऋष्ठ पोर्टफोलियो में मजबूत वृद्धि देखने को मल सकती है। इसका श्रेय रिलायंस के डिजिटल ौर रिटेल इकोसिस्टम के गहरे एकीकरण को जाता । उन्होंने आगे कहा कि कंपनी का पेमेंट्स बिजनेस थर लेनदेन वॉल्यूम के साथ लचीलापन दिखा कता है। हालांकि फिनटेक सेक्टर में बढ़ती तिस्पर्धा के कारण मार्जिन विस्तार सीमित रह सकता । एनालिस्ट्स का अनुमान है कि कंपनी के म्यूचुअल फंड और बीमा कारोबार अभी विस्तार के चरण में हैं, लेकिन संचालन क्षमता में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। हालांकि, नई तकनीक में निवेश और नए उत्पाद लॉन्च के चलते मुनाफा स्थिर रह सकता है। जियो फाइनेंशियल की एसेट क्वालिटी मजबूत रहने की उम्मीद है क्योंकि कंपनी का पोर्टफोलियो डिजिटल अंडरराइटिंग और सावधानीपूर्ण जोखिम नीति पर आधारित है। चॉइस ब्रोकिंग के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुमीत बगड़िया के अनुसार, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का शेयर तकनीकी चार्ट पर पॉजिटिव ट्रेंड दिखा रहा है। स्टॉक को 305 पर मजबूत सपोर्ट मिला हुआ है, इसलिए निवेशक इसे होल्ड रखें और त्त2 नतीजों के बाद 330 से 350 तक की तेजी की उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नए निवेशक वर्तमान स्तर (313 के आसपास) पर खरीदारी कर सकते हैं।

टैरिफ का असर: अमेरिका को भारत का निर्यात सितंबर में 12 फीसदी घटा; 5.46 अरब डॉलर पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका की ओर से ऊंचे आयात शुल्क लगाने के असर से भारत का निर्यात सितंबर में 11.93 प्रतिशत घटकर 5.46 अरब डॉलर पर आ गया है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इसी अवधि में अमेरिका से भारत का आयात 11.78 प्रतिशत बढ़कर 3.98 अरब डॉलर पहुंच गया। अप्रैल से सितंबर 2025 की अवधि के दौरान भारत का अमेरिका को कुल निर्यात 13.37 प्रतिशत बढ़कर 45.82 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 9 प्रतिशत बढ़कर 25.6 अरब डॉलर दर्ज किया गया। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, सितंबर में अमेरिका को भेजा गया निर्यात अगस्त के मुकाबले 17.9 प्रतिशत घटा, जो 2025 का अब तक का सबसे बड़ा मासिक गिरावट है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि मई से सितंबर के बीच भारत का अमेरिका को निर्यात करीब 37.5 प्रतिशत घट चुका है, जिससे 3.3 अरब डॉलर से अधिक की मासिक शिपमेंट वैल्यू का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि इस गिरावट का सबसे ज्यादा असर टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद और रासायनिक क्षेत्र पर पड़ा है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक का टैरिफ (शुल्क) लागू किया है। अमेरिका ने स्विट्जरलैंड पर अगस्त में 39 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है, जो निश्चित रूप से चुनौती है। लेकिन यह अवसर भी है। हम वर्षों से बाजारों का विविधीकरण कर रहे हैं और भारत इस रणनीति में सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि स्विट्जरलैंड भारत में रेलवे, रोपवे और सुरंग निर्माण तकनीक जैसे क्षेत्रों में निवेश और सहयोग बढ़ाने की योजना बना रहा है। इसके लिए दोनों देशों के बीच ईएफटीए और भारत मुक्त व्यापार समझौता (टीईपीए) को लागू किया गया है।

चीन को निर्यात 34.18 प्रतिशत बढ़ा

इसी बीच, भारत से चीन को निर्यात सितंबर में 34.18 प्रतिशत बढ़कर 1.46 अरब डॉलर हो गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में चीन को निर्यात 21.96 प्रतिशत बढ़कर 8.41 अरब डॉलर, जबकि चीन से आयात 11.25 प्रतिशत बढ़कर 62.88 अरब डॉलर दर्ज किया गया। सितंबर में यूएई, ब्रिटेन, जर्मनी, सऊदी अरब, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, ब्राजील और इटली को निर्यात में भी वृद्धि दर्ज की गई, नीदरलैंड, सिंगापुर और फ्रांस को निर्यात में गिरावट रही।

स्विट्जरलैंड ने भारत को बनाया आर्थिक साझेदार, निवेश पर जोर

स्विट्जरलैंड की सरकार ने अमेरिकी उच्च टैरिफ के बीच भारत को अपना प्राथमिक आर्थिक साझेदार करार दिया है। स्विट्जरलैंड की हेड ऑफ प्रमोशन एक्टिविटीज डाइरेक्टोरेट (एसईसीओ) मार्टिन सालाडिन ने कहा कि अमेरिकी उच्च टैरिफ स्विट्जरलैंड के लिए चुनौतीपूर्ण हैं।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 17 अक्टूबर 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

रोहित शर्मा के निशाने पर शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रच सकते हैं इतिहास

नई दिल्ली । पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और अपने जमाने के विस्फोटक बल्लेबाज शाहिद अफरीदी, जो दुनिया भर में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर रहे, अब भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के निशाने पर हैं। आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित के पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 से 25 अक्टूबर तक होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज में रोहित सलामी बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरेंगे। यदि वे इस सीरीज में 8 छक्के लगा देते हैं, तो वे शाहिद अफरीदी के लंबे समय से कायम रिकॉर्ड को तोड़कर वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित शर्मा ने अपने वनडे करियर में 273 मैचों की 265 पारियों में 11,168 रन बनाए हैं, जिसमें 264 रनों की शानदार पारी भी शामिल है। उनके नाम 32 शतक और 58 अर्धशतक हैं। रोहित ने 1,045 चौके और 344 छक्के जड़े हैं, जिसके साथ वे वर्तमान में वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में शाहिद अफरीदी के बाद दूसरे स्थान पर हैं। रोहित ने अपने करियर में तीन दोहरे शतक भी बनाए हैं, जो अपने आप में एक विश्व रिकॉर्ड है। वहीं, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने 398 वनडे मैचों की 369 पारियों में 8,064 रन बनाए। उनके खाते में 6 शतक, 39 अर्धशतक, 730 चौके और 351 छक्के दर्ज हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित का बल्ला चला तो पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर का यह रिकॉर्ड ध्वस्त हो सकता है। भारतीय फैंस भी चाहेंगे कि रोहित इस दौरे पर पाकिस्तानी क्रिकेटर का रिकॉर्ड ध्वस्त कर शीर्ष पर पहुंचे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह वनडे सीरीज 19 अक्टूबर को पर्थ स्टेडियम में पहले मैच के साथ शुरू होगी। इसके बाद 23 अक्टूबर को एडिलेड ओवल में दूसरा और 25 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में तीसरा और अंतिम वनडे खेला जाएगा। इस बार भारतीय टीम नए वनडे कप्तान शुभमन गिल के युवा नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उतरेगी। गिल, जो अब तक टेस्ट टीम की कप्तानी संभाल रहे थे, अब वनडे टीम की कमान भी संभालेंगे। रोहित शर्मा और विराट कोहली की करीब छह महीने बाद वनडे टीम में वापसी से भारतीय टीम को मजबूती मिली है। इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी से टीम का संतुलन और आत्मविश्वास बढ़ा है। बता दें कि आगामी सीरीज रोहित शर्मा के लिए न केवल एक रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है, बल्कि भारतीय टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर अपनी बादशाहत साबित करने का भी अवसर है।

नेपाल और ओमान ने टी20 विश्व कप 2026 में जगह बनाई

मस्कट, एजेंसी। नेपाल और ओमान ने एशिया/पूर्वी एशिया-प्रशांत क्वालीफायर से आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में अपनी जगह बना ली है। यूएई की समोआ पर जीत के साथ ही नेपाल और ओमान की विश्व कप में जगह सुनिश्चित हो गई। ग्रुप चरण में अपराजित नेपाल ने सुपर सिक्स में दो अंक हासिल किए और यूएई और कतर के खिलाफ दो अंतिम गेंद वाले रोमांचक मुकाबले जीते। एक दिन बाद, रोहित पौडेल की टीम ने एक और शानदार प्रदर्शन किया। 148 रनों का बचाव करते हुए, नेपाल मुकाबले से बाहर लग रहा था क्योंकि कतर 12 ओवर में 97/1 पर पहुँच गया था, लेकिन संदीप लामिछाने के 5-18 के शानदार स्पेल ने कहानी पलट दी। लेग स्पिनर की धारदार गेंदबाजी ने कतर को 10 रनों से हरा दिया, जिससे नेपाल को एक यादगार जीत मिली और 2026 टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। ओमान ने नेपाल की निरंतरता को दोहराया, सुपर सिक्स चरण में भी दो अंक हासिल किए। उन्होंने कतर के खिलाफ 172 रनों का आराम से बचाव किया और फिर यूएई के खिलाफ एक कड़ा मुकाबला जीता। इस बीच, समोआ पर शानदार जीत के बाद यूएई अंतिम क्वालीफिकेशन स्थान के लिए दावेदारी में बना हुआ है, जिससे उसे 16 अक्टूबर को जापान के खिलाफ एक अहम मुकाबले में जगह बनाने में मदद मिलेगी। अमीराती टीम फिलहाल तीसरे स्थान पर है, जबकि कतर के पास अभी भी एक मौका है। उसे समोआ को हराना होगा, अन्य परिणामों की उम्मीद करनी होगी, और नेट रन रेट के आधार पर प्रतियोगिता में आगे निकलना होगा। ग्रुप चरण में पापुआ न्यू गिनी को हराने के बावजूद, समोआ लगातार हार के बाद बाहर हो गया है।

AASIF
9
NANDAN
22
EL
4
AIRE
45

डेनमार्क ओपन 2025:

लक्ष्य सेन और सत्विक-चिराग ने प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

कोपेनहेगन, एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और पुरुषों की डबल्स जोड़ी सत्विकसायराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने डेनमार्क ओपन 2025 के प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य सेन ने आयरलैंड के नाथ गुयेन को 10-21, 21-8, 21-18 से हराया, जबकि सत्विक-चिराग ने स्कॉटलैंड की जोड़ी क्रिस्टोफर और मैथ्यू ग्रिमली को 17-21, 21-11, 21-17 से मात दी। लक्ष्य सेन, जो पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट हैं, ने पहले गेम में धीमी शुरुआत की और 10-21 से हार गए। लेकिन दूसरे गेम में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए केवल 8 पॉइंट्स गंवाए और मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन लक्ष्य सेन ने अपने आत्मविश्वास का परिचय देते हुए मैच अपने नाम किया। यह लक्ष्य सेन की नाथ गुयेन के खिलाफ चौथे मैचों में से तीसरी जीत है। पुरुषों की डबल्स में, छठे सीड सत्विक-चिराग ने पहले गेम में हार के बावजूद दूसरे गेम में वापसी की और निर्णायक गेम में शानदार प्रदर्शन कर प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

वैभव सूर्यवंशी बुरी तरह फ्लॉप

ईशान किशन ने ठोकी सेंचुरी, पहले दिन मोहम्मद शमी भी चमके

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन के मुकाबले शुरू हो गए हैं. पहला दिन अधिकांश टीमों के बल्लेबाजों के लिए कठिन रहा, लेकिन ईशान किशन ने शतक लगाया, देवदत्त पडिक्कल सिर्फ 4 रन से शतक से चूक गए. वहीं इंग्लैंड टूर पर फेल रहे करुण नायर ने 73 रनों की पारी खेली. इसी बीच सबकी नजरें 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर भी थीं, जिन्हें सीजन शुरू होने से पूर्व बिहार टीम का उपकप्तान बनाया गया था. वो सीजन के पहले मैच में सिर्फ 14 रन बनाकर आउट हो गए.

ईशान किशन का शतक

तमिलनाडु के खिलाफ मैच में झारखंड ने बल्लेबाजी में दम दिखाया. झारखंड की टीम पहले दिन 6 विकेट खो कर 307 रन बना चुकी है. उनकी टीम 157 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन किशन ने कप्तानी पारी खेलते हुए 125 रन बनाए और वो अब भी क्रीज पर डटे हुए हैं. मोहम्मद शमी भी बंगाल के लिए खेल रहे हैं, जिन्होंने उत्तराखंड के खिलाफ मैच में 14.5 ओवरों में 37 रन देकर 3 विकेट चटकाए. बताते चलें कि शमी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद से ही टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं.

वैभव सूर्यवंशी हुए फ्लॉप

बिहार के गेंदबाजों ने अरुणाचल प्रदेश की पहली पारी सिर्फ 105 रन के स्कोर पर समेट दी थी. बिहार के लिए शाकिब हुसैन ने 6 विकेट झटके. बिहार के लिए वैभव सूर्यवंशी और अर्णव किशोर ओपनिंग करने आए. वैभव ने शुरुआत में ही ऐसे बल्ला घुमाया, जैसे वो कोई टी20 मैच खेल रहे हों. वो सिर्फ 4 गेंदों में 14 रन बना चुके थे, लेकिन यब निया की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए. सूर्यवंशी चाहे जल्दी आउट हो गए हों, लेकिन बिहार मजबूत स्थिति में पहुंच गई है. अर्णव किशोर ने 52 रन बनाए, जबकि आयुष लोहारुका 155 रन बनाकर खेल रहे हैं, दूसरी ओर कप्तान साकिबुल गनी 56 रन बनाकर नाबाद लौटे. पहले दिन स्टंप्स तक बिहार 2 विकेट के नुकसान पर 283 रन बना चुकी है और उसकी कुल बढ़त 178 रनों की हो गई है.

टेबल टेनिस

एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में चीन का दबदबा, पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीते

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन ने एशियाई टेबल टेनिस में अपना दबदबा फिर साबित करते हुए पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीत लिए। पुरुष टीम ने हांगकांग को 3-0 से हराया जबकि महिला टीम ने जापान को 3-0 से मात दी। चीन ने एशियाई टेबल टेनिस में अपना दबदबा फिर साबित करते हुए पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीत लिए। पुरुष टीम ने हांगकांग को 3-0 से हराया जबकि महिला टीम ने जापान को 3-0 से मात दी। महिला वर्ग में पहले मुकाबले में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग मानयु ने 11वीं रैंकिंग वाली होनोका हाशिमोतो को 12-10, 11-3, 11-6, 11-3 से हराया। अगले मैच में सुन यिंगशा ने मीवा हारिमोतो को 11-9, 11-5, 11-7 से मात दी। आखिरी मैच में कुआइ मान ने जापान की हिना हयाता को 8-11, 12-10, 11-6, 11-9 से शिकस्त दी। पुरुष फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी लिन शिडोंग ने वोंग चुन तिंग को 11-8, 11-4, 11-4 से हराकर चीन को शानदार शुरूआत दी। इसके बाद दूसरे नंबर के खिलाड़ी वांग चुकिन ने चान बाल्डविन को 12-10, 11-9, 5-11, 14-12 से हराया। आखिरी मुकाबले में लियांग जिंगकुन ने यिउ कवान गो को 13-11, 11-6, 12-10 से मात दी।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी के लिए अहमदाबाद का नाम प्रस्तावित

26 नवंबर को होगा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, कार्यकारी बोर्ड ने आज पुष्टि की है कि वह 2030 शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अहमदाबाद, भारत को प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में अनुशंसा करेगा। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के कार्यकारी बोर्ड ने बुधवार को अहमदाबाद को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी के लिए प्रस्तावित शहर के रूप में सिफारिश की है। अब इस पर अंतिम फैसला 26 नवंबर को ग्लासगो में होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली में लिया जाएगा।

अहमदाबाद को मिला समर्थन

भारत को इस बार मेजबानी के लिए नाइजीरिया से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा था, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स ने नाइजीरिया की भविष्य की मेजबानी की संभावनाओं को बढ़ाने और उन्हें समर्थन देने की रणनीति बनाने का निर्णय लिया है, जिसमें 2034 के खेलों की संभावित मेजबानी भी शामिल है। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, कार्यकारी बोर्ड ने आज पुष्टि की है कि वह 2030 शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अहमदाबाद, भारत को प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में अनुशंसा करेगा। गुजरात का अहमदाबाद अब कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की पूरी सदस्यता के समक्ष पेश किया जाएगा और अंतिम निर्णय 26 नवंबर को लिया जाएगा।

वेक्टर एक्स बना आईएसबीए वीमेंस ब्लाइंड फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 का एथलीट किट पार्टनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अग्रणी स्पोर्ट्स ब्रांड, वेक्टर एक्स ने समावेशी खेलों को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, इंडियन ब्लाइंड फुटबॉल फेडरेशन (आईबीएफएफ) के साथ साझेदारी की है। कंपनी आईएसबीए वीमेंस ब्लाइंड फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 के लिए अब आधिकारिक एथलीट किट पार्टनर है। इस साझेदारी को खास बनाता है वेक्टर एक्स का आईबीएफएफ के साथ चल रहा सहयोग, जिसके तहत कंपनी ने साउंड बॉल तैयार की है। यह एक ऐसी अनोखी फुटबॉल है, जो विशेष रूप से दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के लिए बनाई गई है। इस बॉल में आवाज़ वाले उपकरण और लो-बाउंस ब्लैडर लगाए गए हैं, जिससे खिलाड़ी गेंद की आवाज़ के जरिए खेल को समझ और नियंत्रित कर सकते हैं। इस नवाचार ने देशभर के दृष्टिबाधित फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए खेल को अधिक सुलभ और रोमांचक बना दिया है। वर्ष 2016 में स्थापित आईबीएफएफ भारत में ब्लाइंड फुटबॉल की राष्ट्रीय शासी संस्था है और पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अंतर्गत काम करती है। इस संस्था ने देश के 24 राज्यों में खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने में अहम् भूमिका निभाई है और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भारत की मौजूदगी को मजबूत बनाया है। आईबीएफएफ के डायरेक्टर सुनील मैथ्यू ने कहा, ब्लाइंड फुटबॉल सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। वेक्टर एक्स हमारे लिए सिर्फ एक सहयोगी नहीं, बल्कि ऐसा साथी है, जो हमारे खिलाड़ियों का साथ देता है और उनके लिए लगातार नवाचार करता है। वेक्टर एक्स के मार्केटिंग हेड, बलजिंदर पाल सिंह ने कहा, हर खिलाड़ी उस उपकरण का हकदार है, जो उसे ताकत दे, प्रेरित करे और उसके प्रदर्शन को बेहतर बनाए।

वेक्टर एक्स साउंड बॉल खिलाड़ियों को आवाज़ के सहारे खेलने की सुविधा देता है, जिससे मैदान एक ऐसी सिम्फनी बन जाता है जिसमें हुनर, हिम्मत और सटीकता की झंकार होती है। वेक्टर एक्स और आईबीएफएफ मिलकर यह साबित कर रहे हैं कि समावेशिता कोई विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य है। यह साझेदारी ब्रांड्स, फेडरेशंस और प्रशंसकों के लिए एक संदेश है कि यह खूबसूरत खेल सबका है।

TEAM ITALY
TEAM INDIA
REPUBLIC OF KOREA
INDIA
INDIA

केन विलियमसन लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े

आईपीएल 2026 से पहले मिली बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ, एजेंसी। केन विलियमसन इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जायंट्स में रणनीतिक सलाहकार के रूप में शामिल हो गए हैं, टीम के मालिक संजीव गोयनका ने गुरुवार सुबह सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। फ्रैंचाइजी के मालिक गोयनका ने 35 वर्षीय पूर्व न्यूजीलैंड कप्तान के बारे में लिखा, उनका नेतृत्व, रणनीतिक अंतर्दृष्टि, खेल की गहरी समझ और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें टीम के लिए एक अमूल्य योगदान बनाती है। विलियमसन, जो एसए 20 लीग में डरबन टीम के साथ रहते हुए सुपर जायंट्स फ्रैंचाइजी का हिस्सा रहे हैं, ने आखिरी बार इस साल मार्च में दुबई में भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड के लिए खेला था। उन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास नहीं लिया है, लेकिन न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ एक आकस्मिक अनुबंध होने के कारण, उनके खेलने की संभावना कम ही है। आईपीएल के अनुभवी खिलाड़ी होने के बावजूद विलियमसन को पिछले दो सीजन में एक खिलाड़ी के रूप में कुछ खास करने को नहीं मिला है। आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटन्स के लिए खेलते हुए उन्हें सीजन के पहले मैच में घुटने में चोट लग गई और फिर वे प्रतियोगिता में आगे नहीं खेल पाए। आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटन्स के साथ रहते हुए, उन्होंने केवल दो मैच खेले और 27 गेंदों में 27 रन बनाए।

पाकिस्तानी टीम के ड्रेसिंग रूम में पहुंच गया फैन, बाबर आजम से मिलने के लिए तोड़ी सिक्योरिटी

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला गया. इस मुकाबले में पाकिस्तानी टीम ने 93 रनों से जीत हासिल की. पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 277 रनों का टारगेट दिया, लेकिन उसकी पूरी टीम दूसरी इनिंग्स में 183 रनों पर सिमट गई. पाकिस्तानी टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम का 15 अक्टूबर (बुधवार) को 31वां जन्मदिन भी था, ऐसे में ये जीत उनके लिए किसी तोहफे से कम नहीं रही. पाकिस्तानी टीम की जीत के जश्न के बीच गद्दाफी स्टेडियम में हुई अप्रत्याशित घटना ने सबको चौंका दिया.

दुल्हनिया ढूंढ रहे संजय मिश्रा!

- अपकमिंग फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का पोस्टर जारी

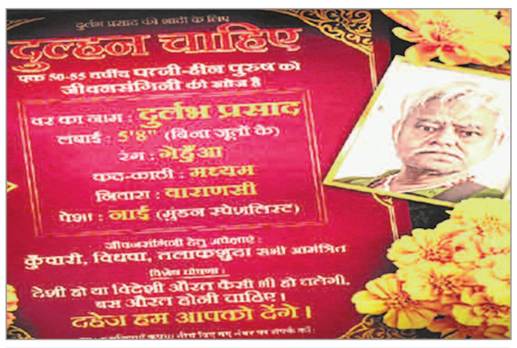
दुर्लभ प्रसाद की शादी के लिए
दुल्हन चाहिए
एक 50-55 वर्षीय पत्नी-हीन पुरुष को जीवनसंगिनी की खोज है
वर का नाम : दुर्लभ प्रसाद
लंबाई : 5'8" (बिना जूतों के)
रंग : गेहुँआ
कद-काठी : मध्यम
जिला : वाराणसी
पेशा : नाई (मुंडन स्पेशलिस्ट)
जीवनसंगिनी हेतु अपेक्षाएं :
कुंवारी, विधवा, तलाकशुदा सभी आमंत्रित
विशेष घोषणा :
देशी हो या विदेशी औरत कैसी भी हो चलेगी,
बस औरत होनी चाहिए।
दहेज हम आपको देंगे।

एक यूजर ने लिखा, करवाचौथ का उपवास भी रखोगे, ये नहीं लिखा है।

संजय मिश्रा सन ऑफ सरदार 2, भक्षक, पोस्टमैन, हीर एक्सप्रेस, संत तुकाराम, और 5 सितंबर में देखे गए। अब एक्टर दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी लेकर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे बेटे की है, जो अपने पिता की शादी कराना चाहता है। दरअसल संजय जिस लड़की से शादी करना चाहते हैं, उनके घरवालों की डिमांड है कि भरा-पूरा परिवार होना चाहिए, खासकर घर में पहले से महिला मौजूद होनी चाहिए। ऐसे में एक्टर अपने ऑनस्क्रीन पिता की दूसरी शादी करवाने के लिए पूरा जोर लगा देते हैं। बता दें कि संजय मिश्रा सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं और अपने फैंस के साथ पुरानी फोटोज को शेयर करते रहते हैं। शूटिंग के सेट से भी एक्टर फोटोज शेयर करते हैं। हाल ही में उन्होंने घासीराम कोतवाल नाटक को लेकर भी वीडियो शेयर की थी और अपने किरदार के बारे में बात की थी।

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर संजय मिश्रा को सिर्फ संजीदा किरदारों के लिए ही नहीं बल्कि अपने कॉमेडी से भरे रोल्स से भी जाना जाता है। संजय मिश्रा ने कई ऐसी फिल्में की हैं, जिन्होंने फैंस को हंसाया और रुलाया दोनों हैं, लेकिन अब एक बार फिर अपने मस्तमौला अंदाज से वो फैंस को हंसाने के लिए आ रहे हैं, क्योंकि उनकी नई फिल्म का नया पोस्टर रिलीज हो चुका है। संजय मिश्रा की नई फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का नया पोस्टर रिलीज हो चुका है। पोस्टर शादी के लिए दूल्हे के इश्तिहार जैसा है, जिसमें दुर्लभ प्रसाद का बायोडेटा छपा है। दुर्लभ प्रसाद की लंबाई 5 फुट 8 इंच है, वो भी बिना जूतों के, रंग गेरुआ है, और वो खुद सामने से लड़की वालों को दहेज देंगे। दुर्लभ प्रसाद ने दुल्हन के लिए कुछ खूबियां लिखी हैं, जिसमें विधवा, तलाकशुदा, देसी और विदेशी हर तरह की महिला चलेगी, बस महिला होनी चाहिए। इस पोस्टर को शेयर कर संजय मिश्रा ने लिखा, टैग करें, शेयर करें और जीवनसंगिनी ढूंढने में दुर्लभ प्रसाद का साथ दें। दुल्हन खोज अभियान से जुड़िए, कौन जाने आपका एक शेयर किसी की ज़िंदगी में प्यार भर दे। फैंस भी पोस्टर के कायल हो गए हैं और अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं।

अभिनेत्रियाँ मेघा रे, गौरी शेलगांवकर और अनंदिता साहू ने साझा की

अपनी खास दिवाली यादें

जैसे-जैसे रोशनी का त्यौहार पास आता है, वातावरण में दीयों की चमक, मिठाइयों की खुशबू और पुरानी यादों की मिठास घुलने लगती है। इस दिवाली, सन नियो की तीन लोकप्रिय अभिनेत्रियाँ दिव्य प्रेम- प्यार और रहस्य की कहानी की मेघा रे, प्रथाओं की ओढ़े चुनरी- बींदणी की गौरी शेलगांवकर और सत्या साची की आनंदिता साहू ने अपने बचपन की दिवाली की यादों और इस साल के उत्सव की तैयारियों को साझा किया। दिव्य प्रेम- प्यार और रहस्य की कहानी में दिव्या का किरदार निभा रहीं मेघा रे बताती हैं, नवरात्रि के बाद ही एक अलग-सी खुशी महसूस होती है, क्योंकि दिवाली के आने की बेसब्री बढ़ जाती है। जब मिठाइयों, फूलों और दीयों की खुशबू हवा में फैलती है, तो लगता है मानो पूरा वातावरण जादुई हो गया हो। मेरे लिए दिवाली परिवार के साथ बिताने का खास समय होता है, जब घर की सफाई, सजावट, दीए प्रज्वलित करना, यह सब हम साथ मिलकर करते हैं। मुझे पटाखे फोड़ना ज्यादा पसंद नहीं है, क्योंकि मेरे घर में पालतू जानवर हैं और मैं जानती हूँ कि तेज़ आवाज़ से जानवरों और पक्षियों को कितनी परेशानी होती है। इस साल मैं दिवाली अपने परिवार के साथ-साथ दिव्य प्रेम के सेट पर अपनी नई फैमिली के साथ भी मनाऊँगी। प्रथाओं की ओढ़े चुनरी- बींदणी में घेवर का किरदार निभा रहीं गौरी शेलगांवकर कहती हैं, दिवाली हमेशा से मेरा सबसे पसंदीदा त्यौहार रहा है। बचपन से ही जैसे ही त्यौहार का समय आता था, मैं बहुत उत्साहित हो जाती थी। माँ तरह-तरह के पकवान बनाती थीं, जैसे कि लड्डू, चिवड़ा, चकली और बहुत कुछ। मुझे और मेरे भाई को चकली सबसे ज्यादा पसंद थी और हम उसे खाकर इतनी जल्दी खत्म कर देते थे कि माँ को फिर से बनानी पड़ती थी। मुझे घर के बाहर बड़ी-बड़ी रंग-बिरंगी रंगोली बनाना भी बहुत अच्छा लगता था। इस साल मैंने प्रथाओं की ओढ़े चुनरी- बींदणी की शूटिंग से कुछ दिन की छुट्टी ली है, ताकि घर जाकर परिवार के साथ दिवाली मना सकूँ। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ कि मैं घर का खाना परिवार के साथ खाऊँ और इस त्यौहार को खूब एंजॉय करूँ।

सत्या साची में सत्या की भूमिका निभा रहीं आनंदिता साहू साझा करती हैं, कुछ यादें कभी फीकी नहीं पड़तीं और ओडिशा में बिताई मेरी बचपन की दिवाली उन्हीं में से एक है। मुझे याद है, कार्तिक पूर्णिमा के दिन हम सब महानदी के किनारे दीए जलाते थे, पूरा शहर दीयों से जगमगा उठता था और छेना पोड़ा और मंगल मिठाइयों की खुशबू इसे और खूबसूरत बना देती थी।

संगीत के 30 वर्षों का जश्न:

अनुष्का शंकर ने की भारत टूर की घोषणा

11 बार ग्रैमी के लिए नामांकित सितार वादक अनुष्का शंकर अपने लाइव प्रदर्शन के 30 साल पूरे होने पर एक विशेष भारत दौरे की घोषणा कर रही हैं। इसके बाद यह यात्रा बेंगलुरु (31 जनवरी), मुंबई (1 फरवरी), पुणे (6 फरवरी), दिल्ली (7 फरवरी) और कोलकाता (8 फरवरी) में जारी रहेगी। भारत में हर परफॉर्मेंस मेरे लिए बेहद व्यक्तिगत होता है, लेकिन यह दौरा एक बेहद खास समय पर हो रहा है। इस टूर के साथ हम मिलकर मेरे मंच पर संगीत साझा करने के 30 सालों का जश्न मनाएंगे - तीन दशक की वृद्धि, जोखिम और नवाचार। इस विशेष टूर के साथ अनुष्का न केवल अपने तीन दशक के संगीत सफर को सेलिब्रेट कर रही हैं, बल्कि अपनी Chapters त्रयी को भी पूर्ण रूप से प्रस्तुत कर रही हैं - एक ऐसी संगीत यात्रा जिसकी शुरुआत भारत से हुई थी और जो पिछले दो वर्षों में चार महाद्वीपों में व्यापक रूप से सराही गई। वह आगे कहती हैं- यह यात्रा वास्तव में तीन साल पहले गोवा में नए साल के दिन की डायरी से शुरू हुई थी, जब मैंने इस त्रयी का एक खाका तैयार किया था। मैंने एक नए बैंड के साथ प्रयोगात्मक परफॉर्मेंस किए और उसके साथ ही इन Chapters को लिखा और रिलीज किया। हर शो और हर महाद्वीप के साथ संगीत को विकसित होने दिया।

प्रेग्नेंसी के दौरान की थी दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग: इशिता दत्ता

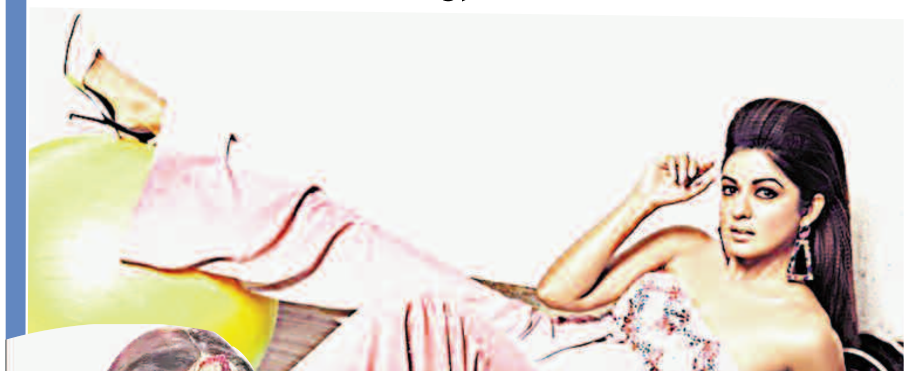

बॉलीवुड एक्ट्रेस इशिता दत्ता बहुत जल्द फिल्म दे दे प्यार दे 2 में काम करती दिखाई देंगी। उन्होंने बताया कि जब वह गर्भवती थीं तभी उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। यह उनके लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर था, लेकिन उन्होंने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। इशिता ने यह भी बताया कि शूटिंग के समय उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी की न्यूज को सीक्रेट रखा ताकि काम पर असर न पड़े। दो बच्चों, बेटे वायु और बेटी वेदा की मां बनने के बाद यह उनकी पहली फिल्म है जो रिलीज होने जा रही है। इशिता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में 'दे दे प्यार दे 2' के पोस्टर के बगल में अपनी एक तस्वीर साझा की। इसमें अभिनेत्री ने बताया कि इतने लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी करना एक नई शुरुआत जैसा लग रहा है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, इस फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हूं... दोनों बच्चों के बाद मेरी पहली फिल्म। इसकी शूटिंग के दौरान मैं गर्भवती थी। 4 साल बाद वापसी करना बहुत अजीब लग रहा है, मानो एक नई शुरुआत हो... आप सभी का आशीर्वाद चाहिए... क्या मैं कह सकती हूं कि मैं पोज देना भूल गई हूं, एक नई शुरुआत के लिए उत्साहित हूं। हाल ही में फिल्म दे दे प्यार दे 2 का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इसमें आयशा नाम की लड़की की स्टोरी है जो एक ऐसे शख्स से प्यार करती है जो उम्र में उनसे काफी बड़ा है। इसमें अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में आर. माधवन रकुल प्रीत सिंह के पिता के रोल में दिखाई देंगे। पहले तो वह इस रिश्ते से खुश रहते हैं, लेकिन बाद में धीरे-धीरे उनका असली रूप सामने आता है। इसका ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आ रहा है। लोग कमेंट बॉक्स में कहते दिखे कि यह पहले पार्ट से बेहतर फिल्म होगी। अंशुल शर्मा ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी तरुण जैन ने लव रंजन के साथ मिलकर लिखी है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, लव रंजन, और अंकुर गर्ग इसके निर्माता हैं। दे दे प्यार दे 2 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

द ताज स्टोरी धर्म की नहीं, भारत के इतिहास की बात है

स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा द्वारा प्रस्तुत, तुषार अमरीश गोयल द्वारा लिखित और निर्देशित तथा परेश रावल अभिनीत, द ताज स्टोरी का हाल ही में एक और प्रभावशाली डायलॉग प्रोमो रिलीज़ हुआ है, जिसने दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल को देशभर में राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बना दिया है। इस नए जारी किए गए डायलॉग प्रोमो में परेश रावल अपनी गूंजती आवाज़ में गहराई से अपनी बात रखते हुए कहते हैं, यह मुद्दा हिंदू या मुसलमान का नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास का है। उनके ये शब्द एक सशक्त संदेश देते हैं कि भारत का अतीत किसी एक धर्म का नहीं, बल्कि साझा विरासत का प्रतीक है, जहाँ हिंदू और मुसलमान दोनों की योगदान की कहानी एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई है। साथ ही फिल्म इस विचार को भी सामने रखती है कि इतिहास को चुनिंदा नजरिए से देखने के बजाय, सच्चाई को ईमानदारी से स्वीकारना ही असली सम्मान है। आस्था और राजनीति से ऊपर उठकर यह संवाद इस बात पर जोर देता है कि हमारा अतीत केवल तथ्यों के आधार पर समझा जाए, तभी उसका वास्तविक आदर हो सकता है। सच पूछिए तो यह संवाद फिल्म को सिर्फ एक मनोरंजकता के साथ नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आत्ममंथन के रूप में स्थापित करता है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है कि इतिहास को अब तक कैसे बताया, लिखा और याद किया जाता रहा है। गौरतलब है कि परेश रावल, जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ, और नमित दास जैसे सशक्त कलाकारों से सजी यह फिल्म एक तीखा सामाजिक ड्रामा है, जो आज के समय का सबसे चुनौतीपूर्ण सवाल उठाती है और वह सवाल है आज़ादी के 79 साल बाद भी, क्या हम अब भी बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं?

कंगना ने शाहरुख से की अपनी तुलना

कंगना रनौत अकसर ही शाहरुख खान और बॉलीवुड के बाकी खान के साथ अपनी तुलना करती आई हैं। वह खुद को लेडी खान मानती हैं और तीनों खान के साथ काम भी नहीं करना चाहतीं। और अब कंगना ने एक बार फिर शाहरुख से अपनी तुलना की है, और कुछ ऐसा कह दिया है जो फैंस को भी हैरान कर रहा है। कंगना का कहना है कि उन्होंने शाहरुख से ज्यादा मेहनत की है, और अपने दम पर मुकाम बनाया। कंगना ने यह भी कहा कि उन्होंने गांव से मुंबई आकर मुकाम पाया, जबकि शाहरुख को दिल्ली के रहने वाले हैं और कॉन्वेंट स्कूल में पढ़े हैं। कंगना ने कहा, मुझे इतनी सफलता क्यों मिली? शायद ही कोई और होगा जो गांव से आकर मेनस्ट्रीम में इतनी सफलता हासिल कर पाया हो। आप शाहरुख खान की बात करें। वो दिल्ली से हैं, कॉन्वेंट में पढ़े हैं। मैं एक ऐसे गाँव से हूं, जिसके बारे में किसी ने सुना भी नहीं होगा- भांबला। मालूम हो कि कंगना यंग एज में ही घर से भागकर मुंबई आ गई थीं। उन्होंने 19 साल की उम्र में फिल्म गैंगस्टर से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद राज 2 तनु वेड्स मनु, तनु वेड्स मनु 2 और फैशन जैसी फिल्मों से पॉपुलैरिटी बटोरी। कंगना अपने करियर में चार नेशनल अवॉर्ड्स जीते।

अभिनेत्री पारुल गुलाटी इस बार दीपावली का त्योहार अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ मनाएंगी। उनके लिए दीपावली सिर्फ एक दिन का त्योहार नहीं, बल्कि एक लंबे जश्न की शुरुआत है जो नए साल तक चलता है। आईएएनएस से बात करते हुए पारुल ने कहा, दीपावली के दिन मेरी योजना अपने परिवार के साथ घर पर रहने की है। लेकिन उससे पहले, हां, मैं कुछ दोस्तों की दीपावली पार्टियों में जा रही हूं। इन पार्टियों में ढेर सारी मिठाइयां खाने का इंतजार कर रही हूं।

दीपावली पर मिठाइयों और पकवानों में पूरी तरह

डूबना चाहती हूं: पारुल गुलाटी

पारुल का मानना है कि दीपावली से लेकर नए साल तक का समय खुशियों और स्वादों से भरा होता है, जिसमें खुद को रोकना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, मुझे लगता है कि जब मुंह में मिठाई चली जाती है, तो एक ही काफी नहीं होती। इसके बाद आपको खाते ही रहना पड़ता है। इस पूरे फेस्टिव सीजन में मेरा कोई फिटनेस प्लान नहीं है। इस समय मैं खुद को मिठाइयों और पकवानों में पूरी तरह डुबो देना चाहती हूं और यही मेरा प्लान है। पारुल ने आईएएनएस से साझा किया कि हर साल दीपावली के बाद वह अपनी नानी के घर जाती हैं और वहां एक हफ्ते तक परिवार के साथ समय बिताती हैं। यह उनके लिए एक खास परंपरा की तरह है, जिससे वह हर साल जुड़ी रहती हैं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि जब तक ये त्योहार खत्म नहीं हो जाते, तब तक फिटनेस के बारे में सोचने का सवाल ही नहीं उठता। फिल्मी करियर की बात करें तो पारुल गुलाटी ने पी.ओ.डब्ल्यू.- बंदी युद्ध के, सेलेक्शन डे, और गर्ल्स हॉस्टल जैसे चर्चित शोज में काम किया है। अब वह जल्द ही एक नई वेब सीरीज दोनाली में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ दिव्येंदु और बरुन सोबती जैसे लोकप्रिय अभिनेता भी हैं। यह सीरीज 1960 के दशक के चंबल की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसे मध्य प्रदेश की अलग-अलग जगहों पर शूट किया गया है। शो का निर्देशन ई निवास ने किया है। इसमें चंकी पांडे और यशपाल शर्मा जैसे अनुभवी कलाकार भी शामिल हैं।